आदिवासी एक्सप्रेस

आमजन का एक मात्र हिंदी दैनिक अखबार

रांची, बुधवार
07 मई 2025
वर्ष: 38, अंक: 155
पृष्ठ: 12, मूल्य: 3रु
RNI NO.: 49065/1989
DAVP CODE: 130961

झारखंड

पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की बैठक:अमित शाह एक दिन पहले रांची आएंगे, साहेबगंज को पारादीप पोर्ट जोड़ने पर जोर

झारखंड

हुसैनाबाद प्रखंड कार्यालय में केसीसी, ऋण माफी एवं बीज वितरण हेतु विशेष शिविर का आयोजन

हजारीबाग

प्रदेश महासचिव विनोद कुशवाहा के नेतृत्व में संविधान बचाओ रैली के लिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं का विशाल जत्था रवाना

पीएम मोदी को तीन दिन पहले से थी पहलगाम हमले की जानकारी: खड़गे

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

रांची: कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने चौंकाने वाला दावा किया है कि पीएम नरेंद्र मोदी को पहलगाम आतंकी हमले की जानकारी पहले से थी। क्या यह सुरक्षा चूक है या राजनीतिक बयानबाज़ी?

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पहलगाम आतंकी हमले की जानकारी को लेकर पीएम मोदी पर बड़ा आरोप लगाया है। खड़गे ने मंगलवार को एक सनसनीखेज दावा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस हमले की तीन दिन पहले जानकारी थी, लेकिन उन्होंने इसे सुरक्षा बलों के साथ साझा नहीं किया। खड़गे के इस बयान पर बीजेपी ने तीखी प्रतिक्रिया दी और कांग्रेस अध्यक्ष को आधुनिक मीर जाफर क़रार देते हुए माफ़ी मांगने की मांग की।

मल्लिकार्जुन खड़गे राँची में संविधान बचाओ रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पहलगाम हमले से तीन दिन पहले यानी 19 अप्रैल को खुफिया एजेंसियों ने प्रधानमंत्री मोदी को संभावित आतंकी हमले की चेतावनी दी थी। खड़गे ने दावा किया कि इस जानकारी के आधार पर पीएम ने अपनी श्रीनगर यात्रा रद्द कर दी, लेकिन इस खुफिया जानकारी को पुलिस, सुरक्षा बलों या सीमा सुरक्षा बल के साथ साझा नहीं किया गया। खड़गे ने कहा, मैंने अख़बारों में पढ़ा कि हमले से तीन दिन पहले पीएम मोदी को खुफिया रिपोर्ट मिली थी। इसलिए उन्होंने अपनी कश्मीर यात्रा रद्द कर दी। अगर खुफिया एजेंसियों ने आपको बताया कि जाना उचित नहीं है तो आपने यह जानकारी पुलिस और सुरक्षा बलों के साथ क्यों नहीं साझा की? 26 लोगों की जान चली गई, क्या सरकार को इसकी ज़िम्मेदारी नहीं लेनी चाहिए? उन्होंने सरकार पर खुफिया विफलता का आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने 24 अप्रैल को एक सर्वदलीय बैठक में इस विफलता को स्वीकार किया था। खड़गे ने यह भी सवाल उठाया कि अगर सरकार को हमले की आशंका थी तो पहलगाम में पर्यटकों की सुरक्षा के लिए पर्याप्त इंतज़ाम क्यों नहीं किए गए।

22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों ने पर्यटकों के एक समूह पर अंधाधुंध गोलीबारी की। इस हमले में 26 लोगों की मौत हो गई। हमले की जिम्मेदारी प्रतिबंधित पाकिस्तान-आधारित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा की शाखा द रेसिस्टेंस फ्रंट ने ली थी।

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष खरगे ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ सरकार के हर कदम का समर्थन करती है, लेकिन सरकार को सुरक्षा उपायों में चूक नहीं करनी चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि जब प्रधानमंत्री को जानकारी दी गई थी, तो वही सूचना सुरक्षा एजेंसियों और पुलिस बल को क्यों नहीं दी गई?

रैली में खरगे ने मोदी सरकार की आर्थिक और रोजगार नीतियों को भी आड़े हाथों लिया। उन्होंने दावा किया कि देश में 30 लाख सरकारी पद खाली हैं, लेकिन उन्हें भरने की कोई पहल नहीं की जा रही है, ताकि गरीबों को नौकरी न मिल सके। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की नीति PSU बंद करो और गरीबों की नौकरी छीनो की तरफ बढ़ रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (PSUs) में काम करने वाले कर्मचारियों को महीनों तक वेतन नहीं मिल रहा, जबकि सरकार दावा करती है कि देश आर्थिक रूप से मजबूत हो रहा है। उन्होंने कहा कि सिर्फ आंकड़ों से नहीं, बल्कि जमीनी हकीकत से ही विकास का आकलन किया जाना चाहिए।

खरगे ने झारखंड की जनता को धन्यवाद दिया और कहा कि 'इंडिया' गठबंधन की सरकार को जो समर्थन मिला है, वह जनता की जीत है। उन्होंने कहा कि झारखंड में एक मजबूत और जनहितैषी सरकार चल रही है, जो जनता से किए वादों को निभा रही है।

रैली के दौरान खरगे ने देश की एकता और संविधान की रक्षा के लिए शहीद हुए नेताओं को भी याद किया। उन्होंने इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और महात्मा गांधी के बलिदानों को याद करते हुए कहा कि देश सबसे पहले है, इसके बाद धर्म, जाति और पार्टी आती है।

बता दें, जम्मू-कश्मीर के मिनी स्वीटजरलैंड कहे जाने वाले पहलगाम में आतंकियों ने वहां घूमने गए लोगों को उनका नाम और धर्म पूछकर गोली मारी थी। खबर है कि कई लोगों को कलमा पढ़ने के लिए भी कहा गया। जो लोग कलमा नहीं पढ़ पाए, उनकी हत्या कर दी गई। इस भयावह घटना में 26 लोगों की मौत हुई जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे। पाकिस्तान से जुड़े आतंकवादी समूहों को इस घटना के पीछे जिम्मेदार बताया है। ऐसे में भारत-पाकिस्तान के बीच काफी तनाव बना हुआ है। केंद्र सरकार अब तक पाकिस्तान के खिलाफ कई बड़े एक्शन ले चुकी है। इस बीच केंद्र सरकार ने देश के 244 स्थानों पर 7 मई को मॉक ड्रिल का ऐलान किया है। पहलगाम हमले के बाद इस कदम को काफी अहम माना जा रहा है।

खड़गे के दावों पर बीजेपी ने तीखी प्रतिक्रिया दी। बीजेपी प्रवक्ता सीआर केसवान ने खड़गे के बयान को देशद्रोही और आधुनिक मीर जाफर जैसा क़रार दिया। उन्होंने कहा, खड़गे का पीएम के ख़िलाफ़ यह विषाक्त, आधारहीन और अपमानजनक बयान निंदनीय है। अगर उनके पास कोई सबूत है तो उसे पेश करें, नहीं तो बिना शर्त माफी मांगें।

केसवान ने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस का यह बयान पाकिस्तान के नैरेटिव को मज़बूत करता है। उन्होंने कहा, जब पूरा देश पाकिस्तान के ख़िलाफ़ एकजुट है, तब कांग्रेस क्यों उसी नैरेटिव को बढ़ावा दे रही है जो पाकिस्तान चाहता है?

बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता आरपी सिंह ने भी कांग्रेस को लश्कर-ए-पाकिस्तान कांग्रेस कहकर तंज कसा और कहा कि ऐसे बयान देश की एकता को कमजोर करते हैं।

कांग्रेस नेता खड़गे खिलाफ भी भाजपा कर रही षडयंत्र: भूपेश बघेल

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

रांची: छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि आज संविधान खतरे में है. लोकतंत्र खतरे में है. भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि वे सबको डुबाना चाहते हैं. दुश्मन की तरह व्यवहार करते हैं. बघेल मंगलवार को पुराना विधानसभा मैदान में आयोजित संविधान बचाओ रैली को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने कहा कि भाजपा संविधान को बदलकर आपके अधिकार को समाप्त करना चाहती है. कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के खिलाफ भी भाजपा षडयंत्र कर रही है. जब-जब कांग्रेस को मौका मिला तब-तब कांग्रेस ने जनता के अधिकार को संपन्न बनाया. भाजपा को जब भी मौका मिला अधिकार छीनने का काम किया. आज पूरे देश में मनरेगा में काम नहीं चल रहा है. गरीबों के मुंह से निवाला छीना जा रहा है. महंगाई बढ़ती जा रही है. भाजपा अपने मित्रों का जेब भरने का काम कर रही है. उन्होंने कहा कि जो कांग्रेस अंग्रेजों से नहीं डरी वो क्या काले अंग्रेजों से डरेगी. जिस परिवार ने देश की आजादी के लिए अपना सब कुछ न्योछावर कर दिया, उस पर 2000 और 5000 करोड़ काम आरोप लगा रहे हैं. बेशर्मी के साथ झूठ बोलते हैं. बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे पर तंज कसते हुए कहा कि शादी की सालगिरह पर सैकड़ों जवान सुरक्षा में लगाए. लेकिन आम आदमी के लिए एक भी सिक्यूरिटी नहीं. पहलगाम घटना के 15 दिन गुजर जाने के बाद एक भी प्रभावी कदम नहीं उठाया है. इस संकट काल में हम सब एक हैं. मौके पर विधायक दल के नेता प्रदीप यादव और प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने भी अपनी बातें रखीं. धन्यवाद ज्ञापन राजेश कच्छप ने किया.

सीएम हेमंत सोरेन ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से की मुलाकात

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

रांची: सीएम हेमंत सोरेन ने मंगलवार को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात की. इस दौरान गांडेय विधायक कल्पना सोरेन भी मौजूद रहीं .सीएम ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा है कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई. इससे पहले खड़गे से पुराना विधानसभा मैदान में आयोजित संविधान बचाओ रैली को संबोधित किया. इस दौरान उन्होंने जमकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा.

सरकारी नौकरियों में आंदोलनकारियों के आश्रितों को पांच फीसदी क्षैतिज आरक्षण

संवाददाता द्वारा

रांची: राज्य सरकार ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए राज्य में आंदोलनकारियों के आश्रितों को सरकारी नौकरियों में पांच प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण देने का फैसला किया है. यह आरक्षण तृतीय और चतुर्थ वर्ग के पदों पर सरकारी नियुक्ति में मिलेगा. अब आंदोलनकारियों के परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी में आरक्षण का लाभ मिलेगा. इस नई व्यवस्था का उद्देश्य झारखंड के आंदोलनकारियों के परिवारों को सरकारी नौकरियों में भागीदारी सुनिश्चित करना है.

फिलहाल क्या है आरक्षण की व्यवस्था

- अनुसूचित जनजाति: 26%
- अनुसूचित जाति: 10%
- अत्यंत पिछड़ा वर्ग: 8%
- पिछड़ा वर्ग: 6%
- आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग: 10%
- दिव्यांगजन: समय-समय पर निर्धारित
- महिलाएं: 5% क्षैतिज आरक्षण
- आंदोलनकारियों के आश्रित: 5% क्षैतिज आरक्षण

किसे मिलेगा यह लाभ

इस आरक्षण का लाभ झारखंड राज्य के आंदोलनकारियों के आश्रित परिवार के एक सदस्य को मिलेगा. यह लाभ एक बार ही दिया जाएगा. इसका उद्देश्य आंदोलनकारियों के परिवारों को सरकारी नौकरियों में प्रतिनिधित्व देना है.

पेसा कानून पर झारखंड में अब तक नियमावली नहीं बनी: आदिवासी समन्वय समिति

संवाददाता द्वारा

रांची: राष्ट्रीय आदिवासी समन्वय समिति के सदस्यों ने मंगलवार को रांची प्रेस क्लब में मीडिया को संबोधित किया. समिति के संयोजक और पूर्व मंत्री देवकुमार धान ने कहा कि पेसा (PESA) कानून को लागू हुए 28 वर्ष और झारखंड को राज्य बने 25 वर्ष हो चुके हैं. लेकिन अब तक राज्य सरकार ने इस कानून की नियमावली नहीं बनाई है. यह ग्राम सभाओं को उनके संवैधानिक अधिकारों से वंचित रखने का प्रमाण है.

19 वर्षों तक आदिवासी मुख्यमंत्री, फिर भी अधिकारों का विस्तार नहीं : धान ने कहा कि झारखंड में बीते 19 वर्षों में आदिवासी मुख्यमंत्री रहे हैं, 9 वर्ष भाजपा के शासनकाल में और 10 वर्ष झामुमो-कांग्रेस गठबंधन के अंतर्गत. इसके बावजूद किसी भी सरकार ने पेसा कानून को लागू करने की गंभीर पहल नहीं की है.

उन्होंने यह भी कहा कि सीएनटी और एसपीटी एक्ट, जो संविधान की अनुसूची में शामिल हैं और आदिवासियों की जमीनों की सुरक्षा के लिए बनाए गए हैं, वे भी आज जमीन लूट की घटनाओं को रोकने में विफल हो रहे हैं. सरकार इन कानूनों को सख्ती से लागू नहीं कर रही है.

लैंड बैंक नीति रद्द करने की मांग : पूर्व मंत्री ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार द्वारा बनाई गई लैंड बैंक नीति को मौजूदा झामुमो-कांग्रेस सरकार ने अपने चुनावी घोषणा पत्र में समाप्त करने का वादा किया था. लेकिन अब तक इसे रद्द नहीं किया गया है. इस नीति के जरिए गांवों की सामुदायिक जमीनें पूंजीपतियों के हाथों सौंपने का प्रयास हो रहा है.

फर्जी जमाबंदी की जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग : धान ने कहा कि फर्जी जमाबंदी के माध्यम से सामुदायिक जमीनें बाहरी लोगों को हस्तांतरित की जा रही हैं, जिससे ग्रामीणों का अधिकार छीना जा रहा है. उन्होंने इन मामलों की निष्पक्ष जांच, दोषी राजस्व अधिकारियों की बर्खास्तगी और फर्जी जमाबंदियों को रद्द कर ज़मीनें ग्रामीणों को लौटाने की मांग की है.

सरकार आदिवासियों को ठगना बंद करें - देवकुमार धान : देवकुमार धान ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि राज्य सरकार आदिवासियों को लगातार ठग रही है. उन्होंने पेसा कानून को तत्काल प्रभाव से लागू करने, सीएनटी-एसपीटी एक्ट को सख्ती से पालन करवाने और ज़मीन लूट की घटनाओं पर ठोस कार्रवाई की मांग की. इस अवसर पर समिति के अन्य सदस्य - सिकन्दर हेम्ब्रम, फुलचंद तिर्की, संजय तिर्की, बलकु उरांव, नारायण उरांव, लक्ष्मी टुडू, मेघलाल सोरेन, परनु उरांव सहित अन्य उपस्थित थे

सरना धर्म कोड के बिना नहीं होगी झारखंड में जातीय जनगणना: झामुमो

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

रांची: केंद्र की मोदी सरकार ने जाति आधारित जनगणना कराने का फैसला लिया है. केंद्र सरकार के इस फैसले के बाद से राजनीति शुरु हो गयी है. झारखंड के प्रमुख सत्ताधारी दल झारखंड मुक्ति मोर्चा ने दो टूक कह दिया है कि सरना धर्म कोड को लागू किए बिना राज्य में जातिगत जनगणना नहीं होने दिया जाएगा.

झामुमो के महासचिव विनोद पांडेय ने इस बाबत पत्र भी जारी कर दिया है. पार्टी ने सरना धर्म कोड की मांग को लेकर 9 मई को राज्य के सभी जिला मुख्यालयों में धरना प्रदर्शन करने की घोषणा कर दी है. पार्टी ने विरोध प्रदर्शन में सभी केंद्रीय पदाधिकारी, मंत्री, सांसद और विधायकों की उपस्थिति अनिवार्य कर दी है.

झामुमो ने केंद्र सरकार को घेरते हुए आरोप लगाया है कि इस फैसले से केंद्र सरकार की आदिवासियों के प्रति मानसिकता झलकती है. इस मसले पर झामुमो प्रवक्ता मनोज पांडेय ने दो टूक कहा है कि राज्य में हम जो चाहेंगे वही होगा. तमाम इंडिया गठबंधन के दबाव में ही केंद्र सरकार ने जातीय गणगणना की बात कही है. उन्होंने कहा कि केंद्र में राज्य सरकार जो चाहेगी वो नहीं होने दिया जाएगा.

झामुमो नेता मनोज पांडेय ने कहा कि बिहार चुनाव को देखते हुए वोट लेने के लिए भाजपा ने जातीय गनगणना की घोषणा की है. इसलिए सरना धर्म कोड के बगैर जातीय आधारित गनगणना नहीं होने दिया जाएगा. लिहाजा, सरना धर्म कोड के बिना इस फैसले को लागू नहीं होने दिया जाएगा. इसको चेतावनी कहने पर मनोज पांडेय ने कहा कि हमलोग आंदोलनकारी हैं. इसी भाषा में झारखंड अलग राज्य लिया गया था. इसको देखते हुए रणनीति बनाने का काम शुरु हो गया है. केंद्रीय नेतृत्व के फैसले के तहत आगे का फैसला लिया जाएगा.

झामुमो प्रवक्ता ने कहा कि जबतक सरना धर्म कोड को नहीं समाहित नहीं किया जाएगा, तबतक जनगणना अधूरी मानी जाएगी. उन्होंने कहा कि लड़ के लेंगे सरना धर्म कोड. इसको ध्यान में रखते हुए बैठकों का दौर जारी हो रहा है.

झारखंड के विश्वविद्यालयों में साल 2022 के बाद अब तक सीनेट की बैठक नहीं हुई है

शिक्षा प्रतिनिधि द्वारा

रांची: राजधानी रांची विश्वविद्यालय में सीनेट की बैठक 16 मई 2022 को प्रभारी कुलपति डॉक्टर कामिनी कुमार की अध्यक्षता में आखरी बार हुई थी. इसके बाद नए कुलपति अजीत कुमार सिन्हा ने पदभार ग्रहण किया था. इसके बावजूद विश्वविद्यालय के सबसे बड़े शासी निकाय का बैठक नहीं हो सकी है.

इन विश्वविद्यालयों इस निकाय को संचालित करने में राज्य सरकार की भी अहम भूमिका है. लेकिन राज्य सरकार ने भी इस ओर ध्यान नहीं दिया. इसके कारण विश्वविद्यालय के उच्च शिक्षा से जुड़े कई निर्णय पिछले 3 वर्षों से अधर में लटका हुआ है.

दरअसल, विश्वविद्यालयों में सीनेट एक महत्वपूर्ण शासी निकाय है, जो शैक्षणिक मामलों के लिए जिम्मेदार होता है. यह मुख्य रूप से संकाय सदस्यों से बना होता है. जिसमें राज्य सरकार के विधायक, सांसद और विश्वविद्यालय से जुड़े पदाधिकारी भी सदस्य होते हैं. इसका मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय की शैक्षणिक नीतियों और प्रक्रियाओं की देखरेख करना है. संकाय के कल्याण और विकास की वकालत करना और शैक्षणिक गुणवत्ता को बनाए रखना सीनेट का महत्वपूर्ण काम है. विश्वविद्यालय और सिंडिकेट द्वारा लिए गए निर्णय को भी सीनेट से ही पारित किया जाता है. चाहे वह छात्र हित की बात हो या शिक्षक नियुक्ति के साथ-साथ अन्य शिक्षन गतिविधियों और निर्णयों का निष्पादन सीनेट के द्वारा ही किया जाता रहा है.

रांची विश्वविद्यालय में पिछले तीन वर्षों से एक बार भी सीनेट की बैठक आयोजित नहीं हुई है. इसके कारण विश्वविद्यालय के उच्च शिक्षा से जुड़े कई निर्णय अधर में लटका हुआ है. इसके साथ विश्वविद्यालय का विकास कार्य भी आगे नहीं बढ़ सका है. सीनेट की बैठक में ही विश्वविद्यालय की बजट की स्वीकृति ली जाती है. इसके अलावा विभिन्न कमेटियों द्वारा लिए गए निर्णय की सुकृति भी सीनेट के जरिए ही ली जाती है. इस मुद्दे पर रांची विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर अजीत कुमार सिन्हा ने जानकारी देते हुए कहा कि सरकार के द्वारा अब तक प्रतिनिधियों का मनोनयन नहीं किया गया है. इसी वजह से अब तक सीनेट की बैठक आयोजित नहीं हो सकी है और इसके कारण विश्वविद्यालय प्रबंधन को कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. विश्वविद्यालय में कई विकास का काम लगातार पेंडिंग पड़ा हुआ है. दूसरी और छात्र संघ चुनाव एक लंबे समय से अटका पड़ा है. छात्र प्रतिनिधि भी सीनेट के सदस्य होते हैं. पूर्व सीनेटर डॉक्टर अटल पांडे ने इस मामले को लेकर चिंता जताई है. उन्होंने कहा है कि यह गलत परंपरा है. विश्वविद्यालय प्रबंधन को भी इस ओर ध्यान देने की जरूरत है और मामले को लेकर सरकार से पत्राचार करने की भी आवश्यकता है.

राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालय में छात्र संघ चुनाव भी अटका पड़ा है. उच्च शिक्षा की दिशा में विश्वविद्यालय में छात्र प्रतिनिधि का भी होना जरूरी है. लेकिन इस और ना तो राज्य सरकार का ध्यान है और ना ही संबंधित विभाग का, अगर ऐसे ही स्थिति बनी रही तो आने वाले समय में राज्य के सरकारी विश्वविद्यालयों में विद्यार्थी नामांकन लेने से भी कतराएंगे.

> बता दें कि प्रेमनगर में दानिश की पांच मंजिला इमारत के भूतल में जूता कारखाना था। उसके ऊपर की दो मंजिल पर गोदाम था। बाकी की मंजिल पर दानिश और उसके भाई कासिफ का परिवार रहता था। हादसे से आधा घंटे पहले कासिफ परिवार समेत रिश्तेदारी में गए थे। रविवार की रात 8:25 बजे जूता कारखाने में लगे बिजली के मीटर की चिंगारी से भड़की आग का कहर करीब नौ घंटे तक चला। इमारत में लगी आग को बुझाने के लिए नौ फायर टेंडर को 77 चक्कर लगाने पड़े तब जाकर सोमवार सुबह 5:35 बजे आग बुझी। आग बुझाने में पांच लाख लीटर से ज्यादा पानी की बौछार की गई। बचाव कार्य में 75 से ज्यादा कर्मी लगे थे। साथ ही हाइड्रोलिक प्लेटफार्म और एक रेस्क्यू वाहन का भी इस्तेमाल किया गया। देर रात 3:30 बजे दानिश और उनकी पत्नी नाजली सबा के शव निकाले गए।

कानपुर अग्निकांड: बचने को सीढ़ियों के नीचे छिपीं, पर बच न सकीं बेटियां

शाहरुख खान

कानपुर : कानपुर के चमनगंज के प्रेमनगर में पांच मंजिला इमारत में रविवार की रात आग लगने से पांच लोग जिंदा जल गए। नीचे भयंकर आग और पांचवीं मंजिल की छत के जीने के दरवाजे पर ताला लगा था। इसके बीच फंसे दंपती और उनकी तीन मासूम बेटियों की जान चली गई। बचाव कार्य में लगे कर्मियों को कारोबारी मोहम्मद दानिश (45) और उनकी पत्नी नाजली सबा (40) का शव चौथी मंजिल की सीढ़ियों पर मिला, जबकि तीनों बेटियों सारा (15), सिमरा (12) और इनाया (07) के शव तीसरी मंजिल की सीढ़ी के नीचे मिले। ऐसा लगता है कि यह लोग छत पर जाने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन दरवाजे पर ताला लगा होने और अंदर आग एवं धुएं की वजह से खुद को नहीं बचा सके।

बिजली के मीटर की चिंगारी से भड़की आग : बता दें कि प्रेमनगर में दानिश की पांच मंजिला इमारत के भूतल में जूता कारखाना था। उसके ऊपर की दो मंजिल पर गोदाम था। बाकी की मंजिल पर दानिश और उसके भाई कासिफ का परिवार रहता था। हादसे से आधा घंटे पहले कासिफ परिवार समेत रिश्तेदारी में गए थे। रविवार की रात 8:25 बजे जूता कारखाने में लगे बिजली के मीटर की चिंगारी से भड़की आग का कहर करीब नौ घंटे तक चला।

बचाव कार्य में लगे थे 75 से ज्यादा कर्मी : इमारत में लगी आग को बुझाने के लिए नौ फायर टेंडर को 77 चक्कर लगाने पड़े तब जाकर सोमवार सुबह 5:35 बजे आग बुझी। आग बुझाने में पांच लाख लीटर से ज्यादा पानी की बौछार की गई। बचाव कार्य में 75 से ज्यादा कर्मी लगे थे। साथ ही हाइड्रोलिक प्लेटफार्म और एक रेस्क्यू वाहन का भी इस्तेमाल किया गया। देर रात 3:30 बजे दानिश और उनकी पत्नी नाजली सबा के शव निकाले गए। वहीं, रेस्क्यू टीम ने 5:34 बजे सारा, सिमरा और इनाया के शव को मकान के दाहिनी ओर स्थित दीवार तोड़कर निकाला। तीनों बेटियां बचने के लिए जीने के नीचे छिप गई थीं, लेकिन खुद को बचा न सकी। दानिश, पिता अकील को सुरक्षित निकालने के बाद पत्नी और बेटियों को बचाने के लिए अंदर गए थे।

बिजली मीटर से निकली चिंगारी से भड़की थी आग : इसके बाद वह भी बाहर नहीं निकल सके। एसडीआरएफ की टीम ने भी दंपती और बेटियों के अलग-अलग शवों को देखकर भागमभाग के दौरान एक दूसरे का साथ छूटने की आशंका जताई है। पोस्टमार्टम प्रभारी डॉक्टर नवनीत चौधरी के अनुसार, पांचों के शव 100 प्रतिशत जले हुए थे। दानिश का दाहिना हाथ आधा गल गया था।

सभी के मुंह और नाक में कार्बन मिला : वहीं, बेटी इनाया की शरीर की हड्डी दिखने लगी थी। सभी के मुंह और नाक में कार्बन मिला है। दानिश की पत्नी नाजली का मायका नेपाल में है। शाम को नाजली की मां नौसवा खातून, फैजल और उसका छोटा भाई शहर आए। इसके बाद रात आठ बजे शवों को चमड़ा मंडी स्थित कब्रिस्तान में सुपुर्दे खाक किया गया। दो साल पहले तक दानिश सेना को जूते की आपूर्ति करते थे। वर्तमान में वह भाई कासिफ के साथ रियल इस्टेट का कारोबार भी कर रहे थे। सोमवार शाम करीब 5:54 बजे आंधी चलने पर आसपास के लोगों ने दानिश के फ्लैट से फिर आग की लपटें उठती देखीं। इस पर दमकल की गाड़ी बुलाई गई और आग को काबू किया गया। मृतकों के परिजनों को आपदा कोष से चार-चार लाख रुपये का मुआवजा मिलेगा।

दिल दहलाने वाले मंजर को देखकर लोग कांप गए : पांच मंजिला भवन में हुए भीषण अग्निकांड के दूसरे दिन आग की भयावहता का मंजर देख लोगों के दिल कांप गए। खामोशी के बीच कमरे के कुछ हिस्से से उठता धुआं नजर आया। वहां जाने पर पुलिस और प्रशासन की ओर से रोक लगा दी गई। भूतल में जूते के कारखाने से लगी आग ने पूरी बिल्डिंग को जलाकर खाक कर दिया। चमड़ा और केमिकल के कारण धधकती आग के बीच दमकल कर्मी पानी की बौछार करने के बाद भी अंदर फंसे परिवार को नहीं बचा सके।

एक-एक कोना जलकर राख : अग्निकांड के दूसरे दिन सोमवार को पूरी बिल्डिंग आग से तपती रही। कमरों के प्लास्टर टूट-टूटकर गिरते रहे। छतों पर लगे पंखे टेढ़े हो गए थे, जबकि बल्ब व रॉड फट गए। आग ने एक-एक कोने को जलाकर राख कर दिया था। आसपास इलाके के सैकड़ों लोगों ने मौके पर पहुंचकर बिल्डिंग का हाल देखा तो उनके रोंगटे खड़े हो गए।

हर मंजिल में लगा था फायर फाइटिंग सिस्टम, फिर भी रुकी नहीं आग : प्रेम नगर में रविवार की रात जिस छह मंजिला भवन में आग लगी उसे जूते का कारखाना चलाने वाले मोहम्मद दानिश ने 12 साल पहले बनवाया था। दोस्त आसिफ के मुताबिक मकान बनवाते समय उन्होंने सुरक्षा के पूरे इंतजाम किए थे। कारखाना होने के कारण आग से खतरे की संभावनाओं पर बचाव के लिए फायर फाइटिंग सिस्टम लगवाए। उन्होंने बाकायदा पूरे घर में फायर फाइटिंग की एक अलग पाइपलाइन बिछाई। यह छत पर बने एक बड़े से टैंक से जुड़ी हुई है। टैंक की क्षमता करीब एक हजार लीटर पानी की है। नोजल सभी मंजिल पर बनाए। इसका स्विच मेन गेट से करीब दस मीटर दूर बनी लिफ्ट के दाहिनी ओर लगा था। जब आग लगी तो दानिश ने उसे चालू करने के लिए वहां तक पहुंचने का प्रयास किया, लेकिन आग की लपटें इतनी विकराल हो चुकी थीं कि वहां तक पहुंचना संभव नहीं हो था। वह चाह कर भी स्विच चालू न कर सके। वहीं आसिफ की मानें तो दानिश ने हर मंजिल पर फायर सेफ्टी सिलिंडर (अग्निशमन यंत्र) भी लगा रखे थे। यह आग बुझाने में जुटे दमकलकर्मियों को वहां मिले भी।

जाति जनगणना को लेकर खरगे का पीएम मोदी को पत्र इसमें आरक्षण से 50% की सीमा हटाने समेत कई सुझाव

ब्यूरो

नई दिल्ली : कांग्रेस महासचिव और संचार प्रभारी जयराम रमेश ने मल्लिकार्जुन खरगे के पत्र को साझा करते हुए कहा, '2 मई को कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक के बाद कांग्रेस अध्यक्ष ने कल रात प्रधानमंत्री को जाति जनगणना पर पीएम मोदी के अचानक और हताशापूर्ण यू-टर्न के बारे में पत्र लिखा। वो भी तब जब पहलगाम में हुए क्रूर आतंकवादी हमलों पर देश की पीड़ा और गुस्सा लगातार जारी है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक बार फिर पत्र लिखा है। पत्र में जाति जनगणना के लिए तेलंगाना मॉडल को अपनाने, आरक्षण के लिए 50 प्रतिशत की सीमा हटाने और निजी शिक्षण संस्थानों में एससी-एसटी-ओबीसी के लिए आरक्षण प्रदान करने वाले अनुच्छेद 15(5) को तुरंत लागू करने का आग्रह किया गया है। पत्र में खरगे ने प्रधानमंत्री से जाति जनगणना के मुद्दे पर जल्द ही सभी राजनीतिक दलों से बातचीत करने का भी आह्वान किया है। खरगे ने लिखा कि मैंने 16 अप्रैल 2023 को आपको पत्र लिखकर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा जातिगत जनगणना कराने की मांग आपके समक्ष रखी थी। अफसोस की बात है कि मुझे उस पत्र का कोई जवाब नहीं मिला। दुर्भाग्य से उसके बाद आपके पार्टी के नेताओं और स्वयं आपने कांग्रेस पार्टी और कांग्रेस के नेतृत्व पर इस जायज मांग को उठाने के लिए

लगातार हमले किए। आज आप स्वयं स्वीकार कर रहे हैं कि यह मांग गहन सामाजिक न्याय और सामाजिक सशक्तिकरण के हित में है। आपने बिना किसी स्पष्ट विवरण के यह घोषणा की है कि अगली जनगणना (जो वास्तव में 2021 में होनी थी) में जाति को भी एक अलग श्रेणी के रूप में शामिल किया जाएगा। इस संबंध में मेरे तीन सुझाव हैं, जिन पर आप कृपया विचार करें। उन्होंने लिखा, 'जनगणना से सम्बंधित प्रश्नावली का डिजाइन बहुत महत्वपूर्ण है। जाति संबंधी जानकारी केवल गिनती के लिए नहीं, बल्कि व्यापक सामाजिक-आर्थिक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए एकत्र की जानी चाहिए। हाल ही में संपन्न तेलंगाना में जातिगत सर्वेक्षण को इन्हीं उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए डिजाइन और कार्यान्वित किया गया था। केंद्रीय गृह मंत्रालय को जनगणना में इस्तेमाल किए जानेवाले प्रश्नावली और पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए तेलंगाना मॉडल का उपयोग करना चाहिए। प्रक्रिया के अंत में प्रकाशित होने वाली रिपोर्ट में कुछ भी छिपाया नहीं जाना चाहिए, ताकि प्रत्येक जाति के पूर्ण सामाजिक-आर्थिक आंकडे सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हों, जिससे एक जनगणना से दूसरी जनगणना तक उनकी सामाजिक-आर्थिक प्रगति को मापा जा सके और उन्हें संवैधानिक अधिकार दिए जा सकें। आगे खरगे ने लिखा, 'अगस्त 1994 में तमिलनाडु का आरक्षण कानून अधिनियम हमारे संविधान की नवीं सूची में शामिल किया गया था। इसी तरह सभी राज्यों द्वारा पारित आरक्षण संबंधी अधिनियमों को संविधान की नवीं सूची में शामिल किया जाना चाहिए। इसके अलावा जाति जनगणना के जो भी नतीजे आएं, यह स्पष्ट है कि अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़ा वर्गों के लिए आरक्षण पर मनमाने ढंग से लगाई गई 50% की अधिकतम सीमा को संविधान संशोधन के माध्यम से हटाया जाना होगा। उन्होंने लिखा, 'अनुच्छेद 15(5) को भारतीय संविधान में 20 जनवरी 2006 से लागू किया गया था। इसके बाद इसे सवोच्च न्यायालय में चुनौती दी गई। लंबे विचार-विमर्श के बाद सवोच्च न्यायालय ने 29 जनवरी 2014 को इसे बरकरार रखा। यह फैसला 2014 के लोकसभा चुनाव के लिए आचार संहिता लागू होने से ठीक पहले आया। यह निजी शिक्षण संस्थानों में अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और ओबीसी के लिए आरक्षण का प्रावधान करता है। उच्च शिक्षा विभाग के लिए अनुदान की मांग पर अपनी 364वीं रिपोर्ट में, जिसे 25 मार्च 2025 को प्रस्तुत किया गया था, शिक्षा, महिला, बाल, युवा और खेल पर संसदीय स्थायी समिति ने भी अनुच्छेद 15 (5) को लागू करने के लिए नए कानून बनाने की भी सिफारिश की थी। उन्होंने लिखा, 'जाति जनगणना जैसे किसी भी प्रक्रिया को, जो पिछड़ों, वंचितों और हाशिये पर खड़े लोगों को उनके अधिकार दिलाने का माध्यम बनता है, किसी भी रूप में विभाजनकारी नहीं माना जाना चाहिए। हमारा महान राष्ट्र और हमारे विशाल हृदय लोग विपरीत परिस्थितियों में हमेशा एकजुट होकर खड़े हुए हैं। हाल ही में पहलगाम में हुए कायराना आतंकी हमलों के बाद हम सबने एकजुटता का परिचय दिया। खरगे ने कहा, 'भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का मानना है कि सामाजिक और आर्थिक न्याय तथा स्थिति और अवसर की समानता सुनिश्चित करने के लिए जाति जनगणना को उपरोक्त सुझाए गए समग्र तरीके से कराना अत्यंत आवश्यक है। यही हमारे संविधान की प्रस्तावना में भी संकल्पित है। मुझे भरोसा है कि आप मेरे सुझावों पर विचार करेंगे। दरअसल, मैं आपसे आग्रह करता हूं कि जाति जनगणना के मुद्दे पर सभी राजनीतिक दलों के साथ शीघ्र संवाद करें।'

मॉक ड्रिल से पहले केंद्रीय गृह सचिव की अहम बैठक कहां-कहां होगा अभ्यास, कैसी रखनी होगी तैयारी?

अभिषेक दीक्षित

नई दिल्ली : बुधवार यानी 7 मई को देशभर में होने वाली सुरक्षा मॉक ड्रिल को लेकर केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन ने अहम बैठक की। बैठक में डीजी, सिविल डिफेंस और डीजी, एनडीआरएफ समेत कई उच्च पदस्थ अधिकारी शामिल हुए। पहलगाम आतंकी हमले को लेकर पाकिस्तान के साथ बढ़े तनाव के बीच हुई इस बैठक में गृह मंत्रालय के सबसे वरिष्ठ अधिकारी से सिविल डिफेंस तंत्र को मजबूत करने की तैयारियों की समीक्षा की गई। समाचार एजेंसी पीटीआई ने सूत्रों के हवाले से बताया कि देशभर के मुख्य सचिव और सिविल डिफेंस के प्रमुख वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बैठक में शामिल हुए। जानकारी के मुताबिक, देशभर में कल राष्ट्रव्यापी सुरक्षा तैयारी अभ्यास किया जाएगा। अभ्यास मुख्य रूप से हवाई हमले के सायरन और ब्लैकआउट जैसी स्थितियों की तैयारी पर केंद्रित होगा। मंगलवार को गृह सचिव गोविंद मोहन की अध्यक्षता में हुई बैठक में 2010 में अधिसूचित 259 नामित नागरिक सुरक्षा जिलों पर विशेष ध्यान दिया गया।

किन-किन जिलों में अभ्यास की तैयारी : राजस्थान, पंजाब, जम्मू और कश्मीर, पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर जैसे सीमावर्ती राज्यों में स्थित इन जिलों को अभ्यास करने का निर्देश दिया गया है। दिल्ली, पश्चिम बंगाल और पंजाब जैसे राज्यों में नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवक सक्रिय हैं। ये नियमित रूप से यातायात और भीड़ प्रबंधन सहित नागरिक कर्तव्यों में लगे रहते हैं। भारत की नागरिक सुरक्षा प्रणाली मुख्य रूप से स्वैच्छिक आधार पर संचालित होती है, जिसे वेतनभोगी कर्मियों के एक छोटे से समूह की ओर से नियंत्रित किया जाता है। आपात स्थिति के दौरान इसे बढ़ाया जाता है।

'मशालें, मोमबत्तियां, नकदी तैयार रखें' : सूत्रों के मुताबिक, गृह मंत्रालय में चल रही बैठक में देश भर में 244 नागरिक सुरक्षा प्रतिष्ठानों की स्थिति की समीक्षा की जा रही है। समीक्षा इस बात पर केंद्रित है कि मौजूदा उपकरण काम कर रहे हैं या उनकी मरम्मत की आवश्यकता है। बैठक में यह भी देखा जा रहा है कि आपातकालीन हालात में नागरिकों को कैसे प्रशिक्षित किया जाए। हवाई हमले के सायरन के प्रति जनता की प्रतिक्रिया, ब्लैकआउट के दौरान की जाने वाली कार्रवाई और आवश्यक आपूर्ति की तैयारियों पर भी बात की गई। अधिकारियों ने संभावित इलेक्ट्रॉनिक विफलता के लिए तैयार रहने के लिए घरों में चिकित्सा किट, मशालें, मोमबत्तियां और नकदी रखने की जरूरत पर जोर दिया।

मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना के दिल्ली में दो फ्लैट, 55 लाख रुपए की एफडी, जानिए नए सीजेआई के पास कितनी संपत्ति

नितिन गौतम

नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट ने व्यवस्था में पारदर्शिता को बढ़ाने के उद्देश्य से जजों की संपत्ति का ब्यौरा आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दिया। सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर सार्वजनिक की गई जानकारी के अनुसार, देश के मौजूदा मुख्य न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना के पास 55.75 लाख की एफडी है। साथ ही उनके पास दक्षिणी दिल्ली में डीडीए का तीन बेडरूम का फ्लैट और दिल्ली में कॉमनवेल्थ गेम्स विलेज में 2,446 वर्ग फीट का चार बेडरूम फ्लैट भी है।

जानिए नए सीजेआई के पास कितनी संपत्ति : आगामी 14 मई को देश के अगले मुख्य न्यायाधीश पद की शपथ लेने जा रहे जस्टिस बीआर गवई की संपत्ति की बात करें तो उनके पास बैंक खातों में 19.63 लाख रुपये नकद, महाराष्ट्र के अमरावती में एक पुश्तैनी मकान, मुंबई के बांद्रा इलाके में एक अपार्टमेंट और दिल्ली की डिफेंस कॉलोनी में भी एक अपार्टमेंट है। साथ ही उनके नाम पर अमरावती और नागपुर में कृषि भूमि भी है। जस्टिस गवई 14 मई को देश के अगले मुख्य न्यायाधीश के पद पर आसीन होंगे, उनकी चल संपत्ति की बात करें तो उसमें 5.25 लाख रुपये के सोने के आभूषण और उनकी पत्नी के पास 29.70 लाख रुपये के आभूषण शामिल हैं। जस्टिस गवई के पास 61,320 रुपये नकद भी हैं।

> आगामी 14 मई को देश के अगले मुख्य न्यायाधीश पद की शपथ लेने जा रहे जस्टिस बीआर गवई की संपत्ति की बात करें तो उनके पास बैंक खातों में 19.63 लाख रुपये नकद, महाराष्ट्र के अमरावती में एक पुश्तैनी मकान, मुंबई के बांद्रा इलाके में एक अपार्टमेंट और दिल्ली की डिफेंस कॉलोनी में भी एक अपार्टमेंट है। साथ ही उनके नाम पर अमरावती और नागपुर में कृषि भूमि भी है। जस्टिस गवई 14 मई को देश के अगले मुख्य न्यायाधीश के पद पर आसीन होंगे, उनकी चल संपत्ति की बात करें तो उसमें 5.25 लाख रुपये के सोने के आभूषण और उनकी पत्नी के पास 29.70 लाख रुपये के आभूषण शामिल हैं।

जस्टिस संजीव खन्ना के पास गुरुग्राम और हिमाचल प्रदेश में भी संपत्तियां : सुप्रीम कोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट पर साझा किए गए डेटा के अनुसार, सीजेआई संजीव खन्ना, जो 13 मई को रिटायर हो रहे हैं, उनके पास गुरुग्राम में एक चार बेडरूम के फ्लैट में 56 फीसदी हिस्सेदारी भी है। साथ ही हिमाचल प्रदेश के डलहौजी में भी उनकी जमीन और घर है। सीजेआई खन्ना का पीपीएफ में भी करीब 1.06 करोड़ रुपये का निवेश है। वहीं जीपीएफ में 1,77,89,000 रुपये और एलआईसी में 29,625 रुपये सालाना की एक मनी बैक पॉलिसी और 14 हजार रुपये के शेयर भी हैं। सीजेआई की अन्य संपत्तियों में 250 ग्राम सोना, 2 किलो चांदी और एक मारुति स्विफ्ट कार भी शामिल है।

सुप्रीम कोर्ट के 33 में से 21 जजों ने घोषित की संपत्ति : सुप्रीम कोर्ट के 33 में से 21 जजों ने अभी अपनी संपत्ति सार्वजनिक की है। जस्टिस सूर्यकांत, जो इस साल नवंबर में देश के मुख्य न्यायाधीश का पद संभालेंगे, उनके पास चंडीगढ़ में एक घर, पंचकूला में 13 एकड़ कृषि भूमि और गुरुग्राम में 300 स्कवायर यार्ड का प्लॉट और अन्य अचल संपत्ति शामिल हैं। उनके पास 4.11 करोड़ रुपये की एफडी और 100 ग्राम सोने के आभूषण और तीन महंगी घड़ियां शामिल हैं। जस्टिस अभय एस ओक के पास महाराष्ट्र के ठाणे में एक फ्लैट, ठाणे में कृषि भूमि और 21 लाख रुपये की एफडी और 9.10 लाख रुपये की बचत की रकम है।

जस्टिस विक्रमनाथ के पास 120 करोड़ रुपये का निवेश : जस्टिस विक्रमनाथ, जो 19 मई 2023 को बार से एलिवेट करके सुप्रीम कोर्ट पहुंचे हैं, उनके पास 120 करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश, सफदरजंग डेवलपमेंट एरिया और गुलमोहर पार्क दिल्ली में संपत्तियां और कोयंबटूर में एक अपार्टमेंट शामिल हैं। जस्टिस विक्रमनाथ ने अपने आयकर रिटर्न की डिटेल्स भी साझा की हैं, जिनके अनुसार, उन्होंने वित्तीय वर्ष 2010-11 से लेकर 2024-25 तक 91 करोड़ रुपये से ज्यादा आयकर भरा है।

प्रदेश महासचिव विनोद कुशवाहा के नेतृत्व में संविधान बचाओ रैली के लिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं का विशाल जत्था रवाना

कांग्रेस पार्टी हमेशा से संविधान की रक्षक रही है और आगे भी रहेगीः विनोद कुशवाहा

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश महासचिव विनोद कुशवाहा के नेतृत्व में संविधान बचाओ रैली के लिए हजारीबाग से रांची के लिए सैकड़ों कार्यकर्ताओं का विशाल जत्था रवाना हुआ। यह रैली संविधान की रक्षा और लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखने के उद्देश्य से आयोजित की गई है, जिसमें कांग्रेस कार्यकर्ता भारी उत्साह के साथ शामिल हो रहे हैं।

मंगलवार सुबह संत जेवियर स्कूल के सामने से इस रैली का काफिला रवाना हुआ। इस दौरान कार्यकर्ताओं में जबरदस्त जोश और उत्साह देखने को मिला। रैली में शामिल प्रमुख नेताओं और कार्यकर्ताओं में अशोक कुशवाहा, जुबेर खान, अजमत मलिक, अजय प्रजापति, रामकुमार सिंह, रमाकांत पटेल, नरेश कुशवाहा, रविंद्र कुशवाहा, सत्येंद्र कुशवाहा, मनोज कुशवाहा, राजू यादव, राजीव मेहता, केदार मेहता, सुबोध राम, कैलाश गोप, बिंदेश्वरी प्रसाद, केला महतो, नरेश कुमार, तबरेज अंसारी, मोहम्मद मुकीम अंसारी, सत्येंद्र दास, मंसूर अंसारी, जाहिद अंसारी, सकलदेव सिंह, नरेश सिंह, विनोद सिंह, महेंद्र बक्शी, आदित्य वर्मा, मनोज दांगी, रविंद्र डांगी, कैलाश डांगी, गोपाल डांगी समेत सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल थे। इसके अलावा हजारों कार्यकर्ता इस रैली में बड़ी संख्या में मौजूद रहे। संत जेवियर स्कूल के समीप से जब यह काफिला निकला, तो लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर गया। रैली में शामिल संतोष कुशवाहा, दिलीप कुशवाहा, राजेश कुशवाहा, प्रदीप कुशवाहा, दिलीप राम, सोहन भैया, केदार भैया और सिकंदर राम ने भी संविधान की रक्षा के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। इस मौके पर प्रदेश महासचिव विनोद कुशवाहा ने कहा कि देश में जिस प्रकार संविधान पर खतरा मंडरा रहा है, ऐसे में हर जागरूक नागरिक का यह कर्तव्य है कि वह आगे आए और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए आवाज उठाए। कांग्रेस पार्टी हमेशा से संविधान की रक्षक रही है और आगे भी रहेगी।

संक्षिप्त समाचार

विभाविके हिंदी विभाग में कुलाधिपति व्याख्यान आयोजित

● राष्ट्रवाद का प्रयोग सर्वव्यापकता के साथ होः प्रो विजयकांत धर दुबे

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। विनोबा भावे विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग में मंगलवार 6 मइ, 2025 को कुलाधिपति व्याख्यान माला के अंतर्गत प्रथम व्याख्यान का आयोजन विभागाध्यक्ष डॉ0 कृष्ण कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में की गई। संगोष्ठी का विषय हिन्दी साहित्य में राष्ट्रवाद का स्वरूप रखा गया, तथा मुख्य वक्ता के रूप में प्रो0 विजयकांत धर दुबे की उपस्थिति रही। विभागाध्यक्ष डॉ0 कृष्ण कुमार गुप्ता ने विश्व स्तर पर राष्ट्रीयता की बात की, साथ हीं विद्यार्थियों के भीतर राष्ट्र भावना जगाने का कार्य किया। मुख्य वक्ता के रूप में आए प्रो0 विजयकांत धर दुबे ने राष्ट्रवाद का प्रयोग सर्वव्यापकता के साथ करने पर जोर दिया, राजभाषा हिन्दी के माध्यम से समाज में जागरूकता फैलाने की बात कही। विभागीय प्राध्यापक डॉ0 केदार सिंह ने राष्ट्र प्रेम को बढ़ाते हुए एकता की बात पर जोर दिया। डॉ0 सुबोध सिंह शिवगीत ने राष्ट्रीय गुणों की चर्चा, हिन्दी साहित्य को समावेशित करते हुए की, साथ हीं राष्ट्र की चिंता व्यक्त करते हुए समाधान की ओर भी ध्यान अग्रसारित करवाया। अतिथि स्वरूप आए शिक्षक आनंद सिंह ने मित्रवत्त व्यवहार रखने की बात कही और कवि माखनलाल चतुर्वेदी के उदाहरण से राष्ट्र भावना, विद्यार्थियों के हृदय में उद्भूत किया। मंच संचालन विभागीय प्राध्यापक डॉ0 राजू राम और धन्यवाद ज्ञापन डॉ0 सुनील कुमार दुबे के द्वारा सम्पन्न हुई। स्वागत गीत विद्यार्थी मानसी कुमारी और पूर्वी ऊषा के द्वारा प्रस्तुत किया गया। उक्त व्याख्यान में प्राध्यापकों के साथ साथ शोधार्थी और समसत्र द्वितीय और चतुर्थ के सैकड़ों की संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सीमांकन करने आए वन विभाग और बीजीआर कंपनी के कर्मियों को ग्रामीणों ने कार्य को रोका

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता बड़कागांव
बड़कागांव। गोंदल पूरा वन क्षेत्र रूद्दी में वन विभाग बड़कागांव और एनटीपीसी के एमडीओ बीजीआर कंपनी के कर्मियों द्वारा गुपचुप तरीके से एनटीपीसी बादम कोल ब्लॉक का सीमांकन कार्य किया जा रहा था। इसकी सूचना मिलते ही सैकड़ो की संख्या में ग्रामीण सीमांकन कार्य स्थल पर पहुंचकर सीमांकन कार्य को बंद कराते हुए वन विभाग और बीजीआर कंपनी के लोगों को पकड़ कर धरना स्थल ले गए।

यहां पहुंचते ही गोंदल पूरा और इर्द-गिर्द गांव के काफी संख्या में ग्रामीण एकत्रित हुए ग्रामीणों ने वन विभाग के पदाधिकारीयों से सीमांकन कार्य हेतु अपने वरीय पदाधिकारी का आदेश पत्र मांगा पर वन विभाग के द्वारा कोई आदेश पत्र नहीं दिखाया गया उसके बाद ग्रामीणों ने लगभग सभी पदाधिकारी को लगभग 5 घंटे तक धरना स्थल पर बैठाए रखा इसकी सूचना मिलते ही बड़का गांव थाना प्रभारी नेमधारी रजक ने अपने एस आई रामनिवास सिंह को भेजा और उसके हस्तक्षेप के बाद ग्रामीणों ने वन विभाग के पदाधिकारी से लिखित में लिया कि आज के बाद से इस वन क्षेत्र में वन विभाग का कोई भी कार्य होगा पहले गोंदल पूरा वन समिति को सूचित करने के बाद ही होगा। वन विभाग नें भरोसा दिलाया कि आज के बाद से हम लोग जो भी काम करेंगे पहले वन ग्राम समिति और ग्रामीणों को सूचित करके ही काम करेंगे।

वही ग्रामीणों ने बताया कि एनटीपीसी के एमडीओ बीजीआर कंपनी द्वारा सीमांकन का कार्य पहले कंपनी के दलालों को दिया गया था। जिसको हम लोग रुकवा दिए फिर कंपनी ने सीमांकन का कार्य वन विभाग को सौंप दिया जो सरासर गलत है और हम ग्रामीण इसको कतई बर्दाश्त नहीं करेंगे। वन विभाग अपने वन क्षेत्र में अपने विभाग का कार्य करने के लिए स्वतंत्र है ।लेकिन वन विभाग अगर कंपनी का कार्य करेगा तो आगे भी हम लोग रोकने का कार्य करेंगे।

उप प्रमुख की स्कॉर्पियो और टेंपो में टक्कर कई लोग घायल दोनों पक्षों से थाने में दी गई आवेदन

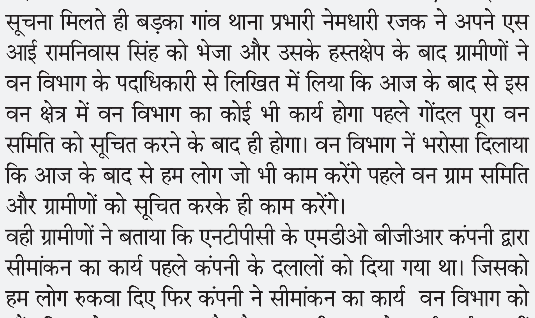

बड़कागांव संजय कुमार
बड़कागांव। 14 माईल के पास सोमवार की रात 10:30 बजे बड़कागांव के उप प्रमुख वचन देव कुमार एवं हजारीबाग से भगवान बागी जा रहा बाराती वाहन टेंपो के बीच टक्कर हो गई। जिसमें टेंपो सवार बरातिया को गंभीर चोटे आई हैं ।जिसमें एक व्यक्ति का पैर टूट गया एवं कई लोगों को माथे में हाथ में कमर में चोट आई है वहीं स्कॉर्पियो ड्राइविंग कर रहा वाहन मालिक वचन देव कुमार को हाथ टूट जाने की बात सामने आ रही है। घायलों को बड़कागांव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज कराया गया तत्पश्चात बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया। वहीं घटना को लेकर बड़कागांव पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर क्षतिग्रस्त दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर कार्रवाई के लिए बड़कागांव थाना ले लाई है। वही दोनों पक्षों के द्वारा थाना आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की गई है। प्रथम पक्ष से राजू प्रजापति ने थाने में आवेदन दिया है। लोगों का कहना है कि उप प्रमुख बचन देव कुमार हाई स्पीड से बालू कारोबार को लेकर हाई स्पीड से स्कॉर्पियो से पेट्रोलिंग कर रहा था । दुर्घटना में कई लोग घायल हुए हैं। वही उप प्रमुख वचन देव कुमार ने बताया कि मैं अपना घर हजारीबाग जा रहा था मेरे स्कॉर्पियो को तोड़फोड़ किया गया है स्कॉर्पियो में रखा 125000 नगद सोने का चैन लोग लूट लिए। बालू को लेकर स्कॉर्पियो से पेट्रोलिंग करने की बात बिल्कुल बे बुनियाद है मेरा हाईवे 1 तारीख को ही सीज कर गया है मरमती के लिए गेराज में है। मामले को लेकर थाना प्रभारी नेमधारी रजक ने बताया कि दोनों पक्ष से आवेदन दिया गया है, पुलिस जांच कर रही है निश्चित रूप से कार्रवाई की जाएगी।

डॉ0 राधाकृष्णन स्कूल ऑफ लर्निंग, बोंगा हजारीबाग में इंटर हाउस क्वीज प्रतियोगिता का आयोजन

● इस प्रकार की प्रतियोगिता से बच्चों के अंदर प्रतिस्पर्धात्मक कौशल का विकास होता हैः निर्देशिका अंजू कुमारी

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। डॉ. राधाकृष्णन स्कूल ऑफ लर्निंग, बोंगा हजारीबाग में सोमवार को इंटर-हाउस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में चार हाउस - गंगा हाउस, यमुना हाउस, गोदावरी हाउस और सरस्वती हाउस ने भाग लिया। प्रतियोगिता में तीन विषयों को शामिल किया गया था। विज्ञान, आईटी और गणित। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्रों को अपनी ज्ञान और कौशल का प्रदर्शन करने का अवसर प्रदान करना था। छात्रों ने उत्साह और जोश के साथ प्रतियोगिता में भाग लिया और अपने-अपने हाउस का प्रतिनिधित्व किया।

प्रतियोगिता के परिणाम
इस प्रतियोगिता में सरस्वती हाउस ने

जीत दर्ज की जिसके हाउस इनचार्ज शादाब अंसारी, कार्यक्रम के संचालक विद्यालय के शिक्षक अमित कुमार सिंह, बिरेन्द्र कुमार, अजय कुमार सिन्हा, प्रधानाचार्य - रामचंद्र प्रसाद, सह प्राचार्या- रौशन खान एवं विद्यालय के शिक्षक सादाब अंसारी, नंदकिशोर मंडल एवं अन्य शिक्षक भी उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत सर्वप्रथम विद्यालय की निर्देशिका अंजू कुमारी के द्वारा की गई। विद्यालय निर्देशिका ने इस प्रतियोगिता से होने वाले लाभ एवं बच्चों के मानसिक विकास की चर्चा करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिता से बच्चों के अंदर प्रतिस्पर्धात्मक कौशल का विकास होता है। बच्चों के अंदर छिपी हुई प्रतिभा को बाहर निकालने का सबसे सुगम एवं सार्थक तरीका हैं। इस प्रकार की प्रतियोगिता के आयोजन से आगामी परीक्षा में बच्चे अपने कौशल को प्रस्तुत कर अपने विद्यालय, समाज एवं देश में अपना नाम रौशन करेंगे। इस कार्यक्रम को विद्यालय के पुस्तकालय भवन में आयोजित करवाया गया।

कक्षा 06 से कक्षा 10वीं तक के सभी विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर विद्यालय में हैंडवाश डे भी मनाया गया। इस दिवस का उद्देश्य लोगों को स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना और संक्रामक रोगों को रोकने में मदद करना हैं।

डॉ. फज़ल इकबाल के निधन पर शोक

● डॉ. फज़ल इकबाल के असमय निधन हो जाना शिक्षा के क्षेत्र में अपूर्णीय क्षतिः डॉ. तनवीर यूनुस

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। डॉ. फज़ल इकबाल जो पिछले कुछ समय से लीवर की बीमारी से जूझ रहे थे, लेकिन इन्होने हिम्मत नहीं हारी और लगातार अपने अकादमिक कार्यों में लीन रहते थे। मंगलवार को अचानक जिंदगी की जंग हार गए। डॉ. (प्रो.) तनवीर यूनुस विभागाध्यक्ष शिक्षा शास्त्र विभाग वि.भा.वि, हजारीबाग एवं समस्त अध्यापक शिक्षा के शिक्षकों सहित अन्य शिक्षकों ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजली अर्पित की। शोक व्यक्त करते हुए डॉ तनवीर युनूस ने कहा कि इनका असमय निधन हो जाना अध्यापक शिक्षा के क्षेत्र में अपूर्णीय क्षति है, जिसको तुरत भर पाना कठिन है।

डॉ. फज़ल इकबाल जिन्होंने एम.एड. की डिग्री सत्र (2011-2012) बैच के वि.भा.वि, हजारीबाग शिक्षा शास्त्र विभाग से प्राप्त की थी, इनका मूल विषय भौतिक विज्ञान था। इन्होने बाबासाहेब डॉ. भीम राव आंबेडकर विश्वविद्यालय,बिहार से एजुकेशन में PhD. की डिग्री दो वर्ष पहले प्राप्त की थी, इन्होने एम.एड. करने के पश्चात कई वर्षों तक माँ विंध्यवासिनी कॉलेज ऑफ़ एजुकेशन पदमा, हजारीबाग में सहायक प्राध्यापक के पद पर कार्यरत रहे द्य इसके पश्चात इन्होने 03 वर्ष पहले स्वामी धर्मबंधु कॉलेज ऑफ़ एजुकेशन से जुड़े। वर्तमान में कॉलेज के परीक्षा प्रभारी एवं IQAC का कार्य भी देख रहे थे। अभी हाल में स्वामी धर्मबंधु कॉलेज ऑफ़ एजुकेशन में राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित किया गया, जिसमे उन्होंने सक्रिय भूमिका निभाई थी। पिछले कुछ समय से ये लीवर की बीमारी से जूझ रहे थे, लेकिन इन्होने हिम्मत नहीं हारी और लगातार अपने अकादमिक कार्यों में लीन रहते थे।

प्रोफेसर चंद्र भूषण शर्मा बने विनोबा भावे विश्वविद्यालय के नियमित कुलपति

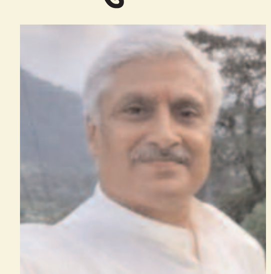

आदिवासी एक्सप्रेस
आदिवासी एक्सप्रेस। विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग को एक वर्ष 11 महीने इंतजार के बाद नियमित कुलपति नसीब हुआ है। नई दिल्ली के मैदान गढ़ी में स्थित इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी मे प्रोफेसर ऑफ़ एजूकेशन और स्कूल ऑफ़ एजूकेशन में डाईरेक्टर पद को सुशोभित कर रहे प्रोफेसर चंद्र भूषण शर्मा को विनोबा भावे विश्वविद्यालय का नियमित कुलपति नियुक्त किया गया है। वहीं विनोबा भावे विश्वविद्यालय के पूर्व प्रति कुलपति प्रोफेसर कुनूल कंदीर को सिद्धू कानू मुर्मू विश्वविद्यालय दुमका का नियमित कुलपति नियुक्त किया गया है। ज्ञात हो की पिछले एक वर्ष और 11 महीने में विश्वविद्यालय को चार कार्यवाहक कुलपति मिले। इसमें प्रोफेसर अजीत कुमार सिन्हा और प्रोफेसर पवन कुमार पोद्दार बहुत ही सुलझे हुए थे और इन्होंने विश्वविद्यालय में नई ऊर्जा का संचार किया। परंतु आयुक्त कुलपति सुमन कैथरीन किपोट्टा का कार्यकाल विश्वविद्यालय में अंधकार युग का परिचायक बना। इस समय विश्वविद्यालय पूरी तरह से बेपट्री हो गया और विश्वविद्यालय में कॉकस हावी हुआ। प्रो दिनेश कुमार सिंह को बहुत थोड़े ही समय मिले। इस दौर में राजभवन में पदस्थापित एक न्यायिक पदाधिकारी के साथ विश्वविद्यालय के कॉकस के लोगों ने मिलकर कार्यवाहक कुलपति का एक नया फंडा विकसित किया। रूटिंन कार्य के लिए भी राजभवन से अनुमति लेने की एक अजीबोगरीब व्यवस्था को प्रचलन में लाया गया। विश्वविद्यालय अधिनियम परिनियम की धज्जियां उड़ाई गई। कुलपति जैसे मर्यादित पद को एक आदेश पाल के पद में परिणत करने का भी प्रयास हुआ।

हजारीबाग के सांसद मनीष जायसवाल ने इस विषय को गंभीरता से लेते हुए इस पर पहल किया और कई दफा राज्य के राज्यपाल सह झारखंड के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति से मुलाकात की। उन्होंने यथाशीघ्र विनोबा भावे विश्वविद्यालय के नियमित कुलपति की नियुक्ति की मांग की। वर्तमान राज्यपाल संतोष गंगवार ने हजारीबाग संसद के आग्रह पर विश्वविद्यालय में कुलपति नियुक्ति की प्रक्रिया की गति को बढ़ाने का आदेश दिया। शनिवार 3 मइ को सिद्धू कानू मुर्मू विश्वविद्यालय दुमका के लिए और रविवार 4 मइ को विनोबा भावे विश्वविद्यालय के कुलपति पद के लिए राजभवन में उच्च स्तरीय समिति के साथ अभ्यर्थियों का इंटरेक्शन का दौर संपन्न किया गया। खबर है कि मंगलवार को शाम 4:00 बजे कुलाधिपति ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के साथ इस बिंदु पर विमर्श किया। उसी के बाद से कयास लगाया जा रहा था कि किसी भी क्षण अधिसूचना जारी हो सकती है।

पुराना विधानसभा मैदान में संविधान बचाओ, लोकतंत्र बचाओ रैली में कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता नेता मुन्ना सिंह अपने सैकड़ो समर्थकों के साथ हुए शामिल

● कांग्रेस पार्टी अपने मूल सिद्धांतों पर अडिग है और संविधान को कमजोर नहीं होने देगीः मुन्ना सिंह

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में रांची के पुराना विधानसभा मैदान में आयोजित संविधान बचाओ, लोकतंत्र बचाओ रैली में कांग्रेस पार्टी की ओर से बड़ी भागीदारी देखने को मिली। पार्टी के वरिष्ठ नेता मुन्ना सिंह ने सैकड़ों समर्थकों के साथ इस जनसभा में भाग लिया और संविधान व लोकतंत्र की रक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रकट की। इस दौरान मुन्ना सिंह ने कहा कि आज आवश्यकता है कि हम सब एकजुट होकर लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करें। देश की संवैधानिक संस्थाएं दबाव में हैं और जनतांत्रिक परंपराओं को चुनौती दी जा रही है।

कांग्रेस पार्टी अपने मूल सिद्धांतों पर अडिग है और संविधान को कमजोर नहीं होने देगी। उन्होंने आगे कहा कि यह रैली केवल विरोध का माध्यम नहीं, बल्कि देशवासियों को जागरूक करने का प्रयास है कि लोकतंत्र की बुनियाद में नागरिक अधिकारों और स्वतंत्रता की गहरी भूमिका है। मुन्ना सिंह की अगुवाई में रैली में बड़ी संख्या में युवा, महिलाएं, किसान और सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। उन्होंने शांतिपूर्ण और अनुशासित तरीके से अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। मुख्य रूप से पूर्व जिला अध्यक्ष अवधेश कुमार सिंह, शशी मोहन सिंह सिंह, विरेंद्र सिंह, सदर प्रखंड अध्यक्ष अजित सिंह, कटकमदाग प्रखंड अध्यक्ष गोवर्धन गंझु, कटकमसांडी प्रखंड अध्यक्ष नरसिंह प्रजापति, सत्यनारायण, सरजू यादव, सुनील ओझा, संजय सिंह, साजिद अली, बाबर अंसारी, निशार ख़ान, रविन्द्र कुशवाहा, गौतम कुमार, दिनेश यादव, विक्की कुमार धान, विरेन्द्र सिंह,मो वारिस , पप्पू यादव, राजू राम गणेश मेहता, मुखिया कुमारी बाखला, शहापुर पंचायत मुखिया प्रतिनिधि, बाबर अंसारी, संतोष सिंह, आदित्य सिंह, आर्यन सिंह इत्यादि सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

वैदिक श्री श्री 1008 श्री शिव हनुमंत प्राण प्रतिष्ठा एवं रुद्र महायज्ञ का निकला भव्य कलश यात्रा

आदिवासी एक्सप्रेस संवादाता
चरही। मंगलवार को वैदिक श्री श्री 1008 श्री शिव हनुमंत प्राण प्रतिष्ठा एवं रुद्र महायज्ञ का भव्य कलश यात्रा निकाला गया।

6 से 12 मई तक चनारो पंचायत अंतर्गत ग्राम चनारों में होने वाले वैदिक श्री श्री 1008 श्री शिव हनुमंत प्राण प्रतिष्ठा एवं श्री रुद्र महायज्ञ की कलश यात्रा कार्यक्रम में प्रमुख निरंजन प्रसाद नायक, जिप सदस्य वासुदेव करमाली एवं बहेरा पंचायत मुखिया देवकी महतो सम्मिलित हुए। इस दौरान उन्होंने

यज्ञ समिति के सारे सदस्यों को बधाई देते हुए कहा कि ईश्वर कि असीम आशीर्वाद अनुकम्पा से ग्राम चनारों में श्री शिव परिवार सहित श्री हनुमान जी का प्राण प्रतिष्ठा का भव्य आयोजन किया गया है। साथ ही इस महायज्ञ में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर सत्संग एवं प्रवचन का आनंद लेने का आग्रह किया। मौके पर चुरचू प्रखंड प्रमुख निरंजन प्रसाद नायक, चूरचू प्रखंड जिला परिषद सदस्य वासुदेव करमाली, चुरचू प्रखंड मुखिया संघ अध्यक्ष सह बहेरा पंचायत मुखिया देवकी महतो, चनारो पंचायत मुखिया ब्रजबिहारी महतो, चुरचू प्रखंड के पूर्व उप प्रमुख चौलेश्वर महतो समेत कई श्रवद्धालू मौजूद रहे।

ओम आरोहणम् संस्था की संस्थापिका शेफाली गुप्ता के द्वारा पहलगाम में हुए आतंकी हमले में निर्दोष पर्यटकों की निर्मम हत्या पर श्रद्धांजलि सभा का हुआ आयोजन

● निर्दोष पर्यटकों की निर्मम हत्या बेहद ही दुखद है, मोदी सरकार पर पूर्ण भरोसा है कि यथाशीघ्र न्याय कार्यवाई अवश्य करेगीः शेफाली गुप्ता

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में निर्दोष पर्यटकों की निर्मम हत्या पर मंगलवार को झील परिसर के समीप स्थित कैफेटेरिया में ओम आरोहणम् संस्था की संस्थापिका सह भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता द्वारा हृदयविदारक घटना में मासूम पर्यटकों को श्रद्धा-सुमन अर्पित करने हेतु श्रद्धांजलि सभा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। श्रद्धांजलि सभा कार्यक्रम में

कैंडल जलाकर एवं बैंड द्वारा प्रस्तुत आत्मीय संगीत द्वारा सामूहिक संवेदना के माध्यम से दिवंगत आत्माओं को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। देशभक्ति संगीत की प्रस्तुति वातावरण को भावभीनी कर दिया। ओम आरोहणम् संस्था की संस्थापिका सह भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता ने श्रद्धांजलि अर्पित कर निर्दोष पर्यटकों की हत्या पर नमन किया। मुख्य रूप से सदर विधायक प्रदीप प्रसाद एवं भाजपा जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह सहित कई प्रमुख लोग उपस्थित रहे । कार्यक्रम में काफी संख्या में उपस्थित लोगों ने निर्दोष पर्यटकों को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित कर नमन किया। सामुहिक श्रद्धांजलि अर्पित कर मानवता के पक्ष में एक सशक्त संदेश भी दिया। मौके पर ओम आरोहणम् संस्था के संस्थापिका सह भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता ने संवेदना व्यक्त कर कहा कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले में निर्दोष पर्यटकों की निर्मम हत्या बेहद ही दुखद है। आतंकियों की कायरतापूर्ण एवं अमानवीय घटना निंदनीय है। मोदी सरकार पर पूर्ण भरोसा है कि यथाशीघ्र न्याय कार्यवाई अवश्य करेगी। देश की जनता मोदी सरकार के साथ है। मौके पर आरएसएस के डॉ टी के शुक्ला, गंगाधर दुबे, आरबी सिंह, श्रद्धानंद सिंह, भाजपा नेता सुदेश चंद्रवंशी, नगर अध्यक्ष विवेक बरियार, विशाल वाल्मीकि, सदर मंडल अध्यक्ष रंधीर पाण्डे, भाजपा महिला मोर्चा उपाध्यक्ष रेणुका साहू, मनीष कुमार, डिफेंस एकाडमी, एनसीसी कैडेट, गुरूकुल, आर्ष कन्या एवं गीता स्कूल के बच्चे सहित हर समाज के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

खासमहाल समस्या का जल्द होगा समाधान: वित्त मंत्री

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता
पलामू। जिला व्यवसाई संघ के सिल्वर जुबली कार्यक्रम का आयोजन शहर के निरवाना रेड होटल में किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सूबे के वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर उर्फ चुन्नू राम शामिल हुए। खासमहल, पेयजल ,सुरक्षा, सहित व्यवसाई संघ के भवन निर्माण पर विशेष चर्चा संपन्न हुआ। सोमवार को शहर के निरवाना रेड होटल में आयोजित कार्यक्रम में संरक्षक नवल तुलस्यान, महासचिव अनुपम तुलस्यान के साथ अन्य सदस्यों ने वित्त मंत्री का शॉल, बुके और माला के साथ शानदार स्वागत किया। तत्पश्चात व्यवसाई संघ के सभी सदस्यों को वित्त मंत्री के हाथों भी सम्मानित किया गया। संघ के अध्यक्ष प्रभात कुमार अग्रवाल ने वित्त मंत्री के समक्ष खासमहल जमीन की समस्या के समाधान हेतु आग्रह किया साथ ही व्यवसायियों के सुरक्षा पर भी ध्यानाकृष्ट कराया। पंकज श्रीवास्तव ने पेयजल की समस्या को विस्तार से बताया। वहीं कार्यक्रम का संचालन कर रहे है मनोज पहाड़िया और संघ के सदस्यों ने व्यवसाई संघ भवन के लिए माननीय वित्त मंत्री जी से आग्रह किया। सभी के प्रस्तावों को गंभीरतापूर्वक सुनते हुए वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने कहा वित्त मंत्री बनने के पश्चात मैने झारखंड कि बजट में राजा मेदिनी राय और पलामू कि समस्याओं को गंभीरता पूर्वक शामिल किया है। पलामू किला का जीर्णोद्धार इसमें प्रमुखता से शामिल है । पेयजल के समाधान हेतु आने वाले कुछ समय में कोयल नदी पर वियर बनाकर इसका स्थाई समाधान किया जाएगा। केचकी के पास शीघ्र ही बाघों के लिए एक सफारी का निर्माण प्रस्तावित किया है जहां वे खुले में स्वछंद विचरेंगे और पर्यटक बंद गाड़ी में रहेंगे। जिले में वर्तमान पेयजल की स्थिति को सुधारने की दिशा में उन्होंने जिले के सभी आला अधिकारियों के साथ मीटिंग किया है और राज्य के अनबद्ध फंड से जिले के खराब पड़े चापकलो को अविलंब ठीक करने का आदेश भी दिया है। आगे वित्त मंत्री ने कहा कि लोग छोटी छोटी चीजों को खरीदते समय वस्तुओं के गुणवत्ता का विशेष ख्याल रखते है मगर चुनाव में बिना गुणवत्ता के नेता का चयन कर परेशानी को और बढ़ा लेते है। खासमहाल की समस्या के स्थाई समाधान के लिए उन्होंने संबंधित दोनों मंत्रियों को जल्द ही पलामू लाने और उसपर सुधार का आश्वासन दिया। साथ ही व्यवसाई संघ के लिए मांगी गई 5 लाख रुपए को भी देने का वायदा किया। मौके पर प्रमोद अग्रवाल, कंचन अग्रवाल, जुगल किशोर चंद्रवंशी, सुरेश जैन,रामदास साहू, गणेश गिरी,इंद्रजीत सिंह डिम्पल, आनंद कुमार, शिवपूजन तिवारी, मनोज कुमार सिंह, चिन्मय कुमार,दानवीर प्रसाद, सहित सैकड़ो लोग शामिल रहा।

संक्षिप्त समाचार

वज्रपात गिरने से 18 वर्षीय युवक की मौत

बालूमाथ। बालूमाथ सोमवार की रात वज्रपात की चपेट में आ जाने से 18 वर्षीय युवक की मौत हो गई है।घटना हेरहंज प्रखंड के चिरु गांव की है।जहां सोमवार की रात अपने कार्य को निपटा कर वापिस घर लौट रहे चीरू निवासी जुबेर अंसारी के पुत्र बारीक अंसारी की मौत हो गई है।घटना के संबंध में बताया जाता है कि सोमवार की रात अपने कार्यों को निपटाकर युवक वापिस घर लौट रहा था।इसी बीच तेज गर्जना से वज्रपात हुआ और युक्क उसकी चपेट मे आकर घायल हो गया।परिजनों को जब इस बात की सूचना मिली तो उसके पश्चात स्थानीय लोगों की मदद से परिजन घायल युवक को लेकर बालूमाथ स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर आए। जहां चिकित्सक सुरेंद्र कुमार ने जांचोपरांत युवक को मृत घोषित कर दिया। परिजनों के चीत्कार से माहौल ग़मगीन हो गया। गांव में जब यह सूचना पहुंची तो स्थानीय लोग युवक के घर पहुंच कर परिजनों को सांत्वना दी।युवक के प्राकृतिक आपदा में हुई इस मौत से गांव का माहौल बेहद गमगीन है।सभी युवक को मृदभाषी एवं मिलनसार बता रहे थे। जो सामाजिक कार्यों में बढ़ चढ कर अपनी भागीदारी निभाता था।

इटखोरी प्रखंड में तेज आंधी ने मचाई तबाही कई आशियाने उजड़े कई पेड़ हुए धराशाई

आदिवासी एक्सप्रेस / संतोष कुमार दास
इटखोरी (चतरा)। बीते सोमवार को इटखोरी प्रखंड में आए तेज आंधी तूफान ने मचाई तबाही। इटखोरी प्रखंड के नगवां चौक स्थित महेंद्र दांगी के बर्तन दुकान में लगे एस्बेस्टस सीट उड़कर क्षतिग्रस्त हो गया। वहीं धनखेरी डाउन स्थित बुटा साव के मकान में लगे एस्बेस्टस सीट उड़कर क्षतिग्रस्त हो गया। वहीं गांधी चौक के संतोष रविदास का भी एस्बेस्टस सीट टूट गया। इसके अलावा घुज्जीबागी के केदार एवं संजय दांगी के मकान पर नीम का पेड़ धराशाई हो गया। यह संयोग था कि घटना के वक्त उस मकान में कोई व्यक्ति नहीं था। जिससे बड़ा हादसा टल गया। उसके घर में लगे एस्बेस्टस सीट चूर-चूर हो गया। इस तूफानी हवा के प्रचंड झोंकों से इटखोरी अस्पताल परिसर में खड़ा पेड़ भी उखड़ गया। प्रकाश राम के घर के पास एक आम का पेड़ भी धराशाई हो गया। हाई स्कूल के पास भी एक सूखा पेड़ आंधी के झोंकों को नहीं झेल पाया और धराशाई हो गया। आंधी के कारण प्रखंड क्षेत्र के कई गांव में नुकसान होने की सूचना मिल रही है।

झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी से मजदूर नेता मोहम्मद जहुर ने मजदूरों के समस्या को लेकर भेंट किए

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता- अबुल कलाम
टंडवा- (चतरा) सोमवार 5 मई 2025 को झारखंड के रांची में स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी से मजदूर यूनियन के नेता मोहम्मद जहुर ने बुके देकर उनका स्वागत किया और अपने क्षेत्र केरेडारी, बड़कागांव क्षेत्र के तमाम व्याप्त समस्याओं को उनके समक्ष रखा केरेडारी, बड़कागांव क्षेत्र में दौरा करने का उनसे आगरा भी किए उन्होंने अगला महीना के प्रथम वीक में केरेडारी और बड़कागांव का दौरा करने का आश्वासन दिए और किसी भी तरह की समस्या को समाधान करने का आश्वासन दिए। स्वास्थ्य मंत्री के समक्ष मोहम्मद जहूर ने केरेडारी अस्पताल में महिला डॉक्टर नहीं रहने का भी मामला उठाएं और केरेडारी अस्पताल में इसीजी एंव eco एक्स-रे मशीन और अल्ट्रासाउंड मशीन लगाने की भी मांग की जिससे मंत्री महोदय ने बहुत जल्दी उक्त मशीनों को लगवाने का आश्वासन दिए केरेडारी क्षेत्र में इन दिनों एनटीपीसी खदान के द्वारा कोयला का ट्रांसपोर्टिंग किए जाने से काफी प्रदूषण बढ़ गया है जिसके चलते केरेडारी क्षेत्र के जनता को काफी गंभीर बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है।

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय हुसैनाबाद में करियर काउंसलिंग कार्यक्रम आयोजित

इन्फोसिटी टेक्नोलॉजी सॉल्यूशन्स के विशेषज्ञों ने छात्राओं को दिया करियर मार्गदर्शन

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता- लालू कुमार यादव
हुसैनाबाद, पलामू। पूर्व निर्धारित योजना के तहत पीएम श्री प्लस टू कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, हुसैनाबाद को करियर काउंसलिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य कक्षा 10वीं एवं 12वीं की छात्राओं को शैक्षणिक व व्यावसायिक क्षेत्र में उपलब्ध संभावनाओं की जानकारी देना और उन्हें करियर निर्माण हेतु प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम में इन्फोसिटी टेक्नोलॉजी सॉल्यूशन्स के विशेषज्ञों ने छात्राओं को विभिन्न करियर विकल्पों की जानकारी दी और उनके बीच कौशल विकास, उच्च शिक्षा के अवसर, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, तकनीकी शिक्षा व उद्यमिता से जुड़े पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। छात्राओं ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया और अपने भविष्य से जुड़े सवालों के जवाब विशेषज्ञों से प्राप्त किए।इस अवसर पर विद्यालय की वार्डेन किरण कुमारी सिंह ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि आज की प्रतिस्पर्धी दुनिया में छात्राओं को समय रहते सही दिशा में मार्गदर्शन मिलना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन बालिकाओं को आत्मविश्वास और निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करते हैं। विशेषज्ञ आनंद कुमार ने छात्राओं से संवाद करते हुए कहा कि आधुनिक दौर में तकनीकी ज्ञान के साथ-साथ संवाद कौशल और आत्मविश्लेषण भी करियर निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने छात्राओं को लक्ष्य निर्धारण और निरंतर अभ्यास के महत्व को समझाया।इन्फोसिटी टेक्नोलॉजी सॉल्यूशन्स के निदेशक सतीश अग्रवाल ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों की छात्राएं भी यदि सही मार्गदर्शन और संसाधन प्राप्त करें, तो वे किसी भी क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकती हैं। उन्होंने छात्राओं को डिजिटल युग के अनुरूप खुद को तैयार करने की सलाह दी।

मनोहर गंझु के घर पर बारियातू पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर इश्तेहार चस्पा किया

बालूमाथ। बारियातू थाना अंतर्गत कांड संख्या 04/24 में नामजद अभियुक्त मनोहर गंझु, पिता स्व. वृहस्पति गंझु, ग्राम बसिया, थाना बालूमाथ, जिला लातेहार के विरुद्ध न्यायालय द्वारा निर्गत इश्तेहार को विधिवत तामिला कर दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार आरोपी मनोहर गंझु एक गंभीर मामले में फरार चल रहा था। जिसके चलते बारियातू थाना कांड संख्या 04/24 के अंतर्गत उसे वांछित घोषित किया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए माननीय न्यायालय द्वारा आरोपी के विरुद्ध इश्तेहार जारी किया गया। जिसे बारियातू पुलिस ने नियमानुसार सार्वजनिक रूप से तामिल कर दिया है। पुलिस के अनुसार इश्तेहार तामिल की यह प्रक्रिया अपराधियों पर दबाव बनाने और कानून की पकड़ से भाग रहे व्यक्तियों को न्याय के कठघरे में लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। थानेदार ने बताया कि यदि आरोपी शीघ्र ही आत्मसमर्पण नहीं करता है, तो आगे कुर्की जब्ती की कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने जनता से भी अपील की है कि आरोपी के संबंध में यदि किसी को कोई जानकारी हो,तो उसे तुरंत नजदीकी थाना को सूचित करें. पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि फरार आरोपियों के विरुद्ध अभियान जारी रहेगा और किसी भी हाल में उन्हें बख्शा नहीं जाएगा।

टीवीएनएल के खिलाफ ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन, कहा कंपनी वापस जाओ

संवाददाता राम कुमार
बालूमाथ। बालूमाथ तेनुघाट विद्युत निगम लिमिटेड (टीवीएनएल) के खिलाफ ग्रामीणों का आक्रोश उभर कर सामने आया है। ग्रामीणों ने कंपनी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। मंगलवार को आक्रोशित ग्रामीणों ने प्रखंड के रजवार पंचायत सचिवालय के बाहर सैकड़ो की संख्या में प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने कंपनी के विरुद्ध जमकर नारेबाजी भी की। ग्रामीणों ने टीवीएनएल कंपनी वापस जाओ, रजवार कोल ब्लॉक रद्द करो, जल-जंगल जमीन हमारा है। लोकसभा ना विधानसभा सबसे उंचा ग्राम सभा, राज हमारा शासन तुम्हारा नहीं चलेगा जैसे कई नारे लगाया जा रहा है। समेत कई नारे लगा रहे थे। ग्रामीणों का कहना है कि दलालों के माध्यम से कंपनी जमीन लेना चाहती है। खनन परियोजना में शामिल छह गांव जोरांग, रजवार, रेंची, लेजांग, डडेया और सेरक के आधा से ज्यादा जमीन भूमि बैंक (अनवाद बिहार सरकार) में डाला गया है। ज्ञात हो कि कमर्शियल माइनिंग के लिए चिह्नित कोल ब्लॉक का आवंटन विभिन्न कंपनियों को किया गया है। कुछ दिन पूर्व ही जिला मुख्यालय के खेल स्टेडियम में कंपनी का पर्यावरणीय जन सुनवाई आयोजित की गई थी। जिसमें माइनिंग क्षेत्र के ग्रामीणों की उपस्थिति नगण्य थी। ग्रामीणों में इस बात को लेकर खासा गुस्सा है कि अभी कंपनी को माइनिंग शुरू करना है तो भी स्थानीय ग्रामीणों को नजरअंदाज कर मुट्ठी भर दलाल किस्म के लोगों को तरजीह दिया जा रहा है। भविष्य में कंपनी अगर काबिज हो जाती है तो रैयतों व ग्रामीणों के साथ क्या सुलूक करेगी।

हुसैनाबाद प्रखंड कार्यालय में केसीसी, ऋण माफी एवं बीज वितरण हेतु विशेष शिविर का आयोजन

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता- लालू कुमार यादव
हुसैनाबाद, पलामू। हुसैनाबाद प्रखंड कार्यालय परिसर में पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत मंगलवार को नया किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी), केसीसी ऋण माफी एवं बीज वितरण योजना से संबंधित लाभार्थियों के रजिस्ट्रेशन हेतु एक विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य किसानों को सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का सीधा लाभ पहुंचाना एवं उन्हें डिजिटल रूप से जोड़ना था। इस विशेष शिविर में अंचल अधिकारी पंकज कुमार, प्रखंड कृषि पदाधिकारी यशवंत सिंह, व्यापार मंडल अध्यक्ष सह पलामू जिला पैक्स अध्यक्ष संघ के जिला अध्यक्ष कृष्णा बैठा, बीटीएम जयगोविंद यादव, पंजाब नेशनल बैंक और वनांचल ग्रामीण बैंक के प्रतिनिधि, पैक्स अध्यक्ष सुरेश प्रसाद यादव, किसान मित्र सुनील कुमार पाठक, श्री सुदामा यादव, सुनील कुमार सिंह, ऑपरेटर अभिषेक कुमार, एग्री क्लिनिक सहायक चौबे जी, अंचल निरीक्षक संतोष कुमार सहित अन्य हल्का कर्मचारी जैसे आशीष रंजन, प्रशांत कुमार सागर, अहसान अली सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।शिविर में कुल 32 किसानों ने नया केसीसी फार्म जमा किया, वहीं 5 किसानों का केसीसी ऋण माफी हेतु केवाईसी प्रक्रिया पूरी की गई। इसके अलावा 15 किसानों का ब्लॉकचेन के माध्यम से पंजीकरण किया गया। यह पहल किसानों को पारदर्शी और डिजिटल माध्यम से योजनाओं का लाभ पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

अंचल अधिकारी पंकज कुमार ने जानकारी दी कि यह विशेष शिविर पुनः आगामी 13, 20 एवं 27 मई 2025 को भी आयोजित किया जाएगा, ताकि जिन किसानों को आज शिविर में सेवा नहीं मिल पाई, वे आगामी तिथियों में आकर योजना का लाभ उठा सकें।

कृषकों ने इस पहल की सराहना की और प्रशासन से ऐसी योजनाओं को निरंतर जारी रखने की मांग की। शिविर की सफलता प्रशासन, बैंक प्रतिनिधियों एवं कृषि विभाग के आपसी समन्वय और किसानों की सक्रिय भागीदारी का परिणाम रही।

कोटालपोखर में पानी टंकी से आपूर्ति नहीं होने के लेकर बढ़ी ग्रामीणों की चिंता

आदिवासी एक्सप्रेस मोहित मंसूरी
बरहरवा। प्रखंड के कोटालपोखर गांवों में पानी की टंकी 4 महिने से सूखी पड़ी है, जिससे ग्रामीणों को गंभीर जल संकट का सामना करना पड़ रहा है।
समस्या का विवरण:
पानी की टंकी: कोटालपोखर में स्थित यह पानी की टंकी पूरे कोटालपोखर और जोबनपुर के ग्रामीणों के लिए जीवन रेखा है।
जल संकट: पिछले 4 महीने से टंकी सूखी पड़ी है, जिससे ग्रामीणों को पानी की गंभीर कमी का सामना करना पड़ रहा है।
दैनिक जीवन पर प्रभाव: ग्रामीणों, विशेषकर महिलाओं और बच्चों को पानी के लिए दूर-दूर तक भटकना पड़ रहा है, जिससे उनका दैनिक जीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है।
ग्रामीणों की मांगें:
ग्रामीण जिला प्रशासन और संबंधित विभागीय अधिकारियों से तत्काल हस्तक्षेप की मांग कर रहे हैं।
वे चाहते हैं कि पानी की टंकी से पानी की आपूर्ति जल्द से जल्द सुनिश्चित की जाए।
ग्रामीणों का कहना है कि जल संकट से उनके दैनिक जीवन पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ रहा है।
ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और संबंधित विभागीय अधिकारियों से गुहार लगाई है कि जल्द से जल्द पानी की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए ताकि कोटालपोखर के लोग फिर से खुशहाल जीवन जी सकें।

शादी की खुशी मातम में हुई तब्दील, सात फेरे से पहले दुल्हन की तबीयत बिगड़ने से हुई मौत

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता-
टंडवा- (चतरा) तेलियाडीह में शादी की खुशी माता में तब्दील तब हो गई पूरी गांव जब विवाह के साथ फेरे लेने से पहले दुल्हन की मौत हो गई। यह घटना मंगलवार कि है। घटना को लेकर मिली जानकारी के अनुसार गांव के कामेश्वर साव की पुत्री नीतू कुमारी का विवाह हजारीबाग जिले के कटकमसांडी थाना क्षेत्र के सापुर गांव में तय हुआ था। विवाह के पहले रश्म के तौर पर शनिवार को उसकी लग्नबंधी की गई थी जिसके बाद उसे उसके होने वाले ससुराल सापुर गांव ले जाया गया था जहां अन्य रश्मो के पूरा होने के बाद मंगलवार की रात्रि उसका विवाह होना था। इसी बीच शनिवार की रात्रि उसकी तबीयत बिगड़ी और उसे तेज बुखार आ गया। जहां उसके होने वाले ससुराल के लोग प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसके परिवार वालों को सूचना देने के साथ उसके तेलियाडीह गांव स्थित माता-पिता के घर इलाज के लिए पहुंचा दिया जहां उसके माता-पिता सहित अन्य परिवार वालों ने उसे इलाज के लिए रांची में भर्ती करवाया लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जिस घर में शादी की खुशी थी उसे घर में विवाह से पहले दुल्हन की मौत से पूरे गांव सहित क्षेत्र का माहौल गमगीन हो गया। वहीं घटना के बाद मृतक युवती के परिवार वालों का रो-रो कर बुरा हाल है। इस संदेहास्पद घटना के बारे में जो भी सुना वह सक्ते में है।

शादी से 16 दिन पहले युवक की मौत: दोस्त संग कार्ड बांटने निकला था, सड़क हादसे में गई जान; 21 मई को निकलनी थी बारात

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता
पलामू।16 दिन बाद घर से बारात निकलना था। घर के सभी लोग शादी की तैयारी में लगे थे। जिस युवक की शादी होनी थी उसके मौत की खबर सोमवार की रात घर पहुंची तो खुशी का माहौल पल भर में मातम में बदल गया। युवक अपनी शादी का कार्ड बांटने गया था।मेदिनीनगर - औरंगाबाद एनएच 98 पर पिपरा थाना क्षेत्र में विजय तारा पेट्रोल पंप के पास अज्ञात वाहन बाइक सवार दोयुवकों को धक्का मारकर फरार हो गया। जिसमें अविनाश कुमार (26) ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। जबकि बाइक पर पीछे बैठा युवक चंदन कुमार गंभीर रूप से घायल है।21 मई को गढ़वा जाने वाली थी बारात मृतक अविनाश छतरपुर थाना क्षेत्र के कंचनपुर गांव निवासी बसंत राम का पुत्र था। जख्मी युवक चंदन नौडीहा बाजार के सरईडीह का रहने वाला है। पिता बसंत राम के मुताबिक अविनाश का तिलक 18 मई को था और 21 मई को बारात गढ़वा जिला में जाना था। सुबह 11 बजे के करीब अविनाशशादी का कार्ड बांटने निकला था। अपने दोस्त को भी साथ ले लिया था। रात में वापस घर लौट रहा था तब ही हादसा हुआ।पुलिस ने पहुंचाया अस्पताल घटना की जानकारी पुलिस को हुई तो मौके पर पहुंच दोनों युवकों को छतरपुर स्थित अनुमंडलीय अस्पताल इलाज के लिए भेजा। जहां अविनाश को डॉक्टर ने मृत बताया। वही जख्मी युवक को बेहतर इलाज के लिए मेदिनीनगर रेफर कर दिया।रात में शव छतरपुर थाना में रखा गया था। आज शव का पोस्टमॉर्टम मेदिनी राय मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में होगा। पुलिस घटनास्थल के आस पास लगे सीसीटीवी कैमरे को खंगाल कर धक्का मारने वाले वाहन का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

उपायुक्त ने विडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए प्रखंडों के पदाधिकारियों से योजना प्रगति का किया समीक्षा

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

पाकुड़ उपायुक्त मनीष कुमार ने मनरेगा अंतर्गत बिरसा हरित ग्राम योजना में शत प्रतिशत लक्ष्य के मुताबिक योजना स्वीकृति करने के लिए पूरी टीम को धन्यवाद दिया। उन्होंने बताया कि 14 मई से 20 मई 2025 तक प्रशासन दिवस,रूरु के अवसर पर जिला की टीम के द्वारा 6 दिन प्रत्येक प्रखण्ड के 5-5 पंचायत में बिरसा हरित ग्राम योजनाओं की गढ्ढा खुदाई, स्थल की भौतिक सत्यापन किया जाएगा एवं प्रगति की समीक्षा की जाएगी। पुराने बिरसा हरित ग्राम योजनाओं की रख रखाव, साफ सफाई, जलकुंड, नाडेप, एच टेका घेराबंदी इत्यादि का कार्य योजना स्थल पर देखा जाएगा। अबुआ आवास योजना में मस्टर रोल निर्गत में अच्छा प्रगति के लिए बीपीओ महेशपुर को सम्मानित करने का निर्देश दिया गया। सामुदायिक योजना का एनएमएमएस और एरिया ऑफिसर एप से योजना निरीक्षण करने का निर्देश दिया गया। मानव दिवस सृजन में लक्ष्य के अनुरूप प्रत्येक माह प्रगति का निर्देश दिया एवं कूप निर्माण सह सभी पुरानी योजनाओ को मनरेगा प्रावधान के अनुरूप मनरेगा सॉफ्ट में पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। वहीं अबुआ आवास योजना अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2023-24 में प्रतिदिन कम से कम 92 आवास पूर्ण कने तथा वित्तीय वर्ष 2024-25 में प्रतिदिन कम से कम 57 आवास पूर्ण करने का लक्ष्य प्रखंडों को दिया गया। अबुआ आवास योजना अन्तर्गत 2023-24 का आवास पूर्ण करने में अच्छा प्रदर्शन करने वाले प्रखण्ड विकास पदाधिकारी/प्रखण्ड समन्वयक, लिट्टीपाड़ा एवं पाकुड़ को प्रशस्ति पत्र देने का निर्णय लिया गया। वित्तीय वर्ष 2023-24 एवं 2024-25 अन्तर्गत विभिन्न स्तर में 60 दिनों से अधिक समय से जियो टैग हेतु लंबित लाभुकों में से 50 प्रतिशत प्रगति अगले बैठक तक करने का निर्देश दिया गया। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण अन्तर्गत छुटे हुए योग्य लाभुकों का सर्वे कर 15 मई, 2025 तक आवास प्लस में जोड़ने का निर्देश दिया गया। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अन्तर्गत आवास प्लस के PWL में शामिल अयोग्य लाभुकों का रिमांड करते हुए वित्तीय वर्ष 2024-25 के लक्ष्य को शत-प्रतिशत स्वीकृत करने का निर्देश दिया गया। साथ ही स्वीकृत लाभुकों को प्रथम किस्त भुगतान करने का निर्देश दिया गया। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2016-22 तक में लंबित आवास में से 25 लाभुकों का आवास 12.05.2025 तक पूर्ण कराने का निर्देश दिया गया। जनमन अन्तर्गत स्वीकृत सभी लाभुकों को प्रथम किस्त का भुगतान करने का निर्देश दिया गया। अम्बेडकर आवास योजना वर्ष 2016 से 2025 तक के लाभुकों का आवास पूर्ण कराने हेतु प्रखंडों के बीच लक्ष्य निर्धारण किया गया।

इसके अलावा उपायुक्त ने पंचायत राज विभाग के समीक्षा क्रम में 15 वें वित्त आयोग अंतर्गत 12 मई तक पंचायत समिति एवं ग्राम पंचायतों में अवशेष राशि का 30 प्रतिशत व्यय करना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। सभी पंचायत समिति द्वारा सार्वजनिक स्थलों यथा प्रखंड परिसर, हाट बाजार में सामुदायिक शौचालय का निर्माण कराना सुनिश्चित किया जाय। ग्राम पंचायत एवं पंचायत समिति द्वारा निर्मित सभी हैंडवाश यूनिट में सोक पीट बनवाना सुनिश्चित किया जाय।

संक्षिप्त समाचार

पंचायत सचिव व सहायकों के साथ समीक्षात्मक बैठक आयोजित हुई

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

पाकुड़ प्रखंड सभागार में प्रखंड समन्वयक, पंचायत राज स्वशासन परिषद आनंद प्रकाश की अध्यक्षता में मंगलवार को पंचायत सचिव व सहायकों के साथ समीक्षात्मक बैठक की। बैठक में प्रखंड समन्वयक ने पंचायत सहायकों को निर्देश दिया गया कि वे पंचायत सचिवालय में नियमित रूप से उपस्थित होकर मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना, पेंशन प अन्य कल्याणकारी योजनाओं में लाभुकों के आवेदन प्राप्त करें और उसे सिस्टम में सही ढंग से दर्ज करें। जिन पंचायतों में एक से अधिक सहायक कार्यरत हैं, उन्हें रोस्टर के अनुसार पंचायत भवन में ड्यूटी करने का निर्देश दिया गया। साथ ही यह भी कहा गया कि उन्हें समय- समय पर वरीय पदाधिकारियों द्वारा दिए गए निर्देशों का अनुपालन भी अवश्य सुनिश्चित करें। बैठक में जनप्रतिनिधि, पंचायत सचिव और सहायकों के बीच सामंजस्यपूर्ण कार्यप्रणाली पर भी चर्चा की गई ताकि सभी योजनाओं का लाभ ग्रामीणों तक समय पर पहुंच सके।

जिला अनुकंपा समिति की बैठक आयोजित की गई

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

पाकुड़ समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में जिला अनुकंपा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता उपायुक्त श्री मनीष कुमार ने की। बैठक में रोहित हाजरा को चतुर्थवर्गीय पद पर नियुक्त करने का लिया गया एवं प्रदीप कुमार चौबे, स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत चतुर्थवर्गीय पद पर नियुक्ति की अनुशंसा की गई। बैठक में परियोजना निदेशक आईटीडीए, अपर समाहर्ता, जिला स्थापना उप समाहर्ता एवं कोषागार पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जनता दरबार पहुंचे लोगों के मामलों पर उपायुक्त ने की सुनवाई

- प्राप्त आवेदनों पर लिया संज्ञान, संबंधित पदाधिकारियों को निष्पादन का दिया जरूरी निर्देश

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

पाकुड़- मंगलवार को उपायुक्त मनीष कुमार ने आयोजित जनता दरबार में आम जनता से जुड़ी समस्याओं पर क्रमवार सुनवाई की। उपायुक्त ने संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को प्राप्त आवेदनों को अग्रसारित करते हुए अविलंब जांच कर जल्द समाधान करने का निर्देश दिया। जनता दरबार में जमीन से संबंधित, सड़क निर्माण से संबंधित, स्वास्थ्य विभाग से संबंधित एवं अबुआ आवास से संबंधित आदि से आवेदन प्राप्त हुए थे।

उपायुक्त ने राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण में कार्य प्रगति की समीक्षा कर दिए आवश्यक निर्देश

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

पाकुड़ उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में NH 333A धर्मपुर मोड़ से पाकुड़ पथ परियोजना से संबंधित समीक्षा की गई। समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने अंचलाधिकारियों से कहा कि 09 मई तक बचे हुए 07 मौजा का 3G तैयार कर राष्ट्रीय राजमार्ग देवघर डिवीजन को भेजा जाय तथा 19 मई तक 03 मौजा का 3D प्रकाशन हेतु राष्ट्रीय राजमार्ग देवघर डिवीजन को भेजने का निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि कार्यालय में प्राप्त 49.08 लाख रूपए का अभिश्रव दो दिनों में भुगतान हेतु राष्ट्रीय राजमार्ग देवघर डिवीजन को भेजने हेतु कहा गया। साथ ही प्रत्येक शनिवार को राष्ट्रीय राजमार्ग में पड़ने वाले जमीन रैयतों से संबंधित विवादित मामलों की सुनवाई उपायुक्त द्वारा स्वयं की जाएगी। बैठक में जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, हिरणपुर अंचलाधिकारी, लिट्टीपाड़ा अंचल निरीक्षक, राजस्व कर्मचारी एवं भू अर्जन कार्यालय के कर्मी सहित अन्य उपस्थित थे।

पालोजोरी प्रमुख उषा किरण मरांडी ने बीडीओ के खिलाफ थाने में दिये आवेदन

कृष्णा गोस्वामी/देवघर

पालोजोरी- बीते पिछले दिनों पालोजोरी प्रमुख उषा किरण मरांडी के साथ पालोजोरी बीडीओ आमिर हमजा द्वारा दुर्व्यवहार करने का मामले को लेकर प्रखंड मुख्यालय में इसकी चर्चा का विषय बना हुआ हैं। वहीं इस विषय पर सभी सदस्यों ने सहमति जताते हुए तानाशाही पालोजोरी बीडीओ के खिलाफ कार्रवाई करने को लेकर लोगों ने एकजुटता दिखाते हुए कहा की बीते कुछ महीनों पहले की बात है एक आदिवासी महिला मुखिया के साथ भी यही बर्ताव किया गया था। जिसको लेकर सभी ने पूर्व में भी वर्तमान बीडीओ के खिलाफ थाने में लिखित आवेदन देकर कार्रवाई करने की मांग की गई।जो कि वहीं रवैया फिर से दुबारा बीडीओ के द्वारा दोहराया जा रहा है। जिसको पंचायत समिति सदस्यों ने कहा की ऐसी बीडीओ प्रखंड मुख्यालय में रहना उचित नहीं है। जिसको लेकर सभी ने पालोजोरी थाना पहुंचकर थाना प्रभारी प्रभात कुमार को लिखित आवेदन देकर कार्रवाई करने की मांग की । वहीं इस विषय पर उनसे बातचीत में उन्होंने कहा थाने में लिखित आवेदन देने के बाद जिला उपायुक्त महोदय से मिलकर अपनी आपबीती सुनाई और कहा कि ये किसी भी एंगल से प्रशासनिक अधिकारी के लायक नहीं हैं। जिन्हें लोगों की समस्या को सुनने व सुलझाने में पारंगत नहीं है। वहीं इस विषय पर पंचायत समिति सदस्य बबलू महतो ने कहा की जल्द से जल्द इस पदाधिकारी को बर्खास्त की जाए नहीं तो ही हम सभी त्यागपत्र देने की बात कही गई। जबकि 7 मई को प्रखंड मुख्यालय में ताला जड़ते हुवे अनिश्चितकालीन विरोध धरना प्रदर्शन करने की भी बात कही गई।

परियोजना पदाधिकारी ने अमड़ापाड़ा प्रखंड में योजनाओं का किया निरीक्षण

सौरभ भगत
आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता अमड़ापाड़ा

अमड़ापाडा (पाकुड़) उपायुक्त मनीष कुमार के निर्देश पर परियोजना पदाधिकारी मोतिउर रहमान ने अमड़ापाड़ा प्रखण्ड के बोहरा और पाडेरकोला पंचायत में बिरसा हरित ग्राम योजना में गड्ढा कोड़ो अभियान का निरीक्षण किया। माइकेल मरांडी के आधा एकड़ योजना का भौतिक सत्यापन किया गया जिसमें 40 गड्ढा का कार्य प्रगति पर पाया गया। लाभुक को बताया गया कि एक एकड़ बागवानी में 112 फलदार पौधा के लिए 112 गड्ढा तथा इमारती के लिए 80 गढ्ढा करने का प्रावधान है जिसमें गढ्ढा की आकार को 3 फीट लंबा, 3 फीट चौड़ा एवं 3 फीट गहरा रहेगा तथा इमारती पौधा के लिए गड्ढा दो-दो फीट का करना है। इसी तरह आधा एकड़ के लिए 48 फलदार एवं 40 इमारती पौधा के लिए कार्य कराना है। योजना में 08 फलदार पौधा के लिए गड्ढा तथा इमारती पौधा का गड्ढा खोदने के लिए कहा गया। डोभा योजना में डिमांड करने पूर्व के बिरसा हरित ग्राम योजना में सुधार करने, सूचनापट्ट बनाने ,पशु रोधक खाई, घेरान कराने का निर्देश दिया गया। इसके बाद चंदन मरांडी का बिरसा सिंचाई कूप योजना का निरीक्षण किया।

हल्की बारिश में ही हिरणपुर- पाकुड़ मुख्य सड़क बना तालाब

पैदल राहगीर, और छात्र-छात्राओं को आए दिन गुज़रना पड़ता है नारकीय परिस्थिति से

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो पाकुड़

हिरणपुर पाकुड़ मुख्य सड़क हाथकाठी के समीप हल्की-फुल्की बारिश होने पर ही सड़क पर पानी जमा हो जाता है। जिसके चलते आने जाने वाले मुसाफिरों को काफी दिक्कत का सामना करना पड़ता है, मुख्य सड़क होने के चलते रोजाना साइकिल , मोटरसाइकिल, एवं अन्य सैकड़ो वाहन चलाते रहते हैं। साथ ही स्कूली बच्चों का भी आना-जाना इस रोड से होता है। वैसे तो अधीकतर छात्र -छात्रायें पैदल चलकर स्कूल जाते है उस दौरान पानी जमा होने के कारण बगल से जब कोई वाहन गुजरती है तो पैदल चलने वाले बच्चों के ड्रेस पर कीचड़ और गंदे पानी का छीटा लग के ड्रेस खराब होती ही हैं, वहीं इस संभावनाएं से सहमीं सहमीं सी रहती है। आलम यह है कि पैदल राहगीर हो या फिर छात्राएं सभी को नारकिय जीवन से गुजरना पड़ता है। हल्की-फुल्की बारिश में अगर हिरणपुर जैसी जगह का अगर स्थिति ऐसी है तो आने वाले बारिश के समय में और क्या स्थिति हो सकता है यह सोचने वाली बात है। स्थानीय लोगों के अनुसार पानी का निकासी नहीं होने के कारण अक्सर जल जमाव बना हुआ रहता है, हल्का बारिश होने पर ही। इसके लिए विभाग को ध्यान देने की आवश्यकता है। अगर देखा जाए तो अधिकारी पदाधिकारी का आगमन अक्सर इस सड़क से होते रहता है, यहां तक की कई बार मंत्री, सांसद ,विधायक तक का भी आगमन होता यह कोई नई बात नहीं है ,यह जल जमाव लगभग सड़क बनने के बाद से ही होता रहा है,बारिश होने पर। फिर भी सब कोई मोन।

कैनरा बैंक ने सौंपा 2 लाख का बीमा दावा चेक

- प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत दिवंगत पुरुषोत्तम पंडित की माता को मिला लाभ

देवघर। कैनरा बैंक, तिलकपुर शाखा ने प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए दिवंगत पुरुषोत्तम पंडित के बीमा दावा राशि 2 लाख रुपये का चेक उनकी माता कलेश्वरी देवी को सौंपा। यह चेक शाखा प्रबंधक सौरव प्रदीप और अधिकारी प्रिंस कुमार ने संयुक्त रूप से प्रदान किया।

पुरुषोत्तम पंडित इस योजना के तहत नामांकित थे, जिसके अंतर्गत आकस्मिक मृत्यु पर नामित व्यक्ति को 2 लाख रुपये का बीमा लाभ दिया जाता है। इस अवसर पर शाखा प्रबंधक सौरव प्रदीप ने कहा, ÷प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना का उद्देश्य आम नागरिकों को जीवन सुरक्षा प्रदान करना है। कैनरा बैंक इस योजना को हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए कटिबद्ध है।÷

अधिकारी प्रिंस कुमार ने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा, ÷बैंक हमेशा जरूरतमंदों के साथ खड़ा रहेगा और उनकी हरसंभव सहायता करेगा।÷

चेक प्राप्त करने के बाद कलेश्वरी देवी ने प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और कैनरा बैंक के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस सहायता से उनके परिवार को आर्थिक संबल मिलेगा।

आरसेटी में 14 दिवसीय कॉस्ट्यूम ज्वेलरी प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ समापन, उपायुक्त ने सफल दीदियों के बीच प्रमाणपत्र का किया वितरण

सुस्मित तिवारी
आदिवासी एक्सप्रेस ब्यूरो

पाकुड़- मंगलवार को भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान द्वारा आयोजित पलाश जेएसएलपीएस के सखी मंडल के दीदियों का 14 दिवसीय कॉस्ट्यूम ज्वेलरी प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ जिसमें सफल दीदियों को माननीय उपायुक्त श्री मनीष कुमार, निदेशक आरसेटी पाकुड़ राजेश कुमार मिश्रा, जिला प्रबन्धक जेएसएलपीएस शुभम कुमार सिंह और वरिष्ठ संकाय अमित कुमार बर्धन ने संयुक्त रूप से प्रमाणपत्र प्रदान किया।

उपायुक्त मनीष कुमार ने अपने संबोधन में दीदियों को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रोत्साहित किया। कहा कि इस प्रशिक्षण का अधिक से अधिक लाभ उठाकर सभी महिलाएं स्वावलंबी बन सकती हैं। साथ ही सभी को स्वरोजगार स्थापित कर अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत करने की सलाह दी ताकि प्रशिक्षण का उद्देश्य पूरा हो सके। वरिष्ठ संकाय अमित कुमार बर्धन ने दीदियों को शुभकामनाएं देते आर्थिक समृद्धि होने की बात कही। किसी भी कार्य को सुनियोजित तरीके से करने के लिए आवश्यक जानकारी होना चाहिए, जो प्रशिक्षण से ही संभव है। पाकुड़ जिला की युवाओं और सखी मंडल की महिलाएं स्वरोजगार कर अच्छी आय प्राप्त कर रहे हैं।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मूल्यांकन नेशनल एकेडमी ऑफ रूडसेटी द्वारा प्रतिनियुक्त अधिकारी अरूणनाथ तिवारी और पंकज राउत द्वारा किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रशिक्षिका श्रीमती बनपलशी सरकार हैं। आज के कार्यक्रम में संकाय वापी दास व अन्य लोग उपस्थित रहे।

राजकीय श्रावणी मेला 2025 के सफल संचालन को लेकर परिसदन में पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार के नेतृत्व में समीक्षात्मक बैठक शुरू

विधायक सुरेश पासवान, उदयशंकर सिंह, विभागीय अधिकारी सहित आयुक्त,डीआईजी संबंधित अधिकारी मौजूद

राजा कुमार की रिपोर्ट

देवघर जिला आगामी 11 जुलाई से झारखंड के देवघर में मसूरिया की राजकीय श्रावणी मेला 2025 का आयोजन किया जाएगा इसके सफल संचालन के लिए झारखंड सरकार ने अभी से ही कमर कसनी है पूरा मेला का आयोजन पर्यटन विभाग द्वारा किया जाता है झारखंड के पर्यटन मंत्री सदैव कुमार द्वारा देवघर परिषद में राजकीय श्रावणी मेला की तैयारी की समीक्षात्मक बैठक की गई बैठक में विधायक सुरेश पासवान उदय शंकर सिंह के अलावा पर्यटन विभाग के सचिव और अधिकारी सहित संतान पर बिना आयोग देवघर और दुमका की डीसी एसपी और संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे लगभग ढाई घंटे तक चली बैठक में मंत्री ने श्रावणी मेला से जुड़े सभी विभागों की समीक्षा की और सभी तैयारियां सा समय पूर्ण करने का निर्देश दिया मंत्री ने कहा कि इस बार की राजकीय श्रावणी मेला में पिछले वर्ष की तुलना में सभी श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मुहैया कराई जाएगीवही मंत्री ने बताया कि देवघर से लेकर बासुकीनाथ मंदिर तक श्रद्धालुओं की सुरक्षा पर विद्युत सज्जाद सेवा शिविर इत्यादि की मुकम्मल और दुरुस्त अवस्था की जाएगी कहा कि बाबा मंदिर और बासुकीनाथ मंदिर परिसर में भी श्रद्धालुओं के लिए बेहतर इंतजाम रहेंगे और सभी का सुलभ और सुरक्षित जलालपुर सुनिश्चित कराया जाएगा आज हुई बैठक में मंत्री ने सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को तैयारी शुरू करने का निर्देश देते हुए कहा कि विभागों की मांग के अनुरूप आवंटनसमय पर।

सिंधु जल समझौता: बांध और बंदूक के बीच भारत की रणनीति

>> विचार

> पानी को पूरी तरह रोकना तकनीकी, आर्थिक, और भौगोलिक रूप से एक जटिल और लंबी प्रक्रिया है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि पश्चिमी नदियों (सिंधु, झेलम, चिनाब) के पानी को प्रभावी ढंग से नियंत्रित करने के लिए भारत को 5 से 10 साल का समय लग सकता है। इसका कारण यह है कि भारत की वर्तमान जल भंडारण क्षमता लगभग नगण्य है, क्योंकि समझौते के तहत केवल रन-ऑफ-द-रिवर परियोजनाओं की अनुमति थी। नए भंडारण बांधों के निर्माण के लिए खरबों रुपये, पर्यावरणीय मंजूरी, और जटिल पहाड़ी क्षेत्रों में इंजीनियरिंग की आवश्यकता होगी। भारत सरकार ने इस दिशा में तीन चरण की रणनीति अपनाई है।

जयसिंह रावत

पहलगाम में 22 अप्रैल 2025 को हुए आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने 23 अप्रैल को सिंधु जल समझौते (1960) को तत्काल प्रभाव से स्थगित करने की घोषणा की। यह कदम पाकिस्तान द्वारा सीमा पार आतंकवाद को समर्थन देने के जवाब में उठाया गया। इस फैसले ने न केवल भारत-पाकिस्तान संबंधों में तनाव बढ़ाया, बल्कि मीडिया में तरह-तरह की अटकलों और भ्रामक दावों को भी जन्म दिया। कुछ खबरों में दावा किया गया कि भारत ने सिंधु नदी प्रणाली का पानी पूरी तरह रोक दिया है, जिससे पाकिस्तान में सूखा पड़ गया है। जबकि अब तक यह भारत का दबाव ही है। वास्तविकता इन दावों से कहीं अधिक जटिल है। फिलहाल भारत ने चिनाब नदी पर बने बांध से पाकिस्तान को पानी की आपूर्ति रोक दी, यह कदम पाकिस्तान के बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षण के बाद उठाया गया। भारत का पानी पर नियंत्रण अवश्य है, मगर पूरी तरह पानी रोकना बहुत दूर की कौड़ी है। भारत ने डेटा साझा करना बंद कर दिया है और पाकिस्तानी निरीक्षकों की परियोजना स्थलों पर यात्राओं को रोका है, लेकिन पानी का प्रवाह पूरी तरह से बंद नहीं हुआ है। अगर पाकिस्तान को सद्बुद्धि आ जाए तो पानी रोकने की नौबत ही नहीं आएगी।

संधि का निलंबन, रद्दीकरण नहीं : यह गौर करने वाली बात है कि भारत ने सिंधु जल समझौते को रद्द नहीं, बल्कि स्थगित (सस्पेंड) किया है। इसका मतलब है कि यदि पाकिस्तान आतंकवाद को रोकने की ठोस गारंटी या भरोसा देता है, तो समझौता पुनः लागू हो सकता है। 1960 में विश्व बैंक की मध्यस्थता में हुए इस समझौते के तहत सिंधु नदी प्रणाली की छह नदियों को दो हिस्सों में बांटा गया: पूर्वी नदियां (सतलुज, ब्यास, रावी) भारत के नियंत्रण में, और पश्चिमी नदियां (सिंधु, झेलम, चिनाब) मुख्य रूप से पाकिस्तान के लिए। समझौता निलंबित होने से भारत अब जल डेटा साझा करने, नई परियोजनाओं की जानकारी देने, या पाकिस्तानी अधिकारियों को निरीक्षण की अनुमति देने जैसे दायित्वों से मुक्त है। यह भारत को पश्चिमी नदियों पर बांध और जल भंडारण परियोजनाओं को तेजी से विकसित करने की छूट देता है। हालांकि, मीडिया में यह धारणा बन रही है कि भारत ने इन नदियों का पानी पूरी तरह रोक दिया है। यह सच नहीं है। भारत ने चिनाब नदी पर बगलिहार बांध से पानी के प्रवाह को आंशिक रूप से नियंत्रित किया है, जिसका असर सीमित क्षेत्रों में दिखा है। किशनगंगा बांध पर भी ऐसी योजना बन रही है, लेकिन अभी इसे लागू नहीं किया गया। पाकिस्तान में पानी की कमी की खबरें अतिशयोक्तिपूर्ण हैं, क्योंकि वहां अभी बड़े पैमाने पर जल संकट की स्थिति नहीं बनी है।

पानी रोकने की प्रक्रिया, समय और संसाधन : पानी को पूरी तरह रोकना तकनीकी, आर्थिक, और भौगोलिक रूप से एक जटिल और लंबी प्रक्रिया है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि पश्चिमी नदियों (सिंधु, झेलम, चिनाब) के पानी को प्रभावी ढंग से नियंत्रित करने के लिए भारत को 5 से 10 साल का समय लग सकता है। इसका कारण यह है कि भारत की वर्तमान जल भंडारण क्षमता लगभग नगण्य है, क्योंकि समझौते के तहत केवल रन-ऑफ-द-रिवर परियोजनाओं की अनुमति थी। नए भंडारण बांधों के निर्माण के लिए खरबों रुपये, पर्यावरणीय मंजूरी, और जटिल पहाड़ी क्षेत्रों में इंजीनियरिंग की आवश्यकता होगी। भारत सरकार ने इस दिशा में तीन चरण की रणनीति अपनाई है। पहले चरण में मौजूदा बांधों, जैसे बगलिहार और किशनगंगा, का उपयोग कर पानी का प्रवाह नियंत्रित किया जा रहा है। दूसरे चरण में रुकी हुई परियोजनाएं, जैसे तुलबुल नेविगेशन प्रोजेक्ट, को तेजी से शुरू करने की योजना है। तीसरे और दीर्घकालिक चरण में नए बड़े भंडारण बांध बनाए जाएंगे, जो राजस्थान, पंजाब, और हरियाणा जैसे राज्यों को लाभ पहुंचाएंगे। हाल ही में सिंधु नदी पर दो नई स्टोरेज परियोजनाओं की घोषणा की गई है, लेकिन इनके पूरा होने में कई साल लगेंगे।

बगलिहार और किशनगंगा की भूमिका : जम्मू-कश्मीर में चिनाब नदी पर स्थित बगलिहार बांध 450 मेगावाट की पनबिजली परियोजना है, जो 2008 में शुरू हुई थी। यह एक रन-ऑफ-द-रिवर बांध है, जिसका मतलब है कि यह पानी को लंबे समय तक रोकने के लिए डिज़ाइन नहीं किया गया। हाल के हफ्तों में भारत ने इस बांध से पानी के प्रवाह को आंशिक रूप से कम किया है, जिससे पाकिस्तान में चिनाब नदी के कुछ हिस्सों में पानी की मात्रा घटी है। हालांकि, यह कमी अभी इतनी नहीं है कि पाकिस्तान में बड़े पैमाने पर सूखा पड़ जाए। इसी तरह, झेलम की सहायक नीलम नदी पर किशनगंगा बांध 330 मेगावाट की परियोजना है, जो 2018 में शुरू हुई। भारत इस बांध से भी पानी रोकने की योजना बना रहा है, लेकिन अभी यह लागू नहीं हुआ है। दोनों बांधों की भंडारण क्षमता सीमित है, और इन्हें बड़े पैमाने पर पानी रोकने के लिए अपग्रेड करना होगा। यह प्रक्रिया समय और संसाधन दोनों की मांग करती है। विशेषज्ञों का कहना है कि इन बांधों से पानी का प्रवाह नियंत्रित तो किया जा सकता है, लेकिन पूरी तरह रोकना तब तक संभव नहीं है, जब तक बड़े भंडारण बांध न बनें।

पानी रोकने की चुनौतियां : पानी को पूरी तरह रोकने की प्रक्रिया कई चुनौतियों से भरी है। सबसे पहले, अंतरराष्ट्रीय कानून एक बड़ा मसला है। पाकिस्तान ने इस निलंबन को 1969 के वियना कन्वेंशन और अंतरराष्ट्रीय संधियों का उल्लंघन बताया है। वह विश्व बैंक, हेग की स्थायी मध्यस्थता अदालत, या अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में जा सकता है। विश्व बैंक, जिसने समझौते की मध्यस्थता की थी, इस मामले में तटस्थ भूमिका निभा सकता है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय दबाव भारत के लिए चुनौती बन सकता है।दूसरा, पर्यावरणीय मुद्दे भी महत्वपूर्ण हैं। बड़े पैमाने पर पानी रोकने से नदी बेसिन का पारिस्थितिकी तंत्र प्रभावित हो सकता है। स्थानीय वनस्पति, जीव-जंतु, और नदी पर निर्भर समुदायों पर इसका नकारात्मक असर पड़ सकता है। इसके अलावा, यदि पानी को बड़े पैमाने पर रोका गया, तो जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश जैसे क्षेत्रों में बाढ़ का खतरा बढ़ सकता है। भारी बारिश या ग्लेशियर पिघलने की स्थिति में बांधों की क्षमता अपर्याप्त हो सकती है, जिससे नदियों के किनारे बसे इलाकों में तबाही मच सकती है। तीसरा, तकनीकी और आर्थिक चुनौतियां भी कम नहीं हैं। नए भंडारण बांधों का निर्माण पहाड़ी क्षेत्रों में करना होगा, जहां भूकंप का जोखिम, भूस्खलन, और जटिल भूगोल इंजीनियरिंग को मुश्किल बनाते हैं। इसके लिए भारी निवेश और लंबी अवधि की योजना की जरूरत है।

पाकिस्तान और अंतरराष्ट्रीय समुदाय की प्रतिक्रिया : पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था और कृषि सिंधु नदी प्रणाली पर अत्यधिक निर्भर है। वहां की 80% कृषि भूमि और प्रमुख शहर, जैसे कराची और लाहौर, इस जल प्रणाली पर निर्भर हैं। भारत के फैसले से पाकिस्तान में चिंता का माहौल है। पाकिस्तानी नेताओं ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो ने कहा, सिंधु में पानी बहेगा या खून बहेगा। पाकिस्तान ने इस निलंबन को अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताते हुए विश्व बैंक, हेग की मध्यस्थता अदालत, और अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में जाने की बात कही है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय भी इस घटनाक्रम पर नजर रख रहा है। चीन और अफगानिस्तान, जो सिंधु बेसिन के हिस्से साझा करते हैं, इस फैसले के प्रभावों का आकलन कर रहे हैं। यदि भारत पानी रोकने में सफल होता है, तो यह दक्षिण एशिया के जल-राजनीतिक समीकरण को बदल सकता है।

आगे की राह : भारत का यह फैसला पाकिस्तान पर दबाव बनाने का एक रणनीतिक कदम है, जो आतंकवाद के मुद्दे पर कड़ा संदेश देता है। लेकिन यह केवल तकनीकी मसला नहीं, बल्कि कूटनीतिक, कानूनी, और पर्यावरणीय चुनौतियों से भरा है। भारत को नए बांधों के निर्माण, पर्यावरणीय प्रभावों, और स्थानीय समुदायों के पुनर्वास जैसे मुद्दों से जूझना होगा। साथ ही, बाढ़ जैसे जोखिमों को कम करने के लिए मजबूत योजना की जरूरत है। दूसरी ओर, पाकिस्तान के लिए यह फैसला दीर्घकालिक जल संकट का खतरा पैदा कर सकता है, जिससे उसकी अर्थव्यवस्था और सामाजिक स्थिरता पर असर पड़ सकता है। हालांकि, समझौता स्थगित होने से यह संभावना भी बनी है कि यदि पाकिस्तान आतंकवाद के खिलाफ ठोस कदम उठाता है, तो दोनों देश कूटनीतिक बातचीत के जरिए तनाव कम कर सकते हैं। मीडिया में चल रही भ्रामक खबरों के बीच यह समझना जरूरी है कि भारत का फैसला एक दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है। पानी का प्रवाह तत्काल नहीं रुका है, और न ही पाकिस्तान अभी सूखे की चपेट में है। लेकिन आने वाले वर्षों में भारत की नई परियोजनाएं और बांध इस क्षेत्र के जल-राजनीतिक समीकरण को बदल सकते हैं। यह समय दोनों देशों के लिए संयम, कूटनीति, और दूरदर्शिता का है, ताकि तनाव युद्ध या बड़े संकट में न बदल जाए।

संपादकीय

जेनेरिक दवाएं रोकेंगी अनैतिक मुनाफाखोरी

कई बार समाचार सुनने-पढ़ने को मिलते हैं कि परिजनों के गंभीर व असाध्य रोगों के महंगे इलाज की वजह से लाखों लोग गरीबी की दलदल में डूब गए। कोरोना संकट के दौरान भी लोगों द्वारा घर, जमीन व जेवर बेचकर अपनों की जान बचाने की कोशिश की खबरें मीडिया में तैरती रही। लेकिन सामान्य दिनों में दवा कंपनियों की मिलीभगत व दबाव में लिखी जाने वाली महंगी दवाइयां भी गरीबों को टीस दे जाती हैं। इसके बावजूद कि बाजार में उसी साल्ट वाली गुणवत्ता की जेनेरिक दवा सहज उपलब्ध है। कुछ समय पहले केंद्र सरकार की ओर से जेनेरिक दवाइयां लिखने की अनिवार्यता के निर्देश का अच्छा-खासा विरोध हुआ, जिसके चलते निर्णय वापस लेना पड़ा था। अब इसी चिंता को देश की शीर्ष अदालत ने अभिव्यक्त किया है। दरअसल, बीते शुक्रवार को दवा कंपनियों की मुनाफाखोरी के कारोबार से बढ़ती दवाओं की कीमतों के बाबत एक मामले में सुनवाई करते हुए शीर्ष अदालत ने कहा कि यदि डॉक्टर केवल जेनेरिक दवाइयां ही लिखना प्रारंभ कर दें, तो दवा कंपनियों व चिकित्सकों के अपवित्र गठबंधन को तोड़ा जा सकता है। निस्संदेह, तरह-तरह के प्रलोभन व परोक्ष-अपरोक्ष लाभ देकर दवा कंपनियां चिकित्सकों पर महंगी दवा लिखने का दबाव बनाती हैं। जिसकी कीमत उन लोगों को चुकानी पड़ती है, जो महंगी दवा खरीदने की क्षमता नहीं रखते। ऐसे में वे कर्ज लेकर या अपने रिश्तेदारों से मदद लेकर किसी तरह गंभीर रोगों से ग्रस्त मरीजों का इलाज कराते हैं। इस खर्च के दबाव के चलते परिजनों को भी तमाम कष्ट उठाने पड़ते हैं। गाहे-बगाहे सरकारों ने दवा कंपनियों की बेलगाम मुनाफाखोरी रोकने को कदम उठाने की घोषणाएं तो कीं, लेकिन समस्या का सार्थक समाधान नहीं निकल पाया। चिकित्सा बिरादरी की तरफ से भी यदि इस दिशा में सहयोग मिलने लगे तो इस समस्या का समाधान किसी सीमा तक संभव हो सकता है। लेकिन विडंबना है कि ऐसा हो नहीं पा रहा है। एक संकट यह भी है कि दवा कंपनियों द्वारा प्रचार किया जाता है कि जेनेरिक दवाइयां रोग के उपचार में पर्याप्त रूप से सक्षम नहीं होती। निस्संदेह, सरकारों को इस दिशा में गंभीरता से सोचना होगा कि जेनेरिक दवाइयों को प्रोत्साहन देने के उसके प्रयास क्यों सिरे नहीं चढ़ते। एक वजह यह भी है कि दवा कंपनियों की लॉबी खासी ताकतवर होती है और साम-दाम-दंड-भेद की नीति का उपयोग करके अपने उत्पादों का विपणन करने में सफल हो जाती है। ऐसे आक्षेपों से चिकित्सा बिरादरी भी दोषमुक्त नहीं हो सकती, जो दवा कंपनियों के लोभसंवरण से मुक्त नहीं हो पाती। सरकारों को देखना चाहिए कि दवा कंपनियों द्वारा पोषित कदाचार पर नियंत्रण के प्रयास जमीनी हकीकत क्यों नहीं बन पाते। यदि ये कदम सख्ती से उठाए जाएं तो गरीब मरीज गंभीर रोगों का उपचार करने में सक्षम हो पाएंगे। फिर उनके अपनों का इलाज उनकी क्षमता के अनुरूप हो सकेगा। निस्संदेह, लंबे उपचार व असाध्य रोगों के इलाज में दवाओं की कीमत एक प्रमुख घटक होता है। यदि दवा नियंत्रित दामों में मिल सके तो उनकी बड़ी चिंता खत्म हो सकती है। निस्संदेह, दवाओं की कीमत हमारी चिकित्सा सेवाओं के लिये एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। सरकार को चाहिए कि गांव से लेकर शहरों तक जेनेरिक दवाओं के मेडिकल स्टोर बड़ी संख्या में खोले जाएं। मरीजों के तिमारदार उन तक आसानी से पहुंच सकें। इस काम में स्वयं सेवा समूहों की मदद ली जा सकती है ताकि गरीब-अनपढ़ मरीजों को जागरूक करके जेनेरिक दवाइयों के उपयोग को प्रोत्साहित किया जा सके। मरीजों के परिजनों को विश्वास दिलाया जाना चाहिए कि जेनेरिक दवाइयां भी उसी साल्ट से बनी होती हैं, जिससे महंगी ब्रांडेड दवाइयां बनी होती हैं। निश्चित रूप से चिकित्सा बिरादरी का भी फर्ज बनता है कि वे अपने ऋषिकर्म का दायित्व निभाते हुए गरीब मरीजों को अधिक से अधिक जेनेरिक दवाइयां लिखना शुरू करें। यह उनके लिये भी पुण्य के काम जैसा होगा। लेकिन एक बात तो तय है कि सरकार असरकारी व समान गुणवत्ता की जेनेरिक दवाओं की बिक्री व सहज उपलब्धता के लिये युद्धस्तर पर प्रयास करे। साथ ही सूचना माध्यमों व स्वयं सेवी संस्थाओं की मदद से जागरूकता अभियान भी चलाए।

समता व न्याय आधारित विकल्प के समक्ष चुनौतियां

डॉ. रामजीलाल

प्रत्येक देश में ऐसे महापुरुष हुए हैं, जिन्होंने मानवता को नई दिशा देकर सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक, सांस्कृतिक, एवं राजनीतिक विकास में अग्रणी भूमिका निभाई। इन महापुरुषों में डॉ. भीमराव अंबेडकर का नाम भी शामिल है। अधिकांश देशों में समाज के हाशिये पर रहने वाले लोग उनसे प्रेरणा लेते हैं। लगभग 150 देशों में उनकी जयंती मनाई जाती है। हाल ही में अमेरिका स्थित न्यूयॉर्क के मेयर एरिक एडम्स ने घोषणा की है कि हर साल 14 अप्रैल को डॉ. भीमराव अंबेडकर दिवस मनाया जाएगा। विश्व में डॉ. अंबेडकर की जयंती पर अनेक समारोह, सेमिनार, परिसंवाद आदि आयोजित किए जाते हैं, वहीं दूसरी ओर भारतीय समाज में अंबेडकरवाद और उनके योगदान को कम करने के प्रयास जारी हैं। अंबेडकरवादी विचारों के विरोधियों द्वारा उनकी प्रतिमाओं पर अभद्रता की घटनाएं भी सामने आती हैं। डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर (14 अप्रैल, 1891-6 दिसम्बर, 1956) भारतीय संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष, प्रसिद्ध वकील, भारत के प्रथम विधि एवं न्याय मंत्री, भाषाविद्, राजनीतिज्ञ, अर्थशास्त्री, जाति-पाति एवं छुआछूत उन्मूलन के समर्थक, वंचित वर्ग के मसीहा व विषमता के विरुद्ध आंदोलन के समर्थक थे। डॉ अंबेडकर के मुताबिक, महिलाओं के सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक सशक्तीकरण के बिना समाज का सुधार एवं विकास नहीं हो सकता। डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा समय-समय पर समाचार पत्रों, पुस्तकों, भाषणों, संविधान सभा की बहसों आदि में विभिन्न मुद्दों पर व्यक्त किए गए विचारों का व्यवस्थित रूप ही अंबेडकरवाद या अंबेडकर की सोच माना जाता है। अंबेडकरवाद की विचारधारा दुनिया के राजनेताओं से लेकर समाज के हाशिये पर मौजूद लोगों तक सभी का मार्गदर्शन करती है। अंबेडकरवाद विचारों का एक समूह है, जिसमें समानता, स्वतंत्रता, सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक न्याय, मानवीय गरिमा, धर्मनिरपेक्षता, लोकतंत्र, समाजवाद, और उपेक्षित वर्गों-दलितों, आदिवासियों, महिलाओं, किसानों और कृषि श्रमिकों, श्रमिकों का सशक्तीकरण तथा ऐसे समतावादी समाज की स्थापना शामिल है, जहां बुनियादी जरूरतें -भोजन, आश्रय, वस्त्र, शिक्षा, स्वास्थ्य, काम का अधिकार और समान काम के लिए समान वेतन का हक- पूरी हों। अंबेडकरवादी चिंतन इस बात का समर्थन करता है कि महत्वपूर्ण उद्योगों पर सार्वजनिक नियंत्रण (राष्ट्रीयकरण) होना चाहिए। ऐसे में यह चिंतन इस दौर में प्रचलित उदारीकरण, निजीकरण एवं वैश्वीकरण सहित निगमीकरण के विरुद्ध है। डॉ अंबेडकर का समाजवादी चिंतकों में महत्वपूर्ण स्थान है। अंबेडकरवाद ऐसे समाज की स्थापना की कल्पना करता है जिसमें प्रत्येक व्यक्ति का मूल्य जीवन के हर क्षेत्र में समान हो, न कि जन्म, जाति, क्षेत्र, धर्म, भाषा व लैंगिक आदि संकीर्णताओं के आधार पर। भारत में कई तरह की विविधताओं के चलते अंबेडकरवाद सामाजिक सद्भाव और एकता बनाए रखने के लिए 'विविधता में एकता के सिद्धांत' की वकालत करता है। अंबेडकरवाद सामाजिक असमानता, अन्याय, अस्पृश्यता, जातिवाद, सामंतवाद, पूंजीवाद, नौकरशाही के जन-विरोधी रवैये, बहुसंख्यक तानाशाही, हिंसक आंदोलनों, धर्म-आधारित या धर्म-प्रधान राज्यों के खिलाफ है। अंबेडकरवाद के अनुसार जातिवाद के कारण उत्पन्न अस्पृश्यता संकुचित, विभाजक व अमानवीय है। जो राष्ट्रीय एकता, एकीकरण के अलावा देश के विकास में अवरोधक है। अंबेडकरवाद के अनुसार अस्पृश्यता के कारण दलित वर्ग को अपमान झेलना पड़ा। सामाजिक क्रांति के बिना शोषण, असमानता, एवं अपमानजनक व्यवहार समाप्त नहीं होगा। वे जाति प्रथा उन्मूलन के पैरोकार थे। अंबेडकरवाद के समक्ष प्रमुख चुनौतियां हैं- भेदभाव और सामाजिक असमानता, राजनीति में नायक पूजा, जातिवाद, अनुसूचित जाति और जनजातियों के विरुद्ध अपराध, हिंसा, अमानवीय घटनाओं, जाति व रंग के आधार पर अत्याचारों में वृद्धि, प्रशासन में पक्षपात और आर्थिक असमानता आदि। भारत के संविधान के लागू होने के संदर्भ में डॉ. भीमराव अंबेडकर ने समाज में विद्यमान विरोधाभासों पर प्रकाश डालते हुए कहा था कि '26 जनवरी, 1950 को हम विरोधाभासों के जीवन में प्रवेश करने जा रहे हैं। राजनीति में हम एक व्यक्ति, एक वोट और एक वोट, एक मूल्य के सिद्धांत को मान्यता देंगे। लेकिन सामाजिक और आर्थिक जीवन में, हम अपनी सामाजिक और आर्थिक संरचना के कारण, एक व्यक्ति, एक मूल्य के सिद्धांत को नकारते रहेंगे। हम कब तक विरोधाभासों का जीवन जीते रहेंगे व सामाजिक और आर्थिक जीवन में समानता को नकारते रहेंगे? अगर हम इसे लंबे समय तक नकारते रहेंगे, तो हम अपने राजनीतिक लोकतंत्र को खतरे में डाल देंगे। हमें इस विरोधाभास को जल्द से जल्द दूर करना होगा।' अंबेडकरवाद के अनुसार, विभिन्न जातियों, धर्मों, संस्कृतियों, क्षेत्रों और विभिन्न भाषा बोलने वाले लोगों के बीच सद्भावना आवश्यक है। भारत की विशालता और विविधता को ध्यान में रखते हुए 'विविधता में एकता' के आधार पर राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया को मजबूत किया जा सकता है। अंबेडकरवाद वर्तमान व्यवस्था के विकल्प की वकालत करता है जिसका उद्देश्य गरीबी, भुखमरी, बेरोजगारी और अशिक्षा से मुक्त समतावादी समाज की स्थापना; सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय; प्रमुख उद्योगों पर सार्वजनिक नियंत्रण; धन का विकेंद्रीकरण और हाशिए पर मौजूद वर्गों का सशक्तीकरण है।

सचेतना से असंभव भी होता है संभव

प्रदीप मैगज़ीन

मन और शरीर, दो ऐसे स्तंभ, जिन पर इंसान का वजूद टिका है। एक खिलाड़ी उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए चुने हुए खेल की मांगों के अनुसार अपने शरीर को परिपूर्ण बनाने में पूरा जीवन लगा देता है। मानव मन के असीम विस्तार में, ऐसा कोई लक्ष्य नहीं है जिसे प्राप्त न किया जा सके। कोई व्यक्ति पलक झपकने भर में आल्प्स के ऊपर से उड़ने या हिमालय पर विजय पाने या निराशा की गहराइयों में गिरने की कल्पना कर सकता है। ऐसा कहा जाता है कि अगर शरीर और मन एक सार हो जाएं, तो कोई भी बाधा, चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हो, उससे पार पाया जा सकता है। दुनिया एक ऐसे सांचे की तरह है जिसमें मानव शरीर आकार लेता है और नए-नए विचार ढलते रहते हैं। यदि हम मान लें कि खेल जीवन का एक रूपक है तो हम महसूस करेंगे कि अगरचे मन और शरीर विपरीत उद्देश्यों से काम करेंगे, तो सफलता कभी हासिल नहीं हो सकती। खेल आपके भावनात्मक अनुकूलन की खामियों से निपटने में भी उतना ही कारगर है जितना कि आपके शारीरिक कौशल को परिपूर्ण बनाने में। माइंडफुलनेस (सचेतन) नए युग का मंत्र है, वह जादुई औषधि जो आपको अतीत के तमाम दुखों और कल्पित दुखद भविष्य की चिंताओं से दूर रख सकता है। बुद्ध ने 2,500 साल पहले कहा था 'वर्तमान में जीओ, तमाम चिंताएं तिरोहित हो जाएंगी।' मैं नियमित रूप से एक बौद्ध ध्यान केंद्र जाया करता हूं, हैरानी की बात है कि वहां पर आने वालों में, युवा और बेचैन लोगों की संख्या उन लोगों की तुलना में अधिक होती है, जिनके अंदर उम्र जनित अनुभवों से अवसाद और असहायता बनती है। भविष्य का डर, ध्यान भटकाने वाले अंतहीन कारक और एक ऐसी दुनिया में जीना जिसमें मानवीय संपर्क बहुत कम है लेकिन वे व्यक्तिगत जान-पहचान विहीन सोशल मीडिया मित्र मंडल द्वारा चालित आभासीय दुनिया में विचरते हैं, यह सब उन्हें एक ऐसे रास्ते की तलाश करने के लिए मजबूर कर देता है, जो उन्हें उनके वर्तमान जीवन से नहीं मिलता। स्थिरता एवं पूर्ण-एकाग्रता बनाने का प्रशिक्षण लेने की चाह में वहां आने वाले ऐसे अनेक युवाओं में एक पेशेवर गोल्फ खिलाड़ी भी था। वह खेल में अपनी कमियों से जूझ रहा था, जिसका संबंध उसके अस्थिर मन और एकाग्रता की कमी से था। उसे मोक्ष की तलाश नहीं थी, बल्कि वह तो अपने मन को नियंत्रित रखने के तरीके खोज रहा था, ताकि गोल्फ़ कोर्स पर अपनी पूरी क्षमता के अनुसार प्रदर्शन कर सके। कई सालों बाद मैं गेंदबाजों को बेतरह धुनने वाले और भारतीय क्रिकेट सबसे घातक बल्लेबाजों में से एक से मिला, जो अब खेल से सेवानिवृत्त हो चुका है और अपने जैसे अधिकांश लोगों की तरह अपना वक्त गोल्फ़ खेलने में बिताता है। कई लोग कहते हैं कि वह इतना अच्छा खेलता है कि गोल्फ का पेशेवर खिलाड़ी बन सकता है। मैंने उससे पूछा कि क्या उसने कभी पेशेवर गोल्फ़र बनने के बारे में सोचा? जवाब था 'नहीं, मैं अपने गोल्फ़ का लुत्फ़ उठाना चाहता हूं। अब और दबाव नहीं झेलना चाहूंगा।' टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में छह छक्के जड़ने वाले खिलाड़ी हों और दबाव की बात? सफलता की कीमत चुकानी पड़ती है। आकांक्षी खिलाड़ियों को जितनी जरूरत तकनीकी कोचिंग की पड़ती है, उतनी ही आवश्यकता प्रशिक्षण से उन्हें दिमागी रूप से तैयार करने की भी होती है। इसके लिए ज़्यादा सही शब्द होगा- भावनात्मक कोचिंग। हमारी पांच इंद्रियां दुनिया के लिए हमारा प्रवेश द्वार हैं और हर व्यक्ति की अपनी एक अनूठी न्यूरोलॉजी होती है, जिसे मौखिक और गैर-मौखिक भाषा के ज़रिए व्यक्त किया जाता है। खिलाड़ियों को जिन भावनात्मक मुद्दों से जूझना पड़ता है, उनसे पार पाने के लिए न्यूरो लिंग्विस्टिक प्रोग्राम (एनएलपी) नामक एक विशिष्ट मनोवैज्ञानिक प्रशिक्षण पद्धति, उनकी समस्याओं का हल इन संवेदी धारणाओं को अपने शोध के केंद्र में रखकर करती है। यह एक ऐसा क्षेत्र है, जो शरीर और मांसपेशियों की हरकतों से किसी व्यक्ति में बनने वाले अदृश्य आघात को बूझता है। इस पद्धति का इस्तेमाल करने वालों में से एक हैं मेधावी और जानकारी से परिपूर्ण रुखसार सलीम, जो दिल्ली के शिवाजी स्टेडियम में वंचित बच्चों के लिए के. अरुमुगम द्वारा आयोजित हॉकी कोचिंग कार्यक्रम में मदद कर रही हैं। अरुमुगम को भारत की 1975 विश्व कप जीत पर लिखी गई बेहतरीन हॉकी पुस्तक के लिए बेहतर जाना जाता है। रुखसार पहले बिजनेस जगत की पत्रकार थीं, जिन्होंने अपना कार्यक्षेत्र बदला है, मानव व्यवहार पैटर्न को समझने के लिए एनएलपी में मास्टर्स कोर्स किया। वह कहती हैं कि प्रत्येक व्यक्ति के शरीर में न्यूरो-भाषा विज्ञान की एक अनूठी प्रोग्रामिंग होती है। इस कार्यक्रम के स्थापित तथ्यों में से एक सूक्ति है 'भावनाएं मन (मस्तिष्क) में निवास करती हैं, भावनाएं आपकी मांसपेशियों में मौजूद होती हैं। उनके अनुसार, पांच इंद्रियों में से तीन -दृश्य, श्रवण और गतिज- किसी भी जानकारी को प्राप्त करने का पुष्ट और प्रमुख माध्यम हैं। प्रत्येक व्यक्ति के पास बाहरी वातावरण से जानकारी को ग्रहण करने की एक जन्मजात या अर्जित प्राथमिकता होती है (या तो संस्कृति से या अभ्यास के कारण)। 'इसलिए एक अच्छा कोच सबसे पहले इस चीज़ की शिनाख्त करता है कि जानकारी प्राप्त कैसे हुई और वह खिलाड़ी को उस जानकारी को संसाधन के रूप में उपयोग करने और दबाव में अपने प्रदर्शन को अनुकूलित करने में, अनुपयोगी जानकारी को दरकिनार करने में मदद करता है। उदाहरण के लिए, विराट कोहली के मामले में, उनके शरीर की हरकतों में सहजता और बल्लेबाजी न करते वक्त भी मैदान में चारों ओर नज़र बनाए रखने की क्षमता, उनके अत्यधिक दृश्यशील एवं गतिज होने की ठोस संकेतक हैं। लेकिन कोई खिलाड़ी ऐसा हो सकता है जो चीखती-चिल्लाती भीड़ को देखकर असहज हो जाए और अत्यधिक दबाव महसूस करे। यह संभावना है कि दंगा-ग्रस्त क्षेत्रों के लोगों की न्यूरोलॉजी अलग किस्म की बन जाती है, और वे हमेशा बाहर की ओर तकते रहते हैं, किसी संभावित खतरे की टोह लेने में। एक कोच का काम बाहरी और आंतरिक दुनिया के बीच संतुलन बनाना और जानने और करने के बीच के अंतर को कम करना है। मन और उसकी जटिलताएं और इसके परिणामवश बने व्यवहार के पैटर्न को समझना एक जीवन भर चलने वाला काम हो सकता है। बौद्ध धर्म के अनुसार, समता और ज्ञान के उस अंतिम लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कई जीवन-काल की आवश्यकता होगी। खिलाड़ियों को उनकी इष्टतम क्षमता प्राप्त करने में मदद करने वाली हमारी सीमित परियोजना के लिए यह समझना बहुत महत्वपूर्ण है कि हमें क्या प्रेरित करता है और क्या हमें सीमित बनाता है। जैसा कि रुखसार बताती हैं, हम अपनी सभी समस्याओं से छुटकारा नहीं पा सकते लेकिन हम उन्हें समझ सकते हैं और उनका समाधान कर सकते हैं।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक व संपादक **सरोज चौधरी** द्वारा ई-37, अशोक विहार रांची से प्रकाशित तथा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस लालगुटवा रांची से मुद्रित, **संस्थापक संपादक : स्व. राधाकृष्ण चौधरी, प्रबंध संपादक अरूण कुमार चौधरी * फोन :** 9471170557/08084674042, **ई-मेल :** aadivashiexpress@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

व्यापारी हत्याकांड के मृतक के परिजनों से मिले जदयू जिला अध्यक्ष

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam
साहिबगंज नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत बीते दिनों हुई हत्याकांड मामले में स्थानीय विधायक से लेकर पूर्व विधायक व समाजसेवी से लेकर जदयू के जिला अध्यक्ष सुनील सिन्हा ने मृतक के परिजनों से मंगलवार को मुलाकात की एवं उन्हें संत्वना बता दे की बीते दिनों हुई नगर थाना क्षेत्र के कॉलेज रोड स्थित चाणक्य होटल के समीप दुकानदार संजीव कुमार को अपराधियों ने दुकान में चढ़कर गोली मारकर हत्या कर दी थी.मृतक के परिजनों से मिले और उनकी मौत पर दुख जताया साथ ही उन्हें इंसाफ दिलाने का भरोसा दिया कहां की देश की जनता आपके साथ है आगे कहां की अपराधी कोई हो जिस जाति का हो उसको हर कीमत पर मिटा देना चाहिए.आए दिन जिस तरह से अपराधियों का मनोबल बढ़ता जा रहा है. दिनदहाड़े भी किसी भी घटना को पल भर में अंजाम देकर फरार हो जाते हैं. मृतक के परिजनों ने जिला अध्यक्ष को बताया कि जिस तरह से मेरे बेटे को हत्या कर घटना को अंजाम दिया मेरे बेटे पानी के लिए तड़प रहा था. इस तरह अपराधियों की भी मौत होनी चाहिए उसे भी खाना पानी नहीं मिलना चाहिए. उसे फांसी की सजा होनी चाहिए जिला अध्यक्ष ने भरोसा देते हुए परिजनों को बताया कि हर हाल में अपराधियों की सजा होगी.

ट्रैक्टर ने एक कार को टक्कर मार दी, जिससे कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam
साहिबगंज। बोरियो बरहेट बोरियो मुख्य पथ के तेलो स्वास्थ्य उप केंद्र के पास ट्रैक्टर ने एक कार को टक्कर मार दी, जिससे कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। कार में बैठे लोग आंशिक रूप से घायल हो गए। घायल अवस्था में तेलो उप स्वास्थ्य केंद्र में प्रमोद कुमार को इलाज के लिए भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार प्रमोद कुमार साहेबगंज में डीडीएम (नवार्ड) के पद पर पद स्थापित हैं। प्रमोद कुमार ने बताया कि वह बरहेट से साहिबगंज जा रहे थे। तेज रफ्तार से एक ट्रैक्टर ने टक्कर मार दी। इसके बाद कार का ड्राइवर रितेश कुमार कार से बाहर निकाल। बोरियो थाना पुलिस को वाहन दुर्घटना की सूचना मिलते ही, घटनास्थल पर दलबल के साथ पहुंचकर वाहन को अपने कब्जे में ले लिया। पुलिस वाहन दुर्घटना की छानबीन कर रही है।

गंभीर रूप से घायल एक अज्ञात युवक को मिर्जाचौकी पुलिस ने बरामद किया

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam
साहिबगंज। मंडरो प्रखंड के सिमड़ा गांव में सोमवार की रात को संदिग्ध स्थिति में गंभीर रूप से घायल एक अज्ञात युवक को मिर्जाचौकी पुलिस ने बरामद किया। रात्रि 12:10 बजे पुलिस ने घायल युवक को बेहोशी की हालत में इलाज के लिए सदर अस्पताल साहिबगंज में भर्ती कराया है। युवक की उम्र लगभग 20 वर्ष है। युवक का बायां गाल व कान कटा हुआ है। डॉक्टर के अनुसार देखने से लगता है कि किसी ने अज्ञात युवक को धारदार हथियार से मारा होगा। मिर्जाचौकी प्रभार थाना प्रभारी पवन यादव ने बताया कि मंडरो के सिमड़ा गांव से सूचना मिली थी कि एक अज्ञात युवक गंभीर रूप से घायल पड़ा है। जहां मौके पर पुलिस दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर घायल अज्ञात युवक को इलाज के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। पुलिस घटना की मामले की छानबीन कर रही है। पुलिस के अनुसार घायल अज्ञात युवक का पहचान अभी नहीं हुआ है।

उपायुक्त कार्यालय प्रकोष्ठ में जनता दरबार का आयोजन

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam
साहिबगंज। उपायुक्त कार्यालय प्रकोष्ठ में उपायुक्त- सह-जिला दंडाधिकारी हेमंत सती द्वारा जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दौरान उपायुक्त ने जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों से मुलाकात कर उनके समस्याओं से अवगत हुए। उपायुक्त द्वारा उपस्थित सभी लोगों से एक-एक कर उनकी समस्याएं सुनी एवं आश्वस्त किया कि संज्ञान में आए हुए सभी शिकायतों की जांच कराते हुए जल्द से जल्द सभी समस्याओं का समाधान किया जाएगा। इसके साथ ही जनता दरबार के दौरान विभिन्न आवेदन शिकायत के रूप में आए, जो कि जिले के विभिन्न विभागों से संबंधित थे। ऐसे में जनता दरबार में सभी शिकायतकर्ताओं की समस्याओं को सुनने के बाद उपायुक्त ने संबंधित विभाग के पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी आवेदनों का भौतिक जांच करते हुए उसका समाधान जल्द से जल्द करें।साथ ही उन्होंने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि इन शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए अपना प्रतिपुष्टि उपायुक्त कार्यालय को समर्पित करें। ताकि शिकायतों के निष्पादन में आसानी हो सके।ज्ञात हो कि हर सप्ताह मंगलवार एवं शुक्रवार को उपायुक्त कार्यालय में जनता दरबार का आयोजन किया जाता है।

आपदा से निपटने की तैयारी में साहिबगंज एक कदम आगे- 7 मई को सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल का आयोजन

अजय कुमार कुशवाहा/ आदिवासी एक्सप्रेस
साहिबगंज। जिले में नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने एवं आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने की तैयारियों को परखने के उद्देश्य से 7 मई 2025 (बुधवार) को एक व्यापक नागरिक सुरक्षा मॉक ड्रिल का आयोजन किया जाएगा। यह अभ्यास भारत सरकार के गृह मंत्रालय के दिशा-निर्देशों पर देश के 244 जिलों में आयोजित किया जा रहा है, जिनमें झारखंड राज्य के साहिबगंज, रांची, जमशेदपुर, गोड्डा एवं बोकारो शामिल हैं।

मॉक ड्रिल का उद्देश्य
यह अभ्यास युद्ध, हवाई हमले, आतंकी खतरे अथवा अन्य किसी गंभीर आपदा की स्थिति में आम नागरिकों की तत्परता, सुरक्षा उपायों की प्रभावशीलता और जिला प्रशासन की प्रतिक्रिया को परखने हेतु किया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य नागरिकों को जागरूक और तैयार बनाना है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में जान-माल की रक्षा सुनिश्चित की जा सके।

ड्रिल के मुख्य घटक: क्या-क्या होगा इस अभ्यास में?

1. सायरन बजाना:
हवाई हमले की चेतावनी के रूप में सायरन बजाए जाएंगे। इससे नागरिकों को आपात स्थिति की जानकारी दी जाएगी।

2. ब्लैकआउट अभ्यास:
कुछ समय के लिए घरों, दुकानों और प्रतिष्ठानों की बिजली बंद रखने की अपील की गई है। कृपया इन्वर्टर, कृत्रिम लाइट या अन्य विद्युत उपकरणों का प्रयोग न करें।

3. नागरिकों की निकासी प्रक्रिया:
चिन्हित सुरक्षित स्थानों जैसे मजबूत इमारतों के आंतरिक कमरों में जाने की प्रक्रिया का अभ्यास कराया जाएगा।

4. प्रशिक्षण और डेमो प्रदर्शन:
साहिबगंज कॉलेज में डेमो बम विस्फोट का आयोजन किया जाएगा, जहाँ आपात स्थिति में बचाव कार्य कैसे किया जाता है, इसका प्रदर्शन किया जाएगा।

5. संयुक्त भागीदारी:
जिला पुलिस, होम गार्ड्स, सिविल डिफेंस वार्डन, एनसीसी, एनएसएस एवं स्वयंसेवी संगठन इस अभ्यास में सक्रिय भाग लेंगे।

6. Shadow Control Room की स्थापना:
एक शैडो कंट्रोल रूम बनाया गया है, जहाँ से पूरे अभ्यास की रियल टाइम मॉनिटरिंग की जाएगी। आपात स्थिति में नागरिकों को सहायता और मार्गदर्शन यहीं से प्रदान किया जाएगा।

7. ड्रोन निगरानी:
ब्लैकआउट के दौरान ड्रोन से क्षेत्रीय निगरानी की जाएगी, ताकि अभ्यास की वास्तविकता और प्रभावशीलता सुनिश्चित की जा सके।

8. वीडियो रिकॉर्डिंग व विश्लेषण:
पूरी प्रक्रिया की रिकॉर्डिंग की जाएगी और आगामी 15 दिनों में इसका विश्लेषण कर जिले के सिविल डिफेंस प्लान को और मजबूत किया जाएगा।

नागरिकों के लिए सुझाव और अपील
सायरन बजने पर घबराएं नहीं। यह केवल एक अभ्यास है।
अपने घरों की बिजली बंद रखें और कृत्रिम प्रकाश का प्रयोग न करें।
सुरक्षित स्थान की पहचान पहले से कर लें और परिवार को भी जागरूक करें।
रेडियो, टीवी, अथवा सरकारी मोबाइल ऐप्स से आधिकारिक सूचना प्राप्त करते रहें।
किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें और केवल प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों का पालन करें।
इस अभ्यास में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें - आपकी सजगता ही सबसे बड़ी सुरक्षा है।
जन-सहभागिता से ही बनेगा यह अभ्यास सफल
जिला प्रशासन, साहिबगंज यह स्पष्ट करता है कि यह मॉक ड्रिल एक पूर्व नियोजित अभ्यास है और इसका उद्देश्य जनमानस को सतर्क, जागरूक और तैयार करना है। नागरिकों से अनुरोध है कि वे इस महत्त्वपूर्ण पहल में सहयोग करें, शांत रहें, अफवाहों से बचें और प्रशासन को सहयोग दें।

चिन्हित स्थल जहां मॉक ड्रिल होगा:
साहिबगंज बंदरगाह
साहिबगंज कॉलेज
साहिबगंज रेलवे स्टेशन

मोतियों का माला बेचने घर से निकले भागलपुर के युवक की बच्चा चोर की अफवाह में हुई हत्या

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam
साहिबगंज। बोरियो रोजी-रोटी के लिए मोतियों का माला बेचने घर से निकले भागलपुर के युवक की बच्चा चोर की अफवाह में हुई हत्या व घटना के दस दिनों में बाद सड़ी-गली अवस्था में शव मिलने की घटना से सनसनी फैल गयी है. घटना बोरियो थाना क्षेत्र के दुर्गाटोला पंचायत अंतर्गत आसनबोना गांव की है. मृतक की पहचान बिहार के भागलपुर जिला के एकडारा गांव निवासी 32 वर्षीय रंजू उर्फ रंजन सोनी के रूप में हुई है. वह 26 अप्रैल को दीपक साह नामक युवक के साथ मोतियों की माला बेचने निकला था. दीपक तो वापस लौट आया, लेकिन रंजन कभी नहीं लौटा. रंजन के लापता होने के बाद जब परिजनों ने खोजबीन शुरू की, तो सुराग मिला आसनबोना गांव का. लेकिन गांव के लोग चुप थे. किसी ने कुछ नहीं कहा. जब दोबारा परिजन गांव पहुंचे, तो कुछ स्कूली बच्चों ने बताया कि रंजन को उन्होंने गांव में देखा था. इसके बाद लापता रंजू उर्फ रंजन के छोटे भाई राहुल कुमार ने बोरियो थाना में लिखित आवेदन दिया. पुलिस की दबिश के बाद मामला आया सामने पुलिस ने तेजी से कार्रवाई की. पूछताछ में तीन लोग पकड़े गए, और फिर पूरे मामले की परतें खुलने लगीं. आखिरकार पुलिस 10 आरोपियों तक पहुंच गयी. उनकी निशानदेही पर गांव के बाहर घने जंगल से शव बरामद किया गया, जहां उसे हाथ-पांव बांधकर दफनाया गया था. शव की हालत सड़ी-गली थी. रोटी के लिए निकला, लेकिन लौटी लाश रंजू उर्फ रंजन तीन बच्चों का पिता था. घर का एकमात्र कमाने वाला. उसकी बेरहमी से हुई हत्या ने पूरे परिवार को तबाह कर दिया. बड़े भाई जयनारायण सोनी की आंखें नम थीं, जब उन्होंने बताया कि रंजन दर-दर माला बेचकर परिवार का पेट पालता था. लेकिन अफवाह की आग ने सब कुछ खत्म कर दिया. इधर थाना प्रभारी पंकज वर्मा ने बताया कि मृतक के भाई राहुल कुमार के लिखित आवेदन पर 10 लोगो के विरुद्ध थाना कांड संख्या 34/25 दर्ज किया गया है. पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है. क्या कहते हैं पदाधिकारी बच्चा चोरी या किडनी चोरी जैसी झूठी अफवाहें समाज के लिए ज़हर हैं. किसी अजनबी को देखकर सीधे हमला करने की बजाय, पुलिस को सूचना दें. कानून को अपने हाथ में लेना अपराध है, और पुलिस सख्त कार्रवाई करेगी. विजय कुमार कुशवाहा, मुख्यालय डीएसपी.

फागु बेसरा को केंद्रीय महासचिव संजीव बेदिया और कमलनयन सिंह को केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य बनाए जाने पर कार्यकर्ताओं ने दी बधाई

आदिवासी एक्सप्रेस संवाददाता
बड़कागांव। झारखंड राज्य में मंत्री का दर्जा प्राप्त फागु बेसरा को झामुमो में केंद्रीय महासचिव एवं झारखंड मुक्ति मोर्चा हजारीबाग के जिला अध्यक्ष संजीव कुमार बेदिया, कमलनयन सिंह को केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य बनाए जाने पर झामुमो प्रखंड अध्यक्ष सह झारखंड श्रमिक संघ जिला सचिव हजारीबाग संजय सिंह सहित कार्यकर्ताओं ने बधाई देते हुए शुभकामनाएं दिया है।बधाई देने वालों में मुख्य रूप से झामुमो केंद्रीय सदस्य सोनाराम मांझी , गौरव पटेल, सुनील वर्मा,प्रखंड अध्यक्ष संजय सिंह, प्रखंड सचिव सरोज कुमार मेहता, प्रखंड कोषाध्यक्ष इंद्रदेव राम, कटकमदाग प्रखंड अध्यक्ष सुरेंद्र बांडो सूरज बेसरा ,प्रमुख प्रतिनिधि हेमंत भुईंया,संजय करमाली ,मीडिया प्रभारी सह सोशल मीडिया प्रभारी हजारीबाग संजय भुईंया,नंदकिशोर भुईया, इलियास अंसारी, सफीउल्लाह अंसारी, सूरज वर्मा, शंकर साव, विनोद यादव, मोती भुईयां, गिरजा भुईयां, रामवृक्ष भुईयां, गुलाब राम, फालेंद्रा गंझु, राज कुमार, गणेश राम, सुनील राम, राम सागर महतो, अरविंद महतो, मुंद्रिका सिंह, सुरेश यादव, चुरामन गंझू, राजेश हसदा सहित तमाम कार्यकर्तागण ने बधाई दिया है।

मामूली विवाद को लेकर दो पक्षों में झगड़ा हो गया, जिसमें एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam
साहिबगंज। राधानगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत अमजल्ली विश्वास टोला में मामूली विवाद को लेकर दो पक्षों में झगड़ा हो गया, जिसमें एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल व्यक्ति की पहचान मैमुल शेख, पिता स्वर्गीय एझजार अली के रूप में हुई है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, सोमवार को मैमुल शेख सब्जी लेने बाजार गए हुए थे। लौटने के क्रम में उन्होंने देखा कि उनकी पत्नी नास्तरा बीवी और पुत्री फरीदा खातून पर पड़ोसी महिलाएं—लालमन बीवी (पति कोयेश शेख) और संजू बीवी (पति मुलाहक शेख)—हमला कर रही थीं। मैमुल शेख ने बीच-बचाव का प्रयास किया, लेकिन उसी दौरान संजू बीवी ने एक बड़ा पत्थर उठाकर उनके दाहिने सर पर वार कर दिया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए और लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़े। परिजनों के अनुसार, घटना की वजह यह थी कि मैमुल शेख की बकरी का बच्चा पड़ोसी के खेत में चला गया था, जहां ढैंचा का पौधा लगा हुआ था। जब उनकी पत्नी ने क्षमा मांगते हुए नुकसान भरपाई की बात कही, तो भी आरोपित महिलाएं नहीं मानीं और गाली-गलौज के साथ मारपीट करने लगीं। उन्होंने नास्तरा बीवी के कपड़े भी फाड़ दिए। घटना के बाद पीड़ित पक्ष ने राधानगर थाना में लिखित शिकायत दर्ज करवाई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

10+2 लॉर्ड कृष्णा स्कूल में दंत चिकित्सा शिविर का किया गया आयोजन

आदिवासी एक्सप्रेस
हजारीबाग। 10+2 लॉर्ड कृष्णा स्कूल अमृत नगर हजारीबाग के सभागार में मंगलवार को दंत चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया जिसमें Dr. डॉ मोहम्मद इश्तियाक खान (ओरल मेडिसिन और मैक्सिलोफेशियल रेडियोलॉजिस्ट) डॉ ज्योति रघुवंशी (पेडोडॉन्टिस्ट) डॉ. श्रुति झा (जूनियर डॉक्टर) डॉ. अल्ताफ खान (ट्रेनिंग डॉ.)डॉ. अदनान खान (प्रशिक्षण डॉक्टर) के द्वारा बच्चों के दांत का जांच किया गया एवं बच्चों को टूथ पेस्ट एवं टैबलेट मुफ्त में दिया गया। इस कार्य से बच्चे अपने दांतों की सफाई एवं उसे स्वच्छ रखने की विधिवत ज्ञान प्राप्त किया। साथ में दांत गंदा ना हो इसके लिए उन्होंने किसी भी प्रकार की नशीली पदार्थों को नहीं लेने का संकल्प लिया। इस कार्य के लिए मैक्स क्लीनिंग को विद्यालय के सचिव अमिताभ नीरज एवं प्रधानाध्यापक कृष्ण कुमार देव के द्वारा धन्यवाद दिए गए।

इलोक्ट्रोनिक दुकानदार संजीव कुमार साह को दुकान में घुस कर अपराधियों द्वारा गोली मारकर हत्या कर दिए

आदिवासी एक्सप्रेस W . Alam
साहिबगंज। बीते 4 मई को शाम 8 बजे इलोक्ट्रोनिक दुकानदार संजीव कुमार साह को दुकान में घुस कर अपराधियों द्वारा गोली मारकर हत्या कर दिए जाने के विरोध में भारतीय ओबीसी महासभा एवं अखिल भारतीय तेली महासभा के प्रतिनिधि मंडल संयुक्त रूप से मुख्यमंत्री के नाम उपायुक्त के माध्यम एक ज्ञापन सौंप कर अपराधियों को गिरफ्तार कर कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग की है.भारतीय ओबीसी महासभा संगठन एवं अखिल भारतीय तेली महासभा संगठन मुख्यमंत्री झारखण्ड सरकार से मांग करती है कि संजीव कुमार साह के परिवार को मुआवजा के रूप में पचास लाख रुपया एवं इनके परिवार को एक सरकारी नौकरी दिया जाए.क्योंकि इस परिवार का भरन पोषण करने वाले मात्र संजीव कुमार साह था.वही प्रतिनिधि मंडल ने परिवारजनों से भी मिलकर सांत्वना दी. मौक़े पर भारतीय ओबीसी महासभा के प्रदेश अध्यक्ष सह अखिल भारतीय तेली महासभा को प्रदेश उपाध्यक्ष नंदलाल साह, युवा प्रदेश अध्यक्ष भारतीय ओबीसी महासभा सह अखिल भारतीय तेली महासभा के हीरालाल साह, प्रदेश महासचिव शिवानंद साह, प्रदेश सचिव कृष्णा साह, साहिबगंज नगर अध्यक्ष राजू शाह,तीनपहाड़ प्रखंड अध्यक्ष विश्वजीत मंडल आदि थे.

दुमका शहर के एक नीजी विद्यालय से दो छात्रा लापता, पुलिस कर रही है तालाश

दुमका /रामजी साह
नगर थाना क्षेत्र के एक निजी स्कूल की कक्षा छह में पढ़ने वाली दो नाबालिग छात्राएं बीते सोमवार की दोपहर छुट्टी होने के बाद से लापता हैं। स्कूल की छुट्टी होने के काफी समय बाद भी जब छात्राएं घर नहीं लौटी तो परिजनों ने नगर थाना दुमका में आवेदन देकर बच्चियों को खोजने में मदद करने की गुहार लगायी है। मामले में परिजनों ने स्कूल निर्माण कार्य में लगे मजदूर साहिब सिंह पर छात्राओं को बहला फुसलाकर भगाने का आरोप लगाया है। परिजनों से सूचना मिलने के तुरंत बाद नगर थाना की पुलिस ने मौके पर पहुंचकर छानबीन शुरू कर दी है। नगर थाना प्रभारी नंद किशोर प्रसाद के नेतृत्व में पुलिस टीम मंगलवार को दोनों छात्राओं की तलाश में स्कूल और आसपास लगे सीसीटीवी को खंगालती रही। जांच में पता चला कि दोनों छात्राएं विद्यालय से बाहर आईं और उसके बाद कहीं चली गईं। पुलिस को रेलवे स्टेशन में लगे एक सीसीटीवी से पता चला है कि दोनों छात्राएं साहिब सिंह के साथ भागलपुर जाने वाली ट्रेन में चढ़ती दिखाई दीं। साहिब सिंह के मोबाइल की लोकेशन से पता चला कि बिहार के बौंसी के बाद से उसका मोबाइल बंद हो गया है।

परिजनों के अनुसार दोनों छात्राएं सोमवार सुबह घर से निकलीं, दोपहर को स्कूल की छुट्टी होने के बाद जब घर नहीं पहुंचीं तो परिजनों ने नगर थाना को सूचना दी। सीसीटीवी में दोनों छात्राएं एक साथ बाहर निकलते दिखीं और उसके बाद घर जाने की बजाय अंबेडकर चौक की ओर चली गईं।
पुलिस ने इस मार्ग में लगे सीसीटीवी को देखा, लेकिन पता नहीं चला। एक छात्रा के परिजनों ने पुलिस को बताया कि स्कूल परिसर में भवन निर्माण कार्य में लगे एक मजदूर साहिब सिंह से उसकी दोस्ती थी। घरवालों ने शक जाहिर किया कि साहिब सिंह ही बहला फुसलाकर कहीं ले गया है।
पुलिस दोनों छात्राओं की तलाश कर रही थी, इसी बीच जानकारी मिली कि दोनों को रेलवे स्टेशन पर देखा गया है। इसके बाद थाना प्रभारी स्टेशन गए और जीआरपी की मदद से स्टेशन में लगे सीसीटीवी को खंगाला। सीसीटीवी में दोनों छात्राओं को सोमवार दोपहर 1.20 बजे भागलपुर के रास्ते पटना जाने वाली ट्रेन में चढ़ते देखा गया। पुलिस ने साहिब सिंह के मोबाइल नंबर पर संपर्क किया तो उसका मोबाइल बंद था। पुलिस जीआरपी की मदद से दोनों छात्राओं की बरामदगी का प्रयास कर रही है।
मामले में थाना प्रभारी ने बताया कि प्राथमिक जांच में पता चला कि छुट्टी होने के बाद दोनों कहीं चली गईं। सीसीटीवी फुटेज से पता चल रहा है कि दोनों को ट्रेन से भागलपुर की ओर ले जाया गया है। दोनों की तलाश की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

गिरिडीहः निर्दोष कार्यकर्ताओं पर दर्ज मुकदमों की वापसी को लेकर कीजपा का आक्रोश मार्च

गिरिडीह, प्रतिनिधि। गिरिडीह में मंगलवार को किसान जनता पार्टी (कीजपा) के बैनर तले झंडा मैदान में एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें निर्दोष कार्यकर्ताओं पर दर्ज झूठे मुकदमों की वापसी की मांग उठाई गई। इसके बाद सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ताओं ने शहर में आक्रोश मार्च निकाला, जो पपरवाटांड़ स्थित एसपी कार्यालय तक पहुंचा। वहां पुलिस अधीक्षक के नाम ज्ञापन सौंपा गया। बताया गया कि कीजपा कार्यकर्ता 10 अप्रैल से तीसरी अंचल कार्यालय में प्रमाणित प्रति की मांग को लेकर शांतिपूर्ण धरना दे रहे थे, लेकिन 28 अप्रैल को उन पर सुनियोजित साजिश के तहत हमला कराया गया और झूठे मुकदमे दर्ज किए गए। कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि न्याय नहीं मिला तो वे 7 मई को अंबेडकर चौक पर शांतिपूर्ण धरना देंगे।

रिम्स निदेशक को हटाने का फैसला राज्य सरकार ने लिया वापस

संवाददाता द्वारा

रांची: राज्य के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल राजेंद्र इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज यानी रिम्स के निदेशक को डॉ. राजकुमार को बड़ी राहत मिली है. उनको निदेशक के पद से हटाने के बाबत 17 अप्रैल को जारी आदेश को राज्य सरकार ने वापस ले लिया है. हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से कोर्ट को यह जानकारी दी गई है. इस आधार पर हाईकोर्ट ने रिम्स निदेशक डॉ. राजकुमार की याचिका को निष्पादित कर दिया है. यह जानकारी हाईकोर्ट के अधिवक्ता धीरज कुमार ने दी है. दरअसल, 17 अप्रैल को स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी की ओर से डॉ. राजकुमार को रिम्स के निदेशक के पद से हटाने के लिए पत्र जारी किया गया था. राज्य सरकार के इस आदेश को निदेशक ने हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए इसे नेचुरल जस्टिस के नियमों का उल्लंघन बताया था. उनकी याचिका पर 29 अप्रैल को सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट के जस्टिस दीपक रौशन की अदालत ने निदेशक के पद से हटाने के आदेश को स्थगित कर दिया था. साथ ही कोर्ट ने इस मामले में राज्य सरकार को शपथ पत्र के जरिए अपना पक्ष रखने के लिए कहा था.

स्वास्थ्य मंत्री सह रिम्स शासी परिषद के अध्यक्ष डॉ. इरफान अंसारी ने रिम्स निदेशक डॉ. राजकुमार को तत्काल प्रभाव से निदेशक पद से हटाने से जुड़ा पत्र जारी कर दिया था. उन्होंने प्रशासनिक अक्षमता का हवाला देते हुए पद से हटाने का आदेश जारी किया था. उनकी दलील थी कि निदेशक के पद पर रहने के बावजूद उन्होंने कैबिनेट, शासी परिषद और विभाग के स्तर पर लोकहित में लिए गए निर्णय और निर्देशों का पालन नहीं किया था. ऐसे में रिम्स अधिनियम, 2002 द्वारा निर्धारित उद्देश्यों को पूर्ण करने में डॉ. राजकुमार की सेवा संतोषजनक नहीं पायी गई . इसलिए रिम्स नियमावली 2002 के नियम-9 (1द्ब) का हवाला देकर लोकहित में डॉ. राजकुमार को तीन महीने का वेतन और भत्ता देते हुए तत्काल प्रभाव से निदेशक के पद से हटा दिया गया था. इस निर्णय पर मुख्यमंत्री का अनुमोदन प्राप्त होने की बात भी कही गई थी

पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की बैठकःअमित शाह एक दिन पहले रांची आएंगे, साहेबगंज को पारादीप पोर्ट जोड़ने पर जोर

रांची। 10 मई को रांची में होनेवाली पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की बैठक कई मामलों में काफी महत्वपूर्ण होगी। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में होनेवाली इस बैठक में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन काफी दिनों बाद आमने-सामने होंगे। राजनीतिक मंचों पर एक दूसरे के विरुद्ध आग उगलते रहनेवाले इन दोनों नेताओं के बयान और व्यवहार काफी कुछ कह जाएंगे। इसके अलावा डीजीपी के रूप में अनुराग गुप्ता के बैठक में बैठने पर भी सबकी नजर रहेगी। वैसे इस बैठक में पश्चिम बंगाल, उड़ीसा और बिहार के भी मुख्यमंत्री शामिल होंगे। हालांकि अभी तक राज्य सरकार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, बिहार के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के आने का कन्फर्मेशन मिला है। अमित शाह नौ मई की शाम ही रांची पहुंच जाएंगे। उस दिन वह पार्टी नेताओं के साथ अपने होटल में बैठक भी करेंगे।

इधर जानकारी के अनुसार झारखंड सरकार ने पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की बैठक में राज्य के मुद्दों को लिपिबद्ध करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। अब तक की जानकारी के अनुसार इस बैठक में झारखंड फिर से कोयला कंपनियों के यहां बकाये 1.36 लाख करोड़ की मांग दुहराएगा। इसके अलावा साहेबगंज पोर्ट से उड़ीसा के पारादीप पोर्ट के बीच बेहतर रोड कनेक्टिविटी की मांग करेगा। इसके अलावा स्वर्ण रेखा परियोजना का भी मुद्दा उठेगा। उसे पूरा करने के अलावा इस परियोजना से झारखंड को अब तक नहीं मिल रही अपेक्षित लाभ पर बात होगी। इससे पश्चिम बंगाल और उड़ीसा के साथ जुड़ाव व उसमें आनेवाली बाधाओं की भी चर्चा होगी।

गिरिडीह नगर भवन में चौकीदार के रिक्त पदों पर नियुक्ति हेतु चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम आयोजित किया

- चौकीदार नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में कुल 339 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिया गया, जिसमें महिला अभ्यर्थी 42 तथा पुरुष अभ्यर्थी 297 है
- सरकार युवाओं के सपने को साकार करने के लिए प्रयत्नशील है, नवनियुक्त चौकीदार सेवा भाव से कार्य करें : सुदिव्य कुमार
- नौकरी पाकर युवाओं के चेहरे खिल उठें, उत्साहित युवाओं ने राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया

गिरिडीह, प्रतिनिधि। गिरिडीह नगर भवन में चौकीदार के रिक्त पदों पर नियुक्ति हेतु चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। मौके पर उपस्थित मुख्य अतिथि मंत्री नगर एवं आवास विभाग, उच्च तकनीकी एवं शिक्षा विभाग, पर्यटन तथा खेलकूद विभाग, झारखंड सरकार सुदिव्य कुमार, बगोदर विधायक नागेंद्र महतो, जमुआ विधायक डॉ मंजू कुमारी, डुमरी विधायक जयराम महतो, उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा, पुलिस अधीक्षक डॉ बिमल कुमार, जिला परिषद् अध्यक्ष मुनिया देवी के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया। मौके पर उप विकास आयुक्त, सदर अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी

खोरीमहुआ, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, प्रभारी पदाधिकारी, सामान्य शाखा समेत सामान्य शाखा के अधिकारी व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। इसके बाद नवनियुक्त चौकीदारों के बीच नियुक्ति पत्र का वितरण किया गया। कार्यक्रम में नोडल पदाधिकारी ने बताया कि गिरिडीह जिला में चौकीदार का कुल स्वीकृत पद 389 है। जिसमें विज्ञापन के विरुद्ध कुल 12854 आवेदन प्राप्त हुए। जिसके लिखित परीक्षा में शामिल 8126 अभ्यर्थियों में से 1664 अभ्यर्थी सफल घोषित किए गए। जिसका परीक्षाफल जिला के वेबसाइट पर प्रकाशित किया गया है। इसके अलावा लिखित परीक्षा में सफल 1664 अभ्यर्थी शारीरिक परीक्षा/दौड़ में शामिल हुए। इसके विरुद्ध 385 अभ्यर्थी सफल हुए। इसके पश्चात सभी मामलों के समीक्षोपरांत जिला स्तरीय नियुक्ति समिति के द्वारा अनुशंसित कल 339 अभ्यर्थियों की नियुक्ति हेतु सूचना जिला के वेबसाईट पर दिनांक 02.05.25 को प्रकाशित किया गया। जिसमें अनारक्षित कोटि में 210, अनुसूचित जनजाति में 59, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग कोटि में 29, अत्यन्त पिछड़ा वर्ग कोटि में 25 तथा पिछड़ा वर्ग कोटि में 16 अभ्यर्थी थे। स्थानीय नगर भवन में आयोजित चौकीदार नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में नियुक्ति पत्र मिलते हैं युवाओं के चेहरे खिल उठें, उत्साहित युवाओं ने एक स्वर में राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया और बताया कि हम सभी का मेहनत रंग लाया और आज से हम लोगों की जिंदगी की एक नई शुरुआत हो रही है। मौके पर मंत्री सुदिव्य कुमार ने युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपते हुए बधाई दी तथा कहा कि अपने कर्तव्यों का निर्वहन ईमानदारी पूर्वक एवं सेवा भाव के साथ करें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार युवाओं को आगे बढ़ाने और आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं ला रही हैं, साथ ही साथ विभिन्न विभागों में नियुक्ति करने जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार युवाओं के सपने को साकार करने के लिए प्रयत्नशील है। सरकार द्वारा किए जा रहे इस नियुक्ति से ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाली उस परिवार की पीढ़ी मजबूत होगी। उन्होने अपील किया कि जो भी दायित्व आप सभी को आगे मिलेगा उसका कर्तव्यनिष्ठा से निर्वहन करें। सरकार ग्राउंड स्तर पर प्रशासन को सक्रिय करने का प्रयास कर रही है। महिलाओं, गरीबों, बेरोजगारों, युवाओं को सशक्त करने का कार्य किया जा रहा है।संवेदनशीलता के साथ सरकार राज्य को आगे बढ़ाने का काम कर रही है। उन्होने सभी जिलावासियों से अपील किया कि अपने बच्चों को नियमित स्कूल भेजें और शिक्षित बनायें, शिक्षा से ही समाज में बदलाव संभव है। युवाओं से अपील किया कि राज्य, समाज के प्रति जवाबदेह बनें। सरकार राज्य के सभी वर्गों के लिए कृत्संकल्पित होकर कार्य कर रही है, ग्राम पंचायत व प्रखंड स्तर पर मूलभूत सुविधाओं को विकसित किया जा रहा है।

जिला पर्यटन संवर्धन समिति की बैठक संपन्न

- अधिसूचित पर्यटक स्थलों पर बहाल की जाने वाली मूलभूत सुविधाओं पर हुआ विचार- विमर्श
- जिले के अधिसूचित पर्यटन स्थल को नियमानुसार अपग्रेड करने पर विचार-विमर्श
- लंबित कार्यों को जल्द से जल्द पूर्ण करने का दिया गया निर्देश
- विभिन्न पर्यटक स्थलों को अधिसूचित कराने पर भी हुई चर्चा, जिला स्तर से प्रस्ताव अनुमोदन के पश्चात विभाग को भेजने का निर्देश

गिरिडीह, प्रतिनिधि। गिरिडीह उपायुक्त सह अध्यक्ष जिला पर्यटन संवर्धन परिषद गिरिडीह नमन प्रियेश लकड़ा की अध्यक्षता में जिला पर्यटन संवर्धन परिषद (समिति) के शासी निकाय की बैठक की गई। जिसमें अधिसूचित पर्यटन स्थलों के विकास हेतु योजनाओं का चयन एवं क्रियान्वित का समीक्षा तथा नए पर्यटन स्थलों का चयन से संबंधित समीक्षा कर कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। उक्त बैठक में जिला खेल पदाधिकारी अर्जुन बारला ने बताया कि गिरिडीह जिला में विभिन्न श्रेणी में कुल 43 पर्यटक स्थल अधिसूचित है। सभी अधिसूचित पर्यटन स्थलों पर मुलभूत सुविधाएँ यथा- साइनेज, डस्टबिन, सीटिंग बेंच एंड × ड्रिंकिंग वाटर अधिष्ठान, गिरिडीह जिले के विभिन्न अधिसूचित

पर्यटन स्थलों पर आवश्यकतानुसार सोलर लाईट की व्यवस्था/अधिष्ठापन समेत अन्य से संबंधित प्रस्ताव को क्रम वार समिति के समक्ष रखा गया, जिसपर सर्वसम्मति से विचार विमर्श करते हुए निर्णय लिया गया। जिलान्तर्गत विभिन्न मदों/विभागों से चल रहे विकास कार्यों की भी समीक्षा की गई एवं कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। गिरिडीह जिले के लोकसभा क्षेत्र के संसद के जनप्रतिनिधि, सभी विधानसभा क्षेत्र के माननीय विधायक एवं जनप्रतिनिधियों, जिला परिषद् सदस्य के द्वारा अपने क्षेत्र अंतर्गत नये पर्यटन स्थल को अधिसूचित करने के संबंध में विचार विमर्श करते हुए सर्वसम्मति से प्रस्ताव को जिला स्तर से अनुमोदित कराते हुए विभाग को भेजने का निर्णय लिया गया। साथ ही जमुआ प्रखंड अंतर्गत डी श्रेणी में अधिसूचित पर्यटन स्थल लंगटाबाबा समाधी स्थल को सी श्रेणी अपग्रेड करने का प्रस्ताव दिया गया, जिससे जिले के पर्यटकस्थलों का विकास किया जा सके। उक्त बैठक में डुमरी विधानसभा क्षेत्र के विधायक जयराम महतो, बगोदर विधानसभा क्षेत्र के विधायक नागेंद्र महतो , जमुआ विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉ मंजू देवी, वन प्रमंडल पदाधिकारी गिरिडीह, सभी अनुमंडल पदाधिकारी , कार्यपालक अभियंता, एन आर ई पी, कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, कार्यपालक अभियंता, भवन प्रमंडल, सभी संबंधित जिला पर्यटन संवर्धन परिषद के सदस्य, जिला खेल कार्यालय से जिला पर्यटन विशेषज्ञ एवं सभी कर्मचारी समेत अन्य संबंधित उपस्थित थे।

प्रखंड सभागार में बीडीओ कमलेंद्र सिन्हा की अध्यक्षता में साप्ताहिक जनता दरबार आयोजित प्रशासन को जनता का मिला 72 आवेदन 61 आवेदन का आन स्पाट निष्पादन

रामगढ़ /रामजी साह।

रामगढ़ प्रखंड सभागार में मंगलवार को बीडीओ कमरेंद्र कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में साप्ताहिक जनता का आयोजन किया गया। बीडीओ कमलेंद्र सिन्हा व सीओ प्रदीप कुमार महतो ने आमजनों की समस्या को सुना।जनता दरबार में प्रशासन को कुल 72 आवेदन पत्र प्राप्त हुआ।जिसमें सर्वजन पैंशन योजना में 08 ,मईया सम्मान योजना में 07, जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र में03 समेत 72 आवेदन पत्र शामिल हैं।जिसमें 61 आवेदन का ऑन स्पॉट निष्पादन किया गया। मौके पर वीडियो कमलेंद्र कुमार सिंह का प्रदीप कुमार महतो प्रखंड कल्याण पदाधिकारी आशिष रंजन नोडल पदाधिकारी आनंद कुमार तथा बृजेश कुमार समेत कई लोग मौके पर मौजूद थे।

एक युवक ने एक युवती की गोली मारकर कर दी हत्या

मांडर। थाना क्षेत्र के ब्राम्बे चौक के निकट सोमवार की देर रात एक युवक ने गोली मारकर एक युवती की हत्या कर दी। मृत लड़की की पहचान उन्नीस वर्षीय अमिता खलखो, निवासी चान्हो थाना क्षेत्र के कमाती गांव की थी वहीं दूसरी ओर गोली मारने का आरोपी दीपक यादव रातू थाना क्षेत्र के काटूलहना गांव का है और मृतका के जीजा का काफ़ी करीबी दोस्त बताया जाता है। हत्या का आरोपी देर शाम तक पुलिस की पकड़ से बाहर था, पुलिस उसकी गिरफ्तारी के प्रयास में छापेमारी कर रही थी। अमिता खलखो ब्राम्बे स्थित अपने जीजा आकाश दीप कुजूर के घर सोमवार को आई थी, उसके जीजा के घर के बगल में ही एक शादी की पार्टी थी जहां से वह पार्टी में शामिल होने के बाद घर पर आकर लेट गई थी। इसी बीच दीपक यादव कमरे में घुसा और उसे गोली मार दी। घर वालों ने बताया कि आवाज सुनकर उन्हें लगा की पार्टी में आए लोग बम फोड़ रहे हैं पर जब वे लोग रूम में पहुंचे तो देखा की अमिता के सर से खून बह रहा है तब उन्हें घटना के विषय में पता चला। परिजन रात में ही उसे लेकर रिम्स चले गए जहां इलाज के दौरान मंगलवार की सुबह अमिता ने दम तोड़ दिया। चिकित्सकों के अनुसार गोली उसके सिर में ही फंसी हुई थी। बताया जाता है कि दीपक यादव ने ब्राम्बे चौक और गोली मारने से पूर्व लड़की के घर के बाहर भी हवाई फायरिंग की थी। इसके बाद उसने अमिता को आँख के निचे गोली मार दी। आसपास के लोगों के अनुसार गोली मारने के बाद उसने अपनी पल्सर बाइक को वहीं छोड़ा और फरार हो गया। बताया जाता है कि दीपक काफी दिनों से ब्राम्बे चौक स्थित एक बीज दुकान में काम किया करता था।

उपायुक्त के निर्देशानुसार फूड सेफ्टी ऑफिसर ने कई खाद्य प्रतिष्ठानों में जांच अभियान चलाया

आदिवासी एक्सप्रेस

हजारीबाग। उपायुक्त नैंसी सहाय एवं एसीएमओ डॉ शशि जायसवाल के निर्देशानुसार खाद्य प्रतिष्ठानों में नियमित जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में आज मंगलवार 6 मई को खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी प्रकाश चंद्र गुग्गी के द्वारा मेसर्स क्वालिटी रिजॉर्ट, न्यू एरिया, मेसर्स गैकर्स फूड्स प्राइवेट लिमिटेड, कल्लू चौक, मेसर्स राजू ट्रेडर्स, कल्लू चौक और मेसर्स महादेव बिल्डिंग मटेरियल सेंटर (पैकेज्ड ड्रिंकिंग वॉटर प्लांट) का निरीक्षण किया गया।

इस दौरान सभी प्रतिष्ठानों में परिसर

की साफ-सफाई और स्वच्छता बनाए रखने, खाद्य संचालकों का मेडिकल फिटनेस बनाए रखने, कीट नियंत्रण प्रबंधन प्रणाली को बनाए रखने के साथ-साथ परिसर में व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखने का निर्देश दिया गया।

जांच के क्रम में पाया गया कि मेसर्स राजू ट्रेडर्स और मेसर्स महादेव बिल्डिंग मटेरियल सेंटर (पैकेज्ड ड्रिंकिंग वॉटर प्लांट) का लाइसेंस प्रदर्शित नहीं किया गया है,जिसे एक सप्ताह के अंदर लाइसेंस अद्यतन कर प्रदर्शित करने का निर्देश दिया गया।

साथ ही मुख्यमंत्री दाल वितरण योजना का भी निरीक्षण किया गया। खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी द्वारा लगातार अभियान चला कर किसी भी प्रकार के मिलावट या खाद्य सुरक्षा से संबंधित अपराध को रोकने के लिए कार्रवाई की जा रही है।

लातेहार में घूस लेते हुए राजस्व कर्मचारी गिरफ्तार, एक अन्य भी हिरासत में

क्राइम संवाददाता द्वारा

लातेहार। पलामू एसीबी की टीम ने मंगलवार को 10 हजार रुपए घूस लेते राजस्व कर्मचारी सुशील कुमार को गिरफ्तार कर लिया है. गिरफ्तार आरोपी राजस्व कर्मचारी जमीन के म्यूटेशन के नाम पर पैसे मांग रहा था. एसीबी की टीम ने आरोपी को अंचल कार्यालय के पास से ही गिरफ्तार किया है. हालांकि टीम ने एक अन्य राजस्व कर्मचारी को भी पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है. दरअसल, लातेहार के एक सूचक के द्वारा एसीबी के पास शिकायत दर्ज कराई थी कि राजस्व कर्मचारी के द्वारा जमीन म्यूटेशन के लिए रिश्वत की मांग की जा रही है. सूचक के आवेदन के बाद एसीबी की टीम के द्वारा मामले की तहकीकात की गई. जब शिकायत को सही पाया गया तो मंगलवार को आरोपी कर्मचारी को गिरफ्तार करने

की योजना बनाई गई.

सूचक को पैसे देकर राजस्व कर्मचारी के पास भेजा गया. राजस्व कर्मचारी के द्वारा सूचक को पैसे लेकर बुलाया गया. सूचक ने जैसे ही आरोपी राजस्व कर्मचारियों को पैसे दिए, वैसे ही एसीबी की टीम ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया. इस दौरान वहां एक अन्य राजस्व कर्मचारी भी उपस्थित थे. एसीबी की टीम ने उन्हें भी पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया. एसपी अंजनी अंजन ने बताया कि राजस्व कर्मचारी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजने की कार्रवाई की जा रही है.

इधर, एसीबी की टीम के द्वारा एक साथ दो राजस्व कर्मचारियों को रिश्वत लेते पकड़े जाने की घटना के बाद हड़कंप मच गया. जिस समय आरोपियों की गिरफ्तारी हुई, उस समय बड़ी संख्या में ग्रामीण वहां मौजूद थे. एसीबी की टीम भी आम लोगों की तरह ही कार्यालय के आसपास घूम रही थी.

थोड़ी देर में जैसे ही निगरानी की टीम ने आरोपियों को गिरफ्तार किया, वैसे ही कार्यालय परिसर में हड़कंप मच गया. हालांकि निगरानी की टीम के द्वारा स्थानीय पुलिस को भी घटना के बाद बुला लिया गया था ताकि किसी प्रकार का कोई हंगामा न हो. इसके बाद आरोपियों की छानबीन की गई और निगरानी की टीम उन्हें अपने साथ गिरफ्तार कर पलामू ले गई.

एसीबी एसपी अंजनी अंजन ने कहा कि रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. उन्होंने आम लोगों से भी अपील की है कि यदि कोई भी सरकारी कर्मी काम के बदले रिश्वत मांगे तो इसकी शिकायत एसीबी की टीम से करें.

रिश्वत मांगने वाले लोगों को गिरफ्तार कर जेल की सलाखों में भेजा जाएगा. उन्होंने कहा कि जनता बिना किसी संकोच के अपनी शिकायत एसीबी के समक्ष करें. जनता की शिकायत पर अनिवार्य रूप से कार्रवाई होगी.

संक्षिप्त समाचार

बुरहानपुर: ऑटो चालक का बेटा बना 12वीं का जिला टॉपर, जेईई मेन्स में भी हासिल की सफलता

बुरहानपुर। मध्य प्रदेश के बुरहानपुर जिले में सुभाष उत्कर्ष विद्यालय के छात्र हर्ष राजपूत ने कठिन परिस्थितियों में पढ़ाई कर 12वीं में साइंस फैकल्टी की मेरिट लिस्ट में पहला स्थान हासिल कर इतिहास रच दिया। एक ऑटो चालक के बेटे हर्ष ने अपनी मेहनत और लगन से न केवल जिले में टॉप किया, बल्कि प्रतिष्ठित जेईई मेन्स परीक्षा भी उत्तीर्ण की। उनकी इस उपलब्धि ने परिवार और परिचितों को गौरवान्वित किया है और विपरीत हालात में सपनों को सच करने की प्रेरणा दी है। हर्ष ने 2025 की माध्यमिक शिक्षा मंडल की 12वीं कक्षा की गणित संकाय की परीक्षा में 96.2 प्रतिशत अंक हासिल किए। उन्होंने अपनी सफलता का मंत्र साझा करते हुए कहा, मैंने लर्न, रिवीजन और प्रैक्टिस के नियम का पालन किया और निरंतर मेहनत की। सफलता अपने-आप मिली। हर्ष ने बताया कि उनके पिता ऑटो चालक हैं, जबकि मां जिनाबाद में सरकारी स्कूल में केमिस्ट्री की शिक्षिका हैं। उनका सपना कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग करने के बाद सिविल सर्विस में जाकर देश की सेवा करना है। हर्ष ने कहा, पिता की मेहनत और मां की दुआओं ने मुझे इस मुकाम तक पहुंचाया।

पांच साल से लापता मां-बेटी जोधपुर में मिलीं, ओटीपी के सुराग ने पुलिस को दिलाई कामयाबी

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-49 थाना से करीब पांच साल पहले लापता हुई मां-बेटी को आखिरकार पुलिस ने राजस्थान के जोधपुर से सकुशल बरामद कर लिया है। यह सफलता उस वक्त मिली, जब बच्ची के पिता के मोबाइल पर अचानक आधार कार्ड से जुड़ा ओटीपी आने लगा। पुलिस के अनुसार, 2020 में एक महिला अपनी छोटी बेटी के साथ रहस्यमयी परिस्थितियों में लापता हो गई थी। परिजनों की शिकायत पर थाना सेक्टर-49 में गुमशुदगी का मामला दर्ज किया गया। कई महीनों तक तलाश के बावजूद जब कोई सुराग नहीं मिला, तो पुलिस ने 6 नवंबर 2022 को इस केस में 'फाइनल रिपोर्ट' (एफआर) लगाकर इसे बंद कर दिया। इसी बीच दिल्ली में एक बच्ची का अज्ञात शव मिला, जिसकी शक्ल लापता बच्ची से काफी मिलती थी। कद-काठी भी एक जैसी थी। शक के आधार पर पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया और बिसरा संरक्षित कर जांच की, लेकिन डीएनए या अन्य पुष्टि न हो पाने के कारण 17 नवंबर 2022 को दोबारा एफआर लगाकर केस को पूरी तरह बंद कर दिया गया। इसके बाद 23 अप्रैल को इस मामले में चौंकाने वाला मोड़ आया, जब बच्ची के पिता के मोबाइल पर बार-बार ओटीपी आने लगे। ये ओटीपी आधार कार्ड में मोबाइल नंबर अपडेट कराने के लिए थे। पिता का नंबर पहले से बेटी के आधार कार्ड से जुड़ा हुआ था, उन्हें शक हुआ और उन्होंने तुरंत थाना सेक्टर-49 पुलिस को इसकी सूचना दी।
पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आधार से जुड़े डाटा और संबंधित एजेंसी से संपर्क किया। जिस नंबर से ओटीपी के लिए रिक्वेस्ट की गई थी, उसे सर्विलांस पर डाला गया। लोकेशन ट्रेस करते हुए पता चला कि यह नंबर राजस्थान के जोधपुर के देवनगर इलाके में सक्रिय है। एक विशेष टीम गठित कर पुलिस ने जोधपुर में दबिश दी और 2 मई को मां-बेटी को बरामद कर लिया।

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी अभियान योजना के तहत गौतमबुद्ध नगर के युवाओं को मिलेगा 5 लाख तक का बिना ब्याज का ऋण

गौतमबुद्ध नगर। उत्तर प्रदेश सरकार युवाओं के लिए स्वरोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी अभियान योजना के तहत युवाओं को 5 लाख रुपए तक का ऋण बिना ब्याज और बिना किसी गारंटी के प्रदान किया जा रहा है। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी अभियान योजना का उद्देश्य 21 से 40 वर्ष की आयु वाले युवक-युवतियों को आत्मनिर्भर बनाना और उन्हें अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए प्रेरित करना है। उपायुक्त उद्योग अनिल कुमार ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को सरकारी सहायता प्रदान की जाएगी ताकि वे स्वरोजगार स्थापित कर सकें और अपने परिवार के साथ समाज की आर्थिक उन्नति में योगदान दे सकें। उन्होंने बताया, योजना के तहत आवेदन प्रक्रिया को आसान और सुगम बनाने के लिए 7 मई को सुबह 11 बजे से केनरा बैंक, ग्राम ग्रेटर नोएडा के चिटहैरा में विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर में भाग लेने के इच्छुक युवा अपने आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित होकर योजना में आवेदन कर सकते हैं। आवश्यक दस्तावेजों में आधार कार्ड, पैन कार्ड, शैक्षिक योग्यता प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र (यदि लागू हो), बैंक पासबुक की प्रति और पासपोर्ट साइज फोटो शामिल हैं। स्वरोजगार को बढ़ाने में योजना की विशेष भूमिका के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा, यह योजना विशेष रूप से उन युवाओं के लिए लाभकारी सिद्ध हो सकती है, जो रोजगार की तलाश में हैं, लेकिन पूंजी की कमी के कारण अपने व्यवसाय की शुरुआत नहीं कर पा रहे हैं। इस योजना से न केवल बेरोजगारी दर में कमी आएगी, बल्कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में स्वरोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। उन्होंने कहा, सरकार की इस पहल से जुड़कर युवा अपने भविष्य को सुरक्षित बना सकते हैं और समाज में एक प्रेरणास्रोत की भूमिका निभा सकते हैं। इच्छुक उम्मीदवारों से आग्रह किया गया है कि वे समय पर शिविर में पहुंचे और योजना का लाभ उठाएं।

जाति जनगणना के फैसले पर खुशी जाहिर करते हुए भाजपा नेताओं ने दिल्ली में पीएम मोदी के पोस्टर का दूध से अभिषेक किया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय कैबिनेट ने देश में जाति जनगणना कराने का फैसला लिया है। दिल्ली भारतीय जनता पार्टी के ओबीसी मोर्चा के अध्यक्ष सुनील यादव ने मंगलवार को कनॉट प्लेस पर प्रधानमंत्री के पोस्टर का दूध से अभिषेक किया और उन्हें धन्यवाद दिया। कनॉट प्लेस पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने लोगों में मिठाइयां बांटीं और पीएम मोदी के पोस्टर पर दुग्धाभिषेक और पुष्पांजलि अर्पण किया। इस दौरान सरकार के पक्ष में नारेबाजी भी हुई। भाजपा दिल्ली ओबीसी मोर्चा के अध्यक्ष सुनील यादव ने जाति जनगणना कराने वाले फैसले के लिए केंद्रीय कैबिनेट और प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद दिया। सुनील यादव ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए कहा, बहुत ही ऐतिहासिक दिन है। पीएम मोदी ने देश में जाति जनगणना कराने का जो फैसला लिया है, वह समाज के लिए बहुत ही अच्छा निर्णय है। अंग्रेजों के शासन के समय से जाति जनगणना कराने का फैसला हुआ था और उस समय हर 10 साल में इसे कराने का निर्णय लिया गया, क्योंकि 10 साल में कई चीजें बदलती रहती हैं। जाति जनगणना को समाज के लिए फायदेमंद बताते हुए उन्होंने कहा, हिंदू बाहुल्य देश में कई तरह की जातियां हैं। सभी की अलग-अलग मांगें और जरूरतें हैं। पंडित दीनदयाल उपाध्याय कहते थे कि जब तक समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति का विकास नहीं हो सकता, तब तक देश विकास नहीं कर सकता। इसी क्षेत्र में पीएम मोदी काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, पीएम मोदी सबका साथ, सबका विकास को ध्यान में रखकर काम कर रहे हैं। समाज में मौजूद विभिन्न जातियों की समस्याएं क्या हैं? उन्हें आर्थिक मदद या शिक्षा में मदद या नौकरी में मदद करनी है।

अब टैक्स फ्री क्रिप्टो का ज़माना गया– क्या आप तैयार हैं?

नई दिल्ली, (आरएनएस)। पिछले कई वर्षों से विदेशी क्रिप्टो एक्सचेंज भारत में टैक्स नियमों की अनदेखी करते हुए सक्रिय रहे हैं। इनका लाभ उठाते हुए कई भारतीय ट्रेडर्स 1त्न टीडीएस और अन्य टैक्स देनदारियों से बचते रहे हैं। इन प्लेटफॉर्म्स ने ÷नो टैक्स ट्रेडिंग÷ का झांसा देकर यूज़र्स को यह यकीन दिलाया कि वे टैक्स की ज़िम्मेदारी से बच सकते हैं। लेकिन अब यह भ्रम जल्द ही टूटने वाला है। अगर आप भी अब तक यही सोचकर विदेशी एक्सचेंजों पर ट्रेड कर रहे थे कि टैक्स नहीं देना पड़ेगा, तो अब सच्चाई का सामना करने का समय आ गया है। भारत सरकार ऐसे सभी रास्तों को बंद कर रही है, जिससे टैक्स बचाना अब मुमकिन नहीं रहेगा – और ऐसा करने वालों को अब कानूनी और आर्थिक दोनों तरह की भारी कीमत चुकानी पड़ सकती है। भारत सरकार जल्द ही क्रिप्टो एसेट रिपोर्टिंग फ्रेमवर्क (सीएआरएफ) को लागू करने जा रही है, जिसके ज़रिए विदेशी एक्सचेंजों पर किए गए सभी क्रिप्टो लेन-देन टैक्स अधिकारियों की नज़र में आ जाएंगे। यानी अब यदि आपने टैक्स की जानकारी नहीं दी है, तो सिर्फ बकाया टैक्स ही नहीं, बल्कि भारी जुर्माना भी भरना पड़ेगा। दूसरी तरफ, विदेशी प्लेटफॉर्म्स के उलट भारतीय क्रिप्टो एक्सचेंज लगातार टैक्स नियमों का पालन करते आ रहे हैं – वे हर लेन-देन पर टीडीएस काटते हैं और रिपोर्टिंग के तय मानकों का पालन भी करते हैं, जिससे उपयोगकर्ताओं को नियमों के दायरे में रहकर ट्रेड करने की सुविधा मिलती है। इसके विपरीत, विदेशी एक्सचेंजों की लगातार अनदेखी ने न केवल सरकार को करोड़ों के टैक्स राजस्व से वंचित किया है, बल्कि क्रिप्टो बाजार में स्वस्थ और बराबरी की प्रतिस्पर्धा को भी नुकसान पहुंचाया है। अब जब सीएआरएफ जैसे सख्त नियम लागू होने जा रहे हैं, तो ऐसे प्लेटफॉर्म्स पर ट्रेड करने वालों को यह समझ लेना चाहिए कि टैक्स से बचने का जोखिम अब सिर्फ वित्तीय नहीं, कानूनी भी बनता जा रहा है। अब बिना रेगुलेशन वाले विदेशी क्रिप्टो ट्रेडिंग का समय खत्म हो रहा है। जो लोग अब तक यह मानकर चल रहे थे कि वे टैक्स नियमों की पकड़ में नहीं आएंगे, उन्हें अब अपनी रणनीति पर फिर से विचार करना चाहिए। जैसे-जैसे कानूनी छूट के रास्ते बंद हो रहे हैं और सीएआरएफ जैसे अंतरराष्ट्रीय ढांचे डेटा साझा करने में सक्षम हो रहे हैं, टैक्स चोरी या अनदेखी करना सीधे तौर पर कानूनी कार्रवाई की वजह बन सकता है।

इंटर टच का कदम: 'मार्कोनाइट' ब्रांड के दुरुपयोग पर कानूनी नोटिस

Marconite

नई दिल्ली, (आरएनएस)। यूके स्थित कंपनी कार्बन इंटरनेशनल लिमिटेड के भारत में अधिकृत प्रमुख वितरक इंटर टच ने देश में मार्कोनाइट ब्रांड के अवैध उपयोग के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। कंपनी ने उन फर्मों को कानूनी नोटिस भेजने शुरू कर दिए हैं जो बिना अनुमति के मार्कोनाइट नाम का उपयोग करते हुए ग्राउंडिंग सामग्री और इयरथिंग इलेक्ट्रोड्स की आपूर्ति कर रही हैं।मार्कोनाइट एक विशेष कंडक्टिव कंक्रीट है जिसका उपयोग अर्थिंग (ग्राउंडिंग) में किया जाता है, और इसका निर्माण केवल यूनाइटेड किंगडम में किया जाता है। पिछले 12 वर्षों से इंटर टच भारत में इसका प्रमुख वितरक रहा है और इस दौरान इसने एक विशिष्ट पहचान और ग्राहकों का विश्वास अर्जित किया है। कंपनी ने कहा है कि नकली उत्पादों को मार्कोनाइट के नाम पर बेचने से न केवल ट्रेडमार्क उल्लंघन होता है, बल्कि इससे बिजली प्रणालियों की सुरक्षा भी गंभीर रूप से प्रभावित हो सकती है और जान-माल का खतरा बढ़ता है। इंटर टच ने स्पष्ट किया है कि मार्कोनाइट एक पंजीकृत ट्रेडमार्क है (रजिस्ट्रेशन नंबर 4454542) और एक अन्य आवेदन (संख्या 1767422) भी प्रगति में है। कंपनी ने चेतावनी दी है कि यदि संबंधित फर्में 10 दिनों के भीतर मार्कोनाइट नाम का उपयोग बंद नहीं करतीं और अब तक हुई बिक्री व मुनाफे का ब्योरा नहीं देतीं, तो उनके खिलाफ सिविल और आपराधिक कार्रवाई की जाएगी।
अपने ब्रांड की प्रतिष्ठा और उपभोक्ता विश्वास की रक्षा के प्रति प्रतिबद्धता दोहराते हुए इंटर टच ने कहा है कि वह सभी कानूनी उपायों का सहारा लेने को तैयार है। फिलहाल, कंपनियों की तरफ से कोई जवाब नहीं आया है और अगर 10 दिन के भीतर समाधान नहीं होता है तो मामला अदालत तक जा सकता है। इंटर टच का यह कदम उन कंपनियों के लिए एक कड़ा संदेश है जो अवैध रूप से ब्रांड नाम का इस्तेमाल कर रही हैं।

बाइक बोलेरो की टक्कर में एक जख्मी

सं सू पंकज कुमार ठाकुर।
चांदन (बांका) चांदन कटोरिया मुख्य सड़क मार्ग के चांदन नदी पुल के समीप बाईक बोलेरो की टक्कर में बाइक सवार एक युवक जख्मी हो गए। जानकारी के अनुसार बब्बू कुमार तांती उम्र करीब 25 वर्ष पिता चंदू तांती सा0जमदाहा कटोरिया निवासी जरूरी कार्य से देवघर जाने के दौरान चांदन नदी पुल के समीप पहुंचते ही अनियंत्रित होकर चांदन की और से जा रही एक बोलेरो में टक्कर मार दी।जिसमें बब्बू कुमार तांती गंभीर रूप से जख्मी हो गए। घटना की सुचना पर पहुंचे चांदन थाना पुलिस ने जख्मी युवक को इलाज हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चांदन पहुंचाया। जहां ऑन ड्यूटी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ0आशिष एवं डॉ शशिकांत कुमार ने जख्मी युवक की इलाज कर घर भेज दिया।

14 दिन बीत गए, जवाब नहीं आया – पहलगाम हमले को लेकर सुप्रिया श्रीनेत का केंद्र सरकार पर हमला

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में गत 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले को लेकर कांग्रेस की प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने मंगलवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि 14 दिन बीतने के बावजूद देश को वह जवाब नहीं मिला, जो पाकिस्तान की रूह कंपा दे। आईएएनएस से बातचीत में श्रीनेत ने सरकार की चूक पर सवाल उठाए। श्रीनेत ने कहा, 14 दिन हो गए, पूरा देश आक्रोशित और उद्वेलित है। लोग ऐसा जवाब चाहते हैं कि पाकिस्तान की रूह कांप जाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी शहीद विनय नरवाल की पत्नी और शहीद शुभम द्विवेदी के परिवार से मिले। राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे कश्मीर में घायलों और स्थानीय लोगों से भी मिले। उन्होंने सर्वदलीय बैठक में हिस्सा लिया, जिसमें सरकार ने सुरक्षा चूक स्वीकार की। कांग्रेस प्रवक्ता ने सवाल उठाया, ÷2000 लोगों के बीच एक भी सुरक्षाकर्मी क्यों नहीं था? सरकार ने कहा कि मैदान खुला नहीं था, लेकिन स्थानीय लोग कहते हैं कि यह हमेशा खुला रहता है।÷ उन्होंने इंटेलिजेंस की विफलता का आरोप लगाते हुए कहा कि अखबारों में खबर थी कि हमले की आशंका की जानकारी पहले से थी।
सुप्रिया श्रीनेत ने बीजेपी पर विपक्ष के खिलाफ भद्दे और गंदे आरोप लगाने की बात कही। उन्होंने कहा, ÷विपक्ष 100 प्रतिशत सरकार के साथ है। हम पूरी मर्यादा बरत रहे हैं, लेकिन सरकार ऐसी हरकतें कर रही है, जो इस वक्त नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष के 60 साल के अनुभव का हवाला देते हुए कहा कि सरकार को विपक्ष के सुझावों को गंभीरता से लेना चाहिए और उन पर अमल करना चाहिए।
श्रीनेत ने जोर देकर कहा, ÷ऐसे समय में राजनीति बंद होनी चाहिए। देश की सुरक्षा के लिए हम पूरी तरह सरकार के साथ हैं। सरकार को जो ठीक लगे, वह सुरक्षा के लिए करे। उन्होंने सरकार से आतंकवाद के खिलाफ कड़ा जवाब देने की मांग की, ताकि शहीदों के परिवारों को न्याय मिले और देश का मनोबल ऊंचा हो।

एआईएमआईएल एनिमल हेल्थ ने 2025 में विश्व पशु चिकित्सा दिवस मनाया

- आयोजित किया राष्ट्रीय वर्चुअल ई-सीभीई कार्यक्रम
- 3,000 से अधिक प्रतिभागियों ने कार्यक्रम में भाग लिया, और डब्लूएचओ के वन हेल्थ दृष्टिकोण के तहत आयुर्वेद आधारित पशु स्वास्थ्य देखभाल पर जोर दिया

AIMIL ANIMAL HEALTH

नई दिल्ली, (आरएनएस)। एआईएमआईएल एनिमल हेल्थ ने 2025 में विश्व पशु चिकित्सा दिवस के अवसर पर एक वर्चुअल कार्यक्रम आयोजित किया। इस ऑनलाइन कार्यक्रम में भारत और विदेशों से 3,000 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें पशु चिकित्सा छात्र, चिकित्सक, शोधकर्ता, पैरावेट्स, क्षेत्रीय कर्मचारी और संबद्ध पेशेवर शामिल थे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पशु स्वास्थ्य देखभाल में समग्र और आयुर्वेद आधारित दृष्टिकोण की भूमिका पर चर्चा करना था।
कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. सुजीत कुमार दत्ता, जॉइंट कमिश्नर, राष्ट्रीय पशुधन मिशन, भारत सरकार द्वारा की गई। अपने उद्घाटन भाषण में उन्होंने समग्र पशु चिकित्सा प्रथाओं को अपनाने के महत्व पर जोर दिया और एआईएमआईएल के आयुर्वेद आधारित पशु देखभाल को बढ़ावा देने के योगदान की सराहना की। डॉ. दत्ता ने कहा, ÷इस प्रकार की पहलें युवा पेशेवरों को पशु चिकित्सा उपचार के स्थायी और समग्र मॉडल अपनाने के लिए प्रेरित करती हैं।÷
कार्यक्रम में विभिन्न पशु चिकित्सा क्षेत्रों के विशेषज्ञों द्वारा प्रस्तुतियाँ दी गईं। डॉ. नारायण दत्ता ने पोषण और पशु उत्पादकता के बीच संबंध पर चर्चा की। श्री वेणकट गोल्लापुड़ी, एआईएमआईएल के प्रोजेक्ट हेड ने कंपनी के पशु चिकित्सा अनुसंधान परियोजनाओं की जानकारी दी। डॉ. एन.के. महाजन ने मुर्गी पालन में जिगर और गुर्दे की समस्याओं पर बात की, जबकि डॉ. विकास (सीजीएस हॉस्पिटल, गुरुग्राम) ने कुत्तों की देखभाल में आयुर्वेदिक उपचार पर चर्चा की। डॉ. डैनियल मतेउटा सिरबू डैनियल (यूएई) ने विदेशी प्रजातियों के लिए समग्र देखभाल पर प्रस्तुति दी। डॉ. के. राज कुमार (रिवर, पांडिचेरी) ने साथी जानवरों की देखभाल में प्रगति के बारे में बताया, और डॉ. उज्जवल कृष्ण दे (आईभीआरआई) ने मवेशियों में मास्टाइटिस का प्रबंधन करने के दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला। अंत में, डॉ. जय कृष्ण दास (ओयूएटी, उड़ीसा) ने पशुधन प्रजनन स्वास्थ्य पर अपने विचार साझा किए।कार्यक्रम में 3,000 से अधिक प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया, जिनमें 55 प्रतिशत पशु चिकित्सा छात्र थे, और बाकी में क्षेत्रीय पशु चिकित्सक, पैरावेट्स और चिकित्सक शामिल थे। 47 पशु चिकित्सा कॉलेजों के छात्रों ने शैक्षिक गतिविधियों में भाग लिया, जिसमें एक राष्ट्रीय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, 579 प्रविष्टियाँ, 200 पोस्टर प्रस्तुतियाँ, 51 थीसिस प्रस्तुतियाँ और 89 क्लिनिकल केस अध्ययन शामिल थे। चयनित प्रविष्टियों को पुरस्कार दिए गए, और सभी प्रतिभागियों को सराहना किट प्राप्त हुई।कार्यक्रम का समन्वय डॉ. अनिल कुमार शर्मा और डॉ. टी.एस. ईस्वरी ने किया, जबकि डॉ. राजन हांडा, जनरल मैनेजर, एआईएमआईएल एनिमल हेल्थ ने धन्यवाद ज्ञापन किया। आयोजकों ने यह भी कहा कि पशु चिकित्सा स्वास्थ्य एक साझा जिम्मेदारी है और इस क्षेत्र में मजबूत सहयोग की आवश्यकता है।एआईएमआईएल एनिमल हेल्थ अपने शोध आधारित हर्बल पशु चिकित्सा उत्पादों के लिए प्रसिद्ध है, जो मुर्गी पालन, पशुधन और साथी जानवरों की देखभाल में उपयोग होते हैं। हाल ही में भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान से पशु आहार अनुपूरक का प्रौद्योगिकी हस्तांतरण हुआ है, जो पशुधन पोषण, मुर्गी आहार अनुपूरक, पालतू भोजन और जलजीव पालन के उत्पादों की रेंज को और विस्तारित करेगा।

कोलकाता के ऐतिहासिक मधुसूदन मंच पर असमिया के प्रधान उत्सव रोंगाली बिहू बड़ी उत्साह से मनाया, पूर्वोत्तर के प्रमुख कलाकार लू मजाओ को खुली बिहू में विशेष अभिनंदन

पंकज नाथ, असम
कोलकाता के प्रमुख सामाजिक और सांस्कृतिक संस्था कोलकाता असमिया सांस्कृतिक संस्था की पहल के तहत रविवार, 4 मई को कोलकाता के ऐतिहासिक मधुसूदन मंच पर असमिया के बाप्ती सहून रंगली बिहु को कोलकात रंगाली बिहू के रूप में बड़ी धुमधाम से मनाया गया। कोलकाता रंगाली बिहू के प्रारंभ में जया शील घोष के मार्गदर्शन में आयोजित बिहू नृत्य कार्यशाला में भाग लेने वाले प्रतिभागियों ने ओपन बिहू का प्रदर्शन किया। खुले बिहू के अंत में दर्शक उत्साहित थे और खुशी के साथ बिहू नृत्य में भाग लिया और सभी ने एक साथ में नृत्य किया। ओपन बिहू का प्रदर्शन करने वाले बिहू नृत्य दल को उचित नियमों के साथ मंच पर लाया गया और कोलकाता असमिया सांस्कृतिक संघ के आयोजकों के साथ-साथ एक नवविवाहित पुरुष महिला ने एक गृहस्थ के रूप में आशीर्वाद लिया। इसके बाद संस्था के अध्यक्ष डॉ. खणींद्र पाठक ने स्वागत भाषण में कोलकाता असमिया सांस्कृतिक संगठन की पहल के तहत आयोजित वर्ष के सभी कार्यक्रमों का उल्लेख किया और सभी उपस्थित लोगों से रंगली बिहू के साथ साथ अन्य कार्यक्रमों में भी भाग लेने का आग्रह किया। उल्लेखनीय है कि इस अवसर पर आमंत्रित अतिथि पूर्वोत्तर के प्रख्यात कलाकार लू मजाओ को कोलकाता असमिया सांस्कृतिक संघ की ओर से सम्मानित भी किया गया। संस्था की वार्षिक त्रिभाषी पत्रिका का उन्मूलन प्रख्यात लेखक और अनुवादक साहित्य अकादमी पुरस्कार प्राप्त डॉ. नबमालती नेयोग चक्रवर्ती ने किया। प्रसिद्ध लेखक और व्याख्याता डॉ. ज्योतिष पायेंग 2025 संस्करण पत्रिका के संपादन के प्रभारी थे। रोंगाली बिहू का मुख्य सांस्कृतिक विषय जिंजिरी ठाकुरिया द्वारा निर्देशित कुछ पुराने असमिया गीतों पर आधारित एक नृत्य कार्यक्रम के साथ शुरू होता है। इस नृत्य कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी कलाकार बंगाली भाषी हैं और इस तरह के सांस्कृतिक संघों को कोलकाता असमिया सांस्कृतिक संघ की एक अनूठी विशेषता और लक्ष्य के रूप में उद्धत किया गया । इसके बाद मुख्य बिहू दल ने कोलकाता असमिया सांस्कृतिक संघ के सदस्यों के साथ मिलकर प्रस्तुतिकरण करते हुए कोलकाता के मधुसूदन मंच को ढोल-पेपा-टका-गगना के स्वर से मुखरित कर दिया । कोलकाता में रहने वाले असमिया लोगों की बेटियों और वहां रहने वाले असमिया युवाओं के संयुक्त प्रयासों से प्राणवान कर चुके बिहू दल का प्रदर्शन सभी को रंगाली की गहन भावना में छोड़ देता है। कोलकाता रंगली बिहू का मुख्य आकर्षण प्राणदीप दास के संगीत कार्यक्रम से पहले संस्था के महासचिव इंदुकल्प सैकिया ने लोगों की काम का सराहना करते हुए कैसे केवल सीमित संख्या में लोग की अंतहीन पीड़ा, मनोबल और त्याग के परिणामस्वरूप कोलकाता में रंगाली बिहू पर 4 दिवसीय कार्यशाला से एक पारंपरिक सांस्कृतिक संध्या के आयोजन में सफल रहा है, इसके बारे में बताया। मह-प्रसाद इकट्ठा करने से लेकर, ग्राफिक्स डिजाइनिंग या मेहमानों को अपने पेशेवर जीवन से समय निकालकर पिछले तीन महीनों से कोलकाता रंगाली बिहू के आयोजन में प्रमुख भूमिका निभा रहे चंदना सैकिया, जानी गोहेन, कश्मीरी कटकी, अरियाना ओजा हटखोवा, प्रबल भट्टाचार्य, मानस बोरा, देबाश्री चंदा, प्रांजल भट्टाचार्य, उदित मेश, स्वप्निल कश्यप, संजीव बैश्य, आलोक हजारिका सहित संगठन के कार्यकारी अध्यक्ष हितेन हटखोवा के योगदान का विशेष उल्लेख किया। कोलकाता की मुख्य सांस्कृतिक संध्या रंगाली बिहू का मुख्य आकर्षण, प्राणदीप दास और उनकी टीम बाउंड मॉर्फ्स ने कोलकाता के बिहू बलिया उपस्थित सभी लोगों को सभी प्रकार के गीतों से मंत्रमुग्ध कर दिया, जिन्होंने असमिया पुराने गीतों से नृत्य का ज्वार शरीर में ला दिया। कोलकाता रंगाली बिहू का परिचालन संस्था के उपाध्यक्ष अनुज गोगोई ने सुचारू रूप से किया। कोलकाता में रहने वाले असमिया समाज के अलावा, बंगालियों और अन्य समुदायों ने इस आयोजन पर स्वतःस्फूर्त रुप से हिस्सा लेकर पूर्ण सहयोग दिया।

उत्तर प्रदेश तैयार करेगा ग्रैंड मास्टर

एजेंसी

कानपुर। उत्तर प्रदेश में शतरंज गतिविधियों को नई दिशा और गति देने के लिए राज्य की शतरंज की रेगुलेटरी संस्था यूपी चेस स्पोर्ट्स एसोसिएशन ने एक समग्र दीर्घकालिक और अल्पकालिक योजना तैयार की है। इस योजना के अंतर्गत प्रदेश के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं का अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से 'फ्यूचर ग्रैंड मास्टर सीरीज़' की शुरुआत की जा रही है। श्रृंखला के प्रथम चरण में वर्ष 2025-26 के दौरान प्रदेश के 10 जनपदों में अंतरराष्ट्रीय रेटिंग शतरंज प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। इन प्रतियोगिताओं से उदीयमान खिलाड़ियों का चयन कर उन्हें ग्रैंड मास्टर अथवा अंतरराष्ट्रीय मास्टर के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। प्रत्येक प्रतियोगिता की पुरस्कार राशि दो लाख रुपये निर्धारित की गई है, जबकि प्रविष्टि शुल्क एक हजार रुपये होगा। उत्तर प्रदेश के सभी खिलाड़ियों को प्रविष्टि शुल्क में 25 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त, यू.पी. स्टेट चैंपियनशिप (सभी आयु वर्ग एवं सीनियर वर्ग) के प्रथम पाँच स्थान प्राप्त खिलाड़ियों को 50 प्रतिशत छूट का लाभ मिलेगा। पहली प्रतियोगिता दिनांक 10 मई से 13 मई डीपीएस सीतापुर में आयोजित की जाएगी। फ्यूचर ग्रैंडमास्टर सीरीज़ के आगामी आयोजन लखनऊ, कानपुर, वाराणसी, प्रयागराज, गोरखपुर, देवरिया, बरेली, झाँसी, नोएडा, गाजियाबाद, आगरा सहित अन्य प्रमुख जिलों में भी प्रस्तावित हैं।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 की निशानेबाजी स्पर्धा में राजस्थान ने जीता स्वर्ण पदक

नई दिल्ली। डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में आयोजित खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 में 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम (यूथ) स्पर्धा में राजस्थान की टीम ने रोमांचक मुकाबले में स्वर्ण पदक जीता। आज यहां हुई निशानेबाजी स्पर्धा में राजस्थान के मयंक चौधरी और प्राची की जोड़ी ने शुरुआत से ही बढ़त बनाई। हालांकि उत्तर प्रदेश की टीम, जिसमें देव प्रताप और उर्वा चौधरी शानदार वापसी करते हुए स्कोर को बराबरी पर ला दिया। राजस्थान की टीम ने अपने खेल में निरंतरता बनाए रखते हुए मुकाबले जीत लिया और उत्तर प्रदेश को रजत पदक से संतोष करना पड़ा।वहीं दिल्ली की टीम के नियमिका राणा और हार्दिक बंसल ने हरियाणा की कनक और प्रतीक श्योकंद को हराकर कांस्य पदक अपने नाम किया।

मो शमी को मिली जान से मारने की धमकी

अमरोहा। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज़ गेंदबाज मोहम्मद शमी को ईमेल के जरिए जान से मारने की धमकी के साथ ही एक करोड़ रुपये देने की मांग की गई है। तहरीर के आधार पर साइबर सेल में मुकदमा दर्ज़ कर लिया गया है। धमकी की शिकायत के बाद अमरोहा पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीमें अलर्ट हो गई हैं। ईमेल की तकनीकी जांच के लिए साइबर विशेषज्ञों की मदद ली जा रही है। पुलिस ने मेल भेजने वाले की पहचान और लोकेशन ट्रेस करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने 'यूनीवार्ता' को बताया कि शमी के भाई हसीब अहमद ने पुलिस को आज एक तहरीर में बताया है कि शमी आईपीएल में व्यस्त है और वह शमी की ईमेल देखते रहते हैं। चार मई को ईमेल आईडी खोलने पर उसमें राजपूत सिंधर नाम की ईमेल आईडी से मोहम्मद शमी को जान से मारने, किसी 'प्रभाकरा' तथा एक करोड़ रुपये का जिक्र किया गया है। तहरीर के आधार पर प्रकरण के संबंध में साइबर थाने में रिपोर्ट दर्ज़ कर ली गई है। पुलिस मामले की विवेचना कर रही है। जल्दी ही मामले का खुलासा कर दिया जाएगा। पुलिस सूत्रों ने बताया कि मोहम्मद शमी को धमकी की शिकायत के बाद अमरोहा पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीम अलर्ट हो गई हैं। ईमेल की तकनीकी जांच के लिए साइबर विशेषज्ञों की मदद ली जा रही है। पुलिस ने मेल भेजने वाले की पहचान और लोकेशन ट्रेस करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

चोटिल वंश बेदी की जगह उर्विल पटेल सीएसके की टीम में शामिल

चेन्नई । चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने चोटिल वंश बेदी की जगह गुजरात के विकेटकीपर बल्लेबाज उर्विल पटेल को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के लिए अपनी टीम में जगह दी है। सीएसके ने उर्विल को 30 लाख रूपये के बेस प्राइस में टीम में शामिल किया है। बेदी को सीएसके ने 55 लाख रूपये में खरीदा था, लेकिन उन्हें एक भी मैच में अवसर नहीं मिला और वह अब बाएं टखने में चोट के कारण आईपीएल से बाहर हो गए हैं। उर्विल इससे पहले 2023 में गुजरात टाइटंस टीम का भी हिस्सा थे। कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ के बाहर होने के बाद सीएसके ने मिड ट्रायल के लिए आयुष म्हात्रे के साथ उर्विल को भी बुलाया था। बाद में म्हात्रे को टीम में जगह मिली। उर्विल ने 2024-25 के सैयद मुश्ताक़ अली ट्रॉफी की छह पारियों में 230 के स्ट्राइक रेट और लगभग 79 की औसत से कुल 315 रन बनाए थे, जिसमें 20 छक्के शामिल थे, जो कि इस प्रतियोगिता में सर्वाधिक था।

इंटर मिलान के खिलाफ बेंच पर रहेंगे लेवांडोव्स्की,कोच हैंसी फ्लिक ने दी जानकारी

एजेंसी

मिलान। चैंपियंस लीग सेमीफाइनल के निर्णायक मुकाबले से पहले बार्सिलोना को बड़ी राहत मिली है। स्टार स्ट्राइकर रॉबर्ट लेवांडोव्स्की पूरी तरह फिट हो चुके हैं, लेकिन कोच हैंसी फ्लिक ने साफ किया है कि वे इंटर मिलान के खिलाफ मुकाबले की शुरुआत बेंच से करेंगे। पहला लेग 3-3 की बराबरी पर खत्म हुआ था और अब दोनों टीमों के बीच अंतिम मुकाबला सैन सिरो में खेला जाएगा।

चोट से उबरकर टीम में लौटे लेवांडोव्स्की

पोलैंड के कप्तान लेवांडोव्स्की पिछले महीने सेल्टा विगो के खिलाफ मुकाबले में हैमस्ट्रिंग चोट के कारण बाहर हो गए थे और पहले लेग में नहीं खेल पाए थे। लेकिन अब वो फिट हैं और बतौर सब्स्टीट्यूट मैदान में उतरने के लिए तैयार हैं। कोच

फ्लिक ने पत्रकारों से कहा, वो हमारी उम्मीद से ज्यादा तेजी से ठीक हुए हैं और बेंच पर मौजूद रहेंगे। ज़रूरत पड़ी तो हम उन्हें उतार सकते हैं।

40 गोलों वाले स्ट्राइकर की वापसी बड़ी ताकत

लेवांडोव्स्की इस सीजन में अब तक सभी प्रतियोगिताओं में 40 गोल कर चुके हैं। ऐसे में उनकी वापसी से बार्सिलोना को जीत की उम्मीदें और बढ़ गई हैं। टीम को फाइनल में पहुंचने के लिए हर हाल में इंटर को हराना होगा। फ्लिक के कोच बनने के बाद बार्सिलोना इस सीजन में चार बड़े खिताब जीतने की दौड़ में है।

ओल्मो बोले - 'हम सब कुछ जीतना चाहते हैं'

बार्सिलोना के मिडफील्डर दानी ओल्मो ने कहा, 'मैंने सोचा था कि हम इस मुकाम तक आएंगे। हम हर खिताब जीतना चाहते हैं और हमारे पास ऐसा करने वाली टीम भी है।' ओल्मो ने यह भी कहा कि अगर इंटर की टीम लमिन यमाल पर फोकस करेगी, तो बार्सिलोना के अन्य खिलाड़ी मौके का फायदा उठाएंगे।

यमाल फिर मचाएंगे तहलका?

17 वर्षीय यमाल ने पिछले मुकाबले में इंटर की डिफेंस को काफी परेशान किया था। उन्होंने एक शानदार गोल किया और दो बार पोस्ट से भी टकराए। इंटर के कोच सिमोने इनज़ाघी ने माना कि यमाल को स्पेशल अटेंशन दी जाएगी, लेकिन ओल्मो ने कहा कि इससे बार्सिलोना की योजना नहीं बदलेगी।

फाइनल में पहुंचेगी विजेता टीम : यह मुकाबला तय करेगा कि फाइनल में म्यूनिख में कौन पहुंचेगा। वहां विजेता टीम का सामना आर्सेनल या पेरिस सेंट जर्मेन में से किसी एक से होगा।

केंद्रीय विद्यालय संगठन की 54वीं तीन दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिताओं का शुभारम्भ

एजेंसी

बाराबंकी। स्थानीय केडी सिंह बाबू स्टेडियम में केंद्रीय विद्यालय संगठन के 54वें तीन दिवसीय संभाग स्तरीय प्रतियोगिताओं का भव्य शुभारंभ हुआ। खेलकूद प्रतियोगिताओं का शुभारंभ जिलाधिकारी मुख्य अतिथि शशांक त्रिपाठी द्वारा किया गया। उद्घाटन समारोह में पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय बाराबंकी के छात्र-छात्राओं द्वारा सुंदर नृत्य एवं योग प्रदर्शन किया गया।

जिलाधिकारी ने छात्रों को खेल की भावना से खेलते हुए टीम भावना के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने का आह्वान किया। खेलकूद प्रतियोगिताओं में केंद्रीय विद्यालय संगठन के लखनऊ संभाग के विभिन्न केंद्रीय विद्यालयों की बैडमिंटन की अंडर 14 अंडर 17 तथा अंडर-19 की 19 टीमें भाग ले रही तथा क्रिकेट के अंडर 14 की 6 टीमें भाग ले रही हैं।

प्लेऑफ से बाहर होने पर बोले एसआरएच कोच विटोरी- हर बार आक्रामकता नहीं, हालात के हिसाब से खेली टीम

एजेंसी

हैदराबाद। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2025) में सनराइजर्स हैदराबाद की प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें खत्म हो गई हैं। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच बारिश के कारण रद्द हो गया, जिससे टीम टूर्नामेंट से बाहर हो गई। मैच के बाद हेड कोच डेनियल विटोरी ने टीम की बल्लेबाज़ी रणनीति और हैदराबाद की पिच को लेकर अहम बयान दिए।

आक्रामक बल्लेबाज़ी नहीं थी डिफॉल्ट रणनीतिः विटोरी

विटोरी ने साफ किया कि टीम की बल्लेबाज़ी हमेशा आक्रामक नहीं रही, बल्कि परिस्थितियों के अनुसार रणनीति बनाई गई। उन्होंने कहा, मैंने हर मैच के बाद यह नहीं कहा कि हम आक्रामक अप्रोच के पक्ष में हैं। हमने हमेशा परिस्थितियों को आंकने की बात की है। इस साल की पिचें वैसी नहीं रहीं जैसी उम्मीद थी। पिछले साल यहां हाई-स्कोरिंग मैच ज़्यादा हुए थे, लेकिन इस बार हालात अलग रहे।

पिचें रहीं तेज़ गेंदबाज़ों के मुफीदः हैदराबाद में इस सीजन अब तक छह मैच खेले गए हैं, जिनमें 11 पारियों में सिर्फ चार बार ही स्कोर 200 के पार गया। पिछले साल यह आंकड़ा 12 में से सात बार था। विटोरी ने कहा कि पिचें इस बार तेज़ गेंदबाज़ों के लिए ज़्यादा अनुकूल

रहीं।उन्होंने कहा, यहां दो पिचें थीं जहां स्कोर 250 के पार गया, लेकिन चार पिचें तेज़ गेंदबाज़ों के लिए ज़्यादा मुफीद रहीं। नई गेंद थोड़ा रुककर आ रही थी, जिससे बल्लेबाज़ी करना आसान नहीं था।

बारिश से टूटी उम्मीदें, विटोरी ने जताई निराशा

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच में हैदराबाद ने पहले गेंदबाज़ी करते हुए दिल्ली को 133/7 पर रोक दिया था। लेकिन बारिश ने टीम की जीत की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। विटोरी ने कहा, हम टूर्नामेंट में बने रहने के लिए उतरे थे और शुरुआत भी अच्छी रही। आज की परफॉर्मेंस एक कंप्लीट गेम की शुरुआत थी, लेकिन बारिश ने मौका छीन लिया। निराशा ज़रूर है, लेकिन यही क्रिकेट है।

शमी की जगह कमिंस को नई गेंद से मौका, रहा कारगर फैसला

इस मैच में मोहम्मद शमी को प्लेइंग इलेवन से बाहर किया गया और कप्तान पैट कमिंस ने नई गेंद से शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने पावरप्ले में दिल्ली के टॉप ऑर्डर को झटका दिया और 3 विकेट लेकर 19 रन दिए।

विटोरी ने कहा,शमी के लिए सीजन अब तक कठिन रहा है, लेकिन उन्होंने मेहनत में कोई कमी नहीं छोड़ी। हमने कंडीशंस को ध्यान में रखते हुए टीम संयोजन चुना। कमिंस ने नई गेंद से जो स्पेल डाला, वह शानदार था। उम्मीद है कि वो इसी लय में अगले तीन मुकाबले भी खेलेंगे।

आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के लिए वेस्टइंडीज ने घोषित की वनडे टीम, आमिर जंगू और ज्वेल एंड्रयू को मिला मौका

एजेंसी

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड ने आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। टीम में अधिकतर वही खिलाड़ी शामिल हैं जिन्होंने दिसंबर में बांग्लादेश को 3-0 से हराया था। हालांकि, आईपीएल में व्यस्त शिमरोन हेटमायर इस दौरे पर नहीं होंगे, जबकि युवा बल्लेबाज़ ज्वेल एंड्रयू की टीम में वापसी हुई है।

शाई होप संभालेंगे कप्तानी, आमिर जंगू पर रहेंगी निगाहें

टीम की कमान एक बार फिर शाई होप के हाथों में होगी। ब्रैंडन किंग और एविन लुईस के ओपनिंग करने की संभावना है, वहीं कीसी कार्टी नंबर तीन पर बल्लेबाज़ी कर सकते हैं। आमिर जंगू, जिन्होंने सेंट किट्स में अपने डेब्यू मैच में 79 गेंदों में शानदार शतक जड़ा था, इस बार नियमित स्थान पाने की उम्मीद करेंगे।

फिट होकर लौटे शमार जोसेफ और मैथ्यू फोर्ड

बांग्लादेश सीरीज से बाहर रहने वाले शमार जोसेफ और मैथ्यू फोर्ड अब पूरी तरह फिट हैं और टीम में लौट आए हैं। तेज़ गेंदबाज़ी विभाग में अल्ज़ारी जोसेफ, जेडन सील्स और

रोमारियो शेफर्ड जैसे खिलाड़ी भी शामिल हैं।

2027 वर्ल्ड कप क्वालिफिकेशन की तैयारी

वेस्टइंडीज की टीम फिलहाल आईसीसी की वनडे रैंकिंग में नौवें स्थान पर है और 2027 वर्ल्ड कप के लिए सीधे क्वालिफाई करने की कोशिश में जुटी है। आयरलैंड के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज 21 मई से डबलिन में शुरू होगी, जिसके बाद इंग्लैंड में 29 मई से तीन वनडे और फिर टी20 सीरीज खेली जाएगी। मुख्य कोच डैरेन सैमी ने कहा, बांग्लादेश और इंग्लैंड के खिलाफ जीत के बाद टीम में निरंतरता का विकास दिख रहा है। आयरलैंड और इंग्लैंड की परिस्थितियाँ चुनौतीपूर्ण होंगी, लेकिन हमारी क्रिकेट शैली और सोच वर्ल्ड कप की दिशा में आगे बढ़ रही है।

कोचिंग स्टाफ में भी बदलाव

वेस्टइंडीज ने अपने कोचिंग स्टाफ में भी बदलाव किया है। पूर्व तेज़ गेंदबाज़ रवि रामपॉल को जेम्स फ्रैंकलिन की जगह गेंदबाज़ी कोच बनाया गया है। इसके अलावा, पूर्व आयरिश ऑलराउंडर केविन ओब्रायन आयरलैंड दौरे पर सपोर्ट स्टाफ से जुड़ेंगे।

वेस्टइंडीज वनडे टीमः

शाई होप (कप्तान), ज्वेल एंड्रयू, कीसी कार्टी, रोस्टन चेज़, मैथ्यू फोर्ड, जस्टिन ग्रेव्स, आमिर जंगू, अल्ज़ारी जोसेफ, शमार जोसेफ, ब्रैंडन किंग, एविन लुईस, गुढाकेश मोटी, शेर्फेन रदरफोर्ड, जेडन सील्स, रोमारियो शेफर्ड।

आईपीएल 2025: कगिसो रबाडा अब चयन के लिए उपलब्ध, गुजरात टाइटंस ने की पुष्टि

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा एक महीने के निलंबन के बाद अब आईपीएल में वापसी के लिए तैयार हैं। गुजरात टाइटंस ने सोमवार शाम बयान जारी कर पुष्टि की कि रबाडा अब चयन के लिए पूरी तरह उपलब्ध हैं।रबाडा ने एसए 20 के दौरान एक प्रतिबंधित पदार्थ के सेवन के चलते दक्षिण अफ्रीकी डोपिंग निरोधक संस्था (एसएआईडीएस) द्वारा लगाए गए एक महीने के अस्थायी निलंबन को स्वीकार किया था। उन्होंने न केवल अपनी गलती मानी, बल्कि एक विशेष कार्यक्रम भी पूरा किया। एसएआईडीएस की जांच पूरी होने के

बाद अब वे आईपीएल के बाकी मुकाबलों के लिए चयन योग्य हैं।

विक्रम सोलंकी ने किया रबाडा का समर्थन

गुजरात टाइटंस के क्रिकेट निदेशक विक्रम सोलंकी ने रबाडा का पूरा समर्थन करते हुए कहा, यह हमारी ज़िम्मेदारी है कि हम अपने खिलाड़ियों का साथ दें, चाहे वह फॉर्म हो या व्यक्तिगत मुद्दे। रबाडा ने स्पष्ट रूप से बताया कि वे इस घटना से किसी को विचलित नहीं होने देना चाहते।÷ उन्होंने यह भी कहा कि रबाडा ने अपनी गलती से सबक सीखा है और अब पूरी तरह क्रिकेट पर फोकस कर रहे हैं।

टीम में वापसी को लेकर उत्साहित हैं रबाडा

रबाडा पहले दो मैच खेलने के बाद साउथ अफ्रीका लौट गए थे। अब वापसी के साथ, वे आईपीएल के व्यस्त अंत की ओर टाइटंस की गेंदबाजी को मजबूती देंगे। साथ ही, वे जून में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लॉर्ड्स में होने वाले वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए भी चयन के पात्र हो गए हैं।

नियमों का पालन और नया अध्याय

सोलंकी ने कहा कि रबाडा ने नियमानुसार प्रक्रिया पूरी की और अब यह मामला बंद माना जाना चाहिए। नियम सभी पर समान रूप से लागू होते हैं। रबाडा ने अपनी सजा पूरी की है और अब समय है कि वह फिर से खेल के मैदान में उतरें।

आईपीएल 2025 : सनराइजर्स हैदराबाद प्लेऑफ की दौड़ से बाहर, दिल्ली कैपिटल्स से मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ा

एजेंसी

हैदराबाद। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के प्लेऑफ की दौड़ से सनराइजर्स हैदराबाद की उम्मीदेंआधिकारिक रूप से खत्म हो गईं। हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ उसका मुकाबला लगातार बारिश और गीले मैदान के कारण पूरा नहीं हो सका। ऐसे में दोनों टीमों को एक-एक अंक देकर मुकाबला रद्द घोषित किया गया।11 मैचों में कुल 7 अंक हुए, जिससे वे अब अंक तालिका में टॉप-4 में पहुंचने की गणितीय संभावना खो चुका है। सनराइजर्स हैदराबाद इस सीजन प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने वाली तीसरी टीम बन गई है। बारिश से प्रभावित इस मैच में हालांकि पहले दिल्ली कैपिटल्स की पारी पूरी हुई। मैच में हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस की अगुवाई में गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। दिल्ली को पहले बल्लेबाजी करने का न्योता मिला और टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। सिर्फ 7.1 ओवर में दिल्ली ने अपने 5 विकेट 29 रन पर गंवा दिए। पैट कमिंस ने पहले ही ओवर में करुण नायर को बाहर की ओर जाती गेंद पर ललचाकर आउट किया। फिर अगले ओवर में फाफ डु प्लेसिस को पुल शॉट पर विकेट के पीछे कैच कराया। अभिषेक पोरेल भी कमिंस की गेंद पर फ्लिक शॉट खेलते हुए आउट हुए।

इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैम्पियनशिप का भव्य आगाज 27 मई से, खेले जाएंगे 18 मुकाबले

एजेंसी

ग्रेटर नोएडा। क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक और रोमांचक खबर है। जल्दी ही क्रिकेट की दुनिया के बड़े नाम ग्रेटर नोएडा में एक नये लीग इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैम्पियनशिप (आईएलसी) में खेलते नजर आएंगे। इस लीग की शुरुआत 27 मई से होगी, और फाइनल मुकाबला 05 जून को खेला जाएगा। इस दौरान होने वाले सभी 18 मैच ग्रेटर नोएडा के शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेले जाएंगे।

भारत की ओर से इस टूर्नामेंट में पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन और पूर्व तेज गेंदबाज प्रवीण कुमार 'भारतीय वॉरियर्स' टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे। टूर्नामेंट में कुल छह टीमें हिस्सा ले रही हैं, जो दुनिया

के छह महाद्वीपों का प्रतिनिधित्व करती हैं। अन्य टीमों में अफ्रीकन लायंस, ट्रांस टाइटंस (ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड का संयोजन), यूरो ग्लैडिएटर्स, अमेरिकन स्ट्राइकर्स, और एशियन अवेंजर्स शामिल हैं। यह चैम्पियनशिप 27 मई से शुरू होकर 18 मुकाबलों के रोमांचक सिलसिले के बाद 5 जून को फाइनल तक पहुंचेगी। सभी मैच ग्रेटर नोएडा में आयोजित होंगे और सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर लाइव प्रसारित किए जाएंगे।

इस अनूठी चैम्पियनशिप के बारे में आयोजक और एमवीपी क्रेस्ट प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक प्रदीप सांगवान ने कहा, ÷हम इस आयोजन को लेकर बेहद उत्साहित हैं।

विश्व क्रिकेट के लीजेंड्स को एक ही मंच पर लाना हमारे लिए गर्व की बात है। हम दर्शकों को एक विश्वस्तरीय क्रिकेटिंग अनुभव देने का वादा करते हैं। उन्होंने कहा कि अनुभवी खिलाड़ियों के अनुभव और प्रतिभा से सजे इस टूर्नामेंट का उद्देश्य युवा खिलाड़ियों को प्रेरित करना है।

23वीं कुमार सुरेन्द्र सिंह मेमोरियल शूटिंग चैम्पियनशिपः मप्र के खिलाड़ियों ने जीते दो पदक

एजेंसी

भोपाल। राजधानी भोपाल में 22 अप्रैल से शुरू हुई 23वीं कुमार सुरेन्द्र सिंह मेमोरियल शूटिंग चैम्पियनशिप का समापन हुआ। इस शूटिंग चैम्पियनशिप में खेल अकादमी के शूटिंग खिलाड़ियों ने दो पदक अर्जित किए। इनमें एक स्वर्ण और कांस्य पदक शामिल है। प्रतियोगिता के अंतिम दिन मप्र खेल अकादमी के शूटिंग खिलाडी चेतन सप्कल ने अपने खेल का शानदार प्रदर्शन कर पहले चरण में 279 और द्वितीय चरण में 270 अंक सहित कुल 549 अंक प्राप्त कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इसी प्रतियोगिता में खेल अकादमी के शूटिंग खिलाडी साहिल चौधरी ने भी 25मी. सेन्टर फायर पिस्टल सीनियर मेन वर्ग में शानदार प्रदर्शन कर कांस्य पदक जीता।

डीएसए अमरोहा ब्लू और डीएसए मुरादाबाद ब्लू की टीमें जीतीं

एजेंसी

मुरादाबाद। डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स एसोसिएशन मुरादाबाद के सचिव एव पूर्व रणजी खिलाड़ी विजय गुप्ता एडवोकेट ने बताया कि यूपीसीए द्वारा आईएफटीएम यूनिवर्सिटी ग्राउंड पर आयोजित अंडर-19 इंटर डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट लीग में दो मैच खेले गए। पहले मैच में डीएसए अमरोहा ब्लू ने डीएसए मुरादाबाद रेड को और दूसरे मैच में डीएसए मुरादाबाद ब्लू ने डीएसए अमरोहा रेड को हराया। पहले मैच में डी एस ए अमरोहा ब्लू ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी करते हुए निर्धारित 45 ओवर में 8 विकेट खोकर 403 रन बनाये। लक्ष्य का पीछा करते हुए डीएसए मुरादाबाद रेड 217 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। दूसरे मैच मैं डी एस ए मुरादाबाद ब्लू ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी करते हुए 284 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। लक्ष्य का पीछा करते हुए डी सी ए अमरोहा रेड 157 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। पहले मैच में यूपीसीए द्वारा मनोनीत अम्पायर जतिन्द्र सिंह और प्रियंका सिंह व स्कोरर प्रनाव दास रहे। दूसरे मैच में यूपीसीए द्वारा मनोनीत अम्पायर आयुष वत्स ओर पलक शर्मा व स्कोरर प्रगति तिवारी रहे। मैच के दोरान डीएसए सचिव विजय गुप्ता, संयुक्त सचिव नितिन गुप्ता, क्रिकेट कोच बदरूद्दीन सिद्दीक़ी, खेल निर्देशक डॉ वैभव त्रिवेदी, वित्त अधिकारी डॉ कुशल पाल सिंह, पूर्व रणजी खिलाड़ी सतीश शर्मा, नज़ाकत अली, मौहम्मद हसीन, जेपी सिंह,

मौहम्मद शाहिद व अन्य कोच मौजूद रहे। उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) के सेलेक्टर पूर्व रणजी खिलाड़ी संजीव जखमौला और सर्वेश भटनागर दोनों मैच में ओवजर्बर के रूप में मौजूद रहे और खिलाड़ियों की बारीकियाँ देखी।

भारत ने वनडे और टी20 में बरकरार रखा शीर्ष स्थान

एजेंसी

दुबई। भारत ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की जारी नवीनतम वार्षिक पुरुष रैंकिंग में सफेद गेंद प्रारूप में अपना दबदबा कायम रखते हुए वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा, लेकिन टेस्ट प्रारूप में वह एक स्थान नीचे चौथे नंबर पर खिसक गया जिसमें ऑस्ट्रेलिया शीर्ष पर काबिज है। नवीनतम रैंकिंग में मई 2024 के बाद से खेले गए सभी मैचों की दर 100 प्रतिशत और उससे पहले के दो वर्षों की 50 प्रतिशत है। वनडे विश्व कप 2023 के फाइनल में पहुंचने वाले भारत को वनडे रैंकिंग में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीतने का फायदा मिला है। इससे उसके रेटिंग अंक 122 से बढ़कर 124 हो गए हैं। चैंपियंस ट्रॉफी में उपविजेता न्यूजीलैंड ऑस्ट्रेलिया को पछाड़कर दूसरे स्थान पर आ गया है। ऑस्ट्रेलिया अब तीसरे स्थान पर है। श्रीलंका ने हाल के महीनों में घरेलू मैदान पर शानदार प्रदर्शन किया, जिसमें भारत और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला जीत भी शामिल है। इससे उसे पांच रेटिंग अंक का फायदा हुआ और वह चौथे स्थान पर पहुंच गया है। उसने पाकिस्तान (एक अंक के लाभ के साथ पांचवें) और दक्षिण अफ्रीका (चार अंक के नुकसान के साथ छठे) को पीछे छोड़ा। अफगानिस्तान चार अंकों के सुधार के बाद सातवें स्थान पर पहुंच गया जबकि पूर्व विश्व चैंपियन इंग्लैंड चार अंक खोने के बाद आठवें स्थान पर आ गया। वेस्टइंडीज पांच अंक हासिल करके नौवें स्थान पर पहुंच गया। बांग्लादेश चार अंकों की गिरावट के साथ 10वें स्थान पर खिसक गया है। टी20 में मौजूदा विश्व चैंपियन भारत शीर्ष पर है, हालांकि दूसरे स्थान पर मौजूद

ऑस्ट्रेलिया पर उसकी बढ़त 10 से घटकर नौ अंक हो गई है। पहली बार वार्षिक अपडेट में वैश्विक टी20 रैंकिंग में 100 टीमों को शामिल किया गया है। सूची में वे सभी टीमें शामिल हैं जिन्होंने पिछले तीन वर्षों में कम से कम आठ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। इंग्लैंड तीसरे नंबर पर है, जबकि न्यूजीलैंड, वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका क्रमशः चौथे, पांचवें और छठे नंबर पर हैं। इनके बाद श्रीलंका, पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, आयरलैंड और जिंबॉब्वे का नंबर आता है। मौजूदा विश्व टेस्ट चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने टेस्ट टीम रैंकिंग में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है, हालांकि वार्षिक अपडेट के बाद उसकी बढ़त 15 से घटकर 13 अंक रह गई है। ऑस्ट्रेलिया के 126 रेटिंग अंक हैं। बेन स्टोक्स की अगुवाई वाली इंग्लैंड की टीम दक्षिण अफ्रीका और भारत दोनों को पछाड़ते हुए दूसरे स्थान पर पहुंच गई। उसके रेटिंग अंक 113 हो गए हैं। दक्षिण अफ्रीका (111) और भारत (105) एक एक स्थान फिसलकर क्रमशः तीसरे और चौथे स्थान पर पहुंच गए। उनके बाद न्यूजीलैंड, श्रीलंका, पाकिस्तान, वेस्टइंडीज, बांग्लादेश और जिम्बाब्वे हैं। टेस्ट तालिका में अभी केवल 10 टीम शामिल हैं। आयरलैंड को रैंकिंग हासिल करने के लिए अगले 12 महीनों में एक और टेस्ट खेलना होगा, जबकि अफगानिस्तान को सूची में शामिल होने के लिए तीन और मैच खेलने होंगे।

सीतारमण ने की जापन के वित्त मंत्री से मुलाकात

मिलान। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने यहां एशियाई विकास बैंक की वार्षिक बैठक के अवसर पर जापान के वित्त मंत्री कात्सुनोब काटो से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच चर्चा भारत और जापान के बीच विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी को मजबूत करने पर केंद्रित रही। श्रीमती सीतारमण ने इस बात पर जोर दिया कि लोकतंत्र और कानून के शासन के साझा मूल्यों पर आधारित भारत-जापान साझेदारी हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, समृद्धि और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण है।श्रीमती सीतारमण और श्री काटो ने सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों में द्विपक्षीय आर्थिक सहयोग को गहरा करने, चल रहे प्रयासों को आगे बढ़ाने और अभिनव पहलों को प्रोत्साहित करने पर चर्चा की।

एडीबी अध्यक्ष का जटिल चुनौतियों को एक साथ हल करने के लिए सामूहिक कार्रवाई का आह्वान

मिलान। एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के अध्यक्ष मासातो कांडा ने एडीबी के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की 58वीं वार्षिक बैठक के कहा कि एशिया और प्रशांत क्षेत्र के सामने आने वाली अनिश्चितताएं एक अधिक लचीला और टिकाऊ भविष्य बनाने का अवसर भी हैं। श्री कांडा ने बैठक के उद्घाटन सत्र के दौरान कहा कि बाहरी झटके, कर्ज का बोझ और जलवायु परिवर्तन इस क्षेत्र के लोगों और अर्थव्यवस्थाओं पर भारी पड़ रहे हैं। लेकिन हम शून्य से शुरू नहीं कर रहे हैं। विकास ठोस बना हुआ है, व्यापार और आर्थिक एकीकरण गहरा रहा है, आपूर्ति श्रृंखलाएं विविध हो रही हैं और डिजिटल कनेक्टिविटी तथा नवाचार में तेजी आ रही है। उन्होंने कहा कि अनिश्चितता पीछे हटने का कारण नहीं है। यह पहले से कहीं अधिक साहसी होने, तेजी से आगे बढ़ने और अधिक निकटता से काम करने का कारक है।इटली के मिलान में आयोजित वार्षिक बैठक में 5,000 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें इटली के प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी सहित सरकारों के प्रतिनिधि, निजी क्षेत्र, नागरिक समाज और शिक्षा जगत के प्रतिनिधि शामिल थे। इटली के अर्थव्यवस्था और वित्त मंत्री जियानकार्लो जियोर्जेटी और बैंक ऑफ इटली के गवर्नर तथा एडीबी बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष फैबियो पैनेटा ने भी उद्घाटन सत्र में बात की और एडीबी के साथ इटली की साझेदारी पर जोर दिया।

महिंद्रा एंड महिंद्रा का एकल लाभ 22 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई। वाहन निर्माण सहित विभिन्न क्षेत्रों में कारोबार करने वाले महिंद्रा एंड्र महिंद्रा लिमिटेड ने वितत वर्ष 2024-25 की अंतिम तिमाही में 2437 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया है जो इससे पिछले वित्त वर्ष के 2000 करोड़ रुपये के लाभ की तुलना में 22 प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने बीएसई का बताया कि मार्च 2025 को समाप्त इस तिमाही में उसकी एकल बिक्री 31609 करोड़ रुपये रही है जो मार्च 2024 में समाप्त चौथी तिमाही के 25434 करोड़ रुपये के विक्रय की तुलना में 24 प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 में कुल 11855 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया है जो इससे पिछले वित्त वर्ष के 19642 करोड़ रुपये के लाभ की तुलना में 11 प्रतिशत अधिक है। इस अवधि में कंपनी की कुल बिक्री 118625 करोड़ रुपये रही है जो वित्त वर्ष 2023-24 के 101336 करोड़ रुपये के लाभ की तुलना में 17 प्रतिशत अधिक है। कंपनी के निदेशक मंडल ने प्रति शेयर 25.30 रुपये का लाभांश देने का प्रस्ताव किया है।

कंपनियों के लिए एयरटेल बिजनेस की 'बिज़नेस नेम डिस्प्ले सेवा शुरू

एजेंसी
नई दिल्ली। एयरटेल बिज़नेस ने आज 'बिज़नेस नेम डिस्प्ले' (बीएनडी) सेवा के लॉन्च की घोषणा की। यह सेवा उद्योग में अपनी तरह की पहली, नई तकनीक पर आधारित सुविधा है, जिसका उद्देश्य कंपनियों और उपभोक्ताओं के बीच होने वाले संवाद को अधिक विश्वसनीय और प्रभावी बनाना है। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि इसके जरिए कंपनियां, अपनी आउटगोइंग कॉल के दौरान ग्राहकों के मोबाइल स्क्रीन पर अपना ब्रांड नाम प्रदर्शित कर सकेंगी, जिससे ग्राहकों को भरोसेमंद बिज़नेस कॉल्स और स्पैम कॉल्स के बीच आसानी से अंतर करने में मदद मिलेगी। एयरटेल ने अपने ग्राहकों को स्पैम कॉल से राहत दिलाने के लिए भारत का पहला स्पैम-रोधी नेटवर्क शुरू किया है। इस पहल को देशभर में चलाए गए एक बड़े जनजागरूकता अभियान के ज़रिए ग्राहकों तक पहुंचाया गया, ताकि वे इस समस्या को बेहतर तरीके से समझ सकें और सतर्क रह सकें। इस पहल के चलते एक ओर जहां स्पैम कॉल्स को लेकर लोगों में जागरूकता बढ़ी और उन्होंने अनजान या स्पैम के रूप में चिन्हित कॉल्स को अनदेखा करना शुरू किया, वहीं दूसरी ओर इसका एक अनचाहा असर यह हुआ कि कई ब्रांड्स की कॉल भी स्पैम के तौर पर टैग हो गईं। इस वजह से ग्राहक कई बार बैंकों, फ़ूड डिलीवरी, कूरियर सेवा या डॉक्टर की ज़रूरी अपॉइंटमेंट जैसी अहम कॉल मिस कर देते थे।

भारत 2025 में बनेगा दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, 2028 में जर्मनी से भी होगा आगे

एजेंसी
नई दिल्ली। भारत की जीडीपी 2025 में जापान को पछाड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की ओर से जारी किए गए वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक अप्रैल 2025 में यह जानकारी दी गई। रिपोर्ट में बताया कि 2025 में भारत की नॉमिनल जीडीपी बढ़कर 4,187.017 अरब डॉलर हो जाएगी। वहीं, जापान की जीडीपी का आकार 4,186.431 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। भारत मौजूदा समय में दुनिया की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। जीडीपी में अमेरिका, चीन, जर्मनी और जापान, भारत से आगे हैं। आईएमएफ के अनुमानों के अनुसार, आने वाले वर्षों में भारत जर्मनी को पछाड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी बन सकता है। 2027 तक भारत की अर्थव्यवस्था 5 ट्रिलियन डॉलर के आंकड़े को पार

कर सकती है और इस दौरान जीडीपी का आकार 5,069.47 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। वहीं, 2028 तक भारत की जीडीपी का आकार 5,584.476 अरब डॉलर होगा, जबकि इस दौरान जर्मनी की जीडीपी का आकार 5,251.928 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। आईएमएफ के अनुमानों में कहा गया कि दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं अमेरिका और चीन 2025 के साथ आने वाले करीब एक दशक तक अपनी रैंकिंग बरकरार रख सकते हैं। आईएमएफ ने 2025 के लिए भारत की जीडीपी विकास दर को घटाकर 6.2 प्रतिशत कर दिया है। इससे पहले जनवरी आउटलुक रिपोर्ट में यह आंकड़ा 6.5 प्रतिशत पर था रिपोर्ट में बताया गया कि विकास दर में कमी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से लगाए गए टैरिफ की अनिश्चितताओं के कारण है।

आईएमएफ की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत दुनिया की सबसे तेज बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था बनी हुई है। अगले दो वर्षों में दुनिया की एकमात्र बड़ी अर्थव्यवस्था होगी, जो कि 6 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। आईएमएफ की मुख्य अर्थशास्त्री गीता गोपीनाथ ने कहा, हमारे अप्रैल 2025 के वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक में 2.8 प्रतिशत की कमजोर वैश्विक वृद्धि का अनुमान लगाया गया है, जिसमें 127 देशों की वृद्धि दर में गिरावट शामिल है, जो विश्व जीडीपी का 86 प्रतिशत है।

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान को गिफ्ट सिटी गांधीनगर में नए परिसर खोलने की स्वीकृति

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने राजधानी स्थित भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (आईआईएफटी) को गांधीनगर, गुजरात में एक नया शैक्षणिक परिसर स्थापित करने की मंजूरी दे दी है। मंत्रालय की जारी एक अधिसूचना के अनुसार आईआईएफटी के इस प्रस्ताव को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की शर्तों को पूरा करने के आधार पर मुख्य परिसर से दूर गुजरात के गिफ्ट सिटी में नया परिसर स्थापित करने की स्वीकृति दी गई है। आईआईएफटी को डीम्ड विश्वविद्यालय का दर्जा प्राप्त है। प्रस्ताव के अनुसार आईआईएफटी गिफ्ट सिटी गांधीनगर में 3 साल में 1000 विद्यार्थियों के अध्ययन अध्यापन की सुविधा का विकास करेगा। वहां संबंधित क्षेत्र के विभिन्न विषयों के पाठ्यक्रम चलाए जाएंगे। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने आईआईएफटी को यह मंजूरी हासिल करने में मिली सफलता के लिए बधाई दी है। श्री गोयल ने कहा है कि नए परिसर के खुलने से संस्थान को अंतरराष्ट्रीय कारोबार में अपना मुख्य एमबीए पाठ्यक्रम शुरू करने के साथ-साथ अल्पकालिक प्रशिक्षण और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के क्षेत्र में अनुसंधान कार्यक्रम चलाने का मार्ग प्रशस्त होगा। उन्होंने कहा कि इससे भारत को निर्यात का एक बड़ा केंद्र बनाने में बड़ी मदद मिलेगी।

राष्ट्रीय कर सम्मेलन में सरल कर कानूनों की मांग, आयकर विधेयक 2025 पर हुई चर्चा

एजेंसी
कोलकाता। पुणे में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कर सम्मेलन में विशेषज्ञों ने कर कानूनों को सरल और आम जनता के लिए सुगम बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम का आयोजन ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ टैक्स प्रैक्टिशनर्स (एआईएफटीपी) समेत कई कर (टैक्स) संगठनों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। एआईएफटीपी के पूर्व अध्यक्ष नारायण जैन ने सम्मेलन के दौरान कहा कि करदाताओं के बेहतर अनुपालन के लिए मौजूदा कानूनों को सरल बनाना आवश्यक है। उन्होंने डॉ. गिरीश आहूजा के साथ आयकर विधेयक 2025 पर आयोजित सत्र की अध्यक्षता की। इस दौरान बताया गया कि नया विधेयक पुराने आयकर अधिनियम, 1961 की मूल भावना को बनाए रखते हुए अनावश्यक प्रावधानों को हटाकर, धाराओं को फिर से क्रमबद्ध करता है। इससे करदाताओं के लिए समझना आसान होगा। उद्घाटन सत्र में एआईएफटीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कर पेशेवरों का स्वागत करते हुए संगठन की उपलब्धियों और कार्यक्षेत्र

की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संगठन के 11 हजार से अधिक सदस्य हैं और यह देशभर में कर (टैक्स) शिक्षा और जागरूकता के लिए लगातार काम कर रहा है। सम्मेलन में जीएसटी, प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था, भारतीय न्याय संहिता से जुड़े प्रावधानों, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग और सहकारी क्षेत्र से जुड़े विषयों पर भी चर्चा हुई। तकनीकी सत्रों में वक्ताओं ने इन विषयों पर गहराई से विचार रखे और प्रतिभागियों के सवालों के जवाब दिए। सम्मेलन में देशभर से आए विशेषज्ञों, करते सलाहकारों और अकादमिक क्षेत्र से जुड़े लोगों की सक्रिय भागीदारी रही, जिससे यह कार्यक्रम ज्ञानवर्धक और सफल रहा।

2,730 रुपये तक महंगा हुआ सोना, चांदी की कीमत में मामूली गिरावट

एजेंसी
नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोने की कीमत में जबरदस्त तेजी का रुख नजर आ रहा है। दूसरी ओर चांदी की कीमत में आज मामूली गिरावट दर्ज की गई है। सर्राफा बाजारों में सोना आज 2,500 रुपये से लेकर 2,730 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। कीमत में आई तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में आज 24 कैरेट सोना 98,460 रुपये से लेकर 98,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 90,250 रुपये से लेकर 90,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में आज गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 96,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 98,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 90,400 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 98,460 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 98,510 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,300 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 98,460 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 90,250 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 98,460 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 98,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 90,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 98,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 90,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जयपुर में 24 कैरेट सोना 98,610 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 98,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 90,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

एडीबी की बैठक में भारत-इटली ने आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के उपायों पर किया विचार

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इटली के शहर मिलान में 58वीं एडीबी वार्षिक बैठक के मौके पर इटली के वित्त मंत्री जियानकार्लो जियोर्जेटी से मुलाकात की। उन्होंने भारत-इटली आर्थिक संबंधों को मजबूत करने और आपसी हितों के मुद्दों पर वैश्विक और बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी द्वारा नवंबर 2024 में घोषित संयुक्त रणनीतिक कार्य योजना 2025-2029 के कार्यान्वयन पर प्रकाश डाला गया, जो प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच सहयोग को गहराई और गति प्रदान करेगा। वित्त मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'वित्त वर्ष 2023-24

में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 14.56 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अक्षय ऊर्जा, डिजिटल प्रौद्योगिकियों, कृषि-खाद्य प्रसंस्करण और उच्च-स्तरीय विनिर्माण में अपार संभावनाओं पर जोर दिया और इटली की कंपनियों को भारत सरकार की पीएलआई (प्रदर्शन आधारित प्रोत्साहन) योजनाओं के माध्यम से 'मेक इन इंडिया' के लिए आमंत्रित किया।' वित्त मंत्री ने आधार, यूपीआई और डिजीलॉकर जैसे डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) प्लेटफॉर्म के साथ देश की सफलता को साझा किया और अभिनव फिनटेक समाधानों पर सहयोग का प्रस्ताव दिया। दोनों वित्त मंत्रियों ने बहुपक्षीय विकास बैंकों (एमडीबी) में सुधार के महत्व पर चर्चा की ताकि उन्हें विकासशील देशों की जरूरतों के प्रति अधिक उत्तरदायी बनाया जा सके, पर्याप्त रूप से पूंजीकृत किया जा सके और एसडीजी के साथ बेहतर ढंग से अलाइन किया जा सके। वित्त मंत्री सीतारमण ने ग्रीन हाइड्रोजन, कार्बन कैप्चर, ऊर्जा दक्षता और सर्कुलर अर्थव्यवस्था में सह-वित्तपोषण मॉडल और सहयोग को रेखांकित किया और कहा कि दोनों देश वैश्विक बाजारों के लिए समाधान विकसित करने के लिए अपनी ताकत का लाभ उठा सकते हैं, जिससे हमारी जलवायु प्रतिबद्धताओं को आगे बढ़ाया जा सके। भारतीय वित्त मंत्री ने जापान के वित्त मंत्री कात्सुनोबु काटो से भी मुलाकात की और दोनों देशों के बीच विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी पर चर्चा की। केंद्रीय वित्त मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि लोकतंत्र और कानून के शासन के साझा मूल्यों पर आधारित भारत-जापान साझेदारी हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, समृद्धि और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण है।

सीतारमण ने विकसित भारत 2027 के लिए मोदी के विजन पर दिया जोर

एजेंसी
नई दिल्ली। मिलान (वार्ता) केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज यहां एशियाई विकास बैंक (एडीबी) की 58वीं वार्षिक बैठक में गवर्नर्स के बिजनेस सत्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की विकास गाथा और विकसित भारत 2047 के लिए उनके विजन पर जोर दिया। श्रीमती सीतारमण ने कहा कि एडीबी भारत की विकास यात्रा में एक मूल्यवान भागीदार है। उन्होंने एडीबी के अधिक सक्रिय, चुस्त, साहसी और ग्राहक-केंद्रित विजन का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि ये विशेषताएं समृद्ध, समावेशी, लचीले और टिकाऊ एशिया और प्रशांत की ओर हमारी सामूहिक यात्रा में महत्वपूर्ण हैं।

जीएसटी अधिनियम की धारा 112 के तहत अपीलीय न्यायाधिकारणों का जल्द हो गठन: कैट

एजेंसी
नई दिल्ली। कॉन्फ़ेडरेशन ऑफ़ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने वस्तु एवं सेवाकर (जीएसटी) अपीलीय ट्रिब्यूनलों के गठन की दिशा में तत्काल प्रभाव से कदम उठाए जाने की मांग करते हुए कहा है कि इस तरह के फोरम का न होना जीएसटी कानून के प्रावधानों के विरुद्ध है। कैट ने दिल्ली जीएसटी प्रोफेशनल्स ग्रुप (डीजीपीजी) के साथ मिलकर नई दिल्ली में एक 'छद्म जीएसटी ट्रिब्यूनल' का आयोजन किया। कार्यक्रम में जीएसटी कानून के अनुपालन में ट्रिब्यूनलों के महत्व को रेखांकित किया गया। कैट ने एक विज्ञप्ति में कहा है कि जीएसटी कानून की धारा 112 के अनुसार करदाताओं को जीएसटी अधिकारियों के आदेशों के विरुद्ध अपील करने के लिए अपीलीय न्यायाधिकरणों का प्रावधान है। करदाताओं के वैधानिक अधिकार को सुनिश्चित करने के लिए अपीलीय फोरम का होना जरूरी है। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए कैट के राष्ट्रीय महामंत्री एवं चांदनी चौक से सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि केंद्र सरकार के प्रयासों के बावजूद उच्त्तम न्यायालय में लंबित मामलों के कारण राज्यों में अब तक जीएसटी ट्रिब्यूनलों का गठन नहीं हो पाया है। इस देरी के चलते देशभर में दो लाख से अधिक मामलों का लंबित रहना बताया गया है, जिससे करदाताओं को उच्च न्यायालयों में महंगे और समय लेने वाले रिट याचिकाओं के माध्यम से न्याय पाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। श्री खंडेलवाल ने कहा कि जीएसटी अधिनियम की धारा 112, नियम 10 के साथ पढ़ने पर दो स्तरीय अपीलीय ट्रिब्यूनल प्रणाली (राष्ट्रीय/क्षेत्रीय पीठें एवं राज्य/क्षेत्रीय पीठें) के गठन का स्पष्ट प्रावधान किया गया है जो ऑर्डर-इन-अपील या रिवीजनल अथॉरिटी के आदेशों के विरुद्ध अपील की सुनवाई करते है। उन्होंने कहा कि ट्रिब्यूनल के अभाव में करदाता संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत उच्च न्यायालयों में दीवानी रिट याचिकाएं लगानी पड़ रही है पर धारा 117 के प्रावधनों के तहत अपील तभी संभव है जब ट्रिब्यूनल का आदेश मौजूद हो। 'छद्म जीएसटी ट्रिब्यूनल' में ट्रिब्यूनल की कार्यवाही का मंचन किया गया हो एक वास्तविक ट्रिब्यूनल की प्रक्रिया का सटीक चित्रण था। नौ वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने अपीलकर्ताओं की ओर से पैरवी की, जबकि सरकार की ओर से अधिवक्ता सुशील वर्मा ने पक्ष रखा। इस कार्यक्रम में सरकार के वकील ने बड़े पैमाने पर कर चोरी और धोखाधड़ी के मामलों का हवाला देते हुए अधिकारियों की कार्रवाई को उचित ठहराया, जबकि अपीलकर्ताओं ने अधिकारियों की मनमानी, प्रक्रियात्मक उल्लंघन और अनुच्छेद 21 के तहत मौलिक अधिकारों के हनन की बात रखी। बयान में कैट ने केंद्र सरकार से जीएसटी अपीलीय ट्रिब्यूनल के गठन की प्रक्रिया को शीघ्र गति देने का आग्रह किया है। श्री खंडेलवान ने कहा कि कैट राज्य सरकारों और जीएसटी आयुक्तों को पत्र लिखकर आग्रह करेगा कि वे ईमानदार व्यापारियों को अनावश्यक उत्पीड़न से बचाएं और व्यापार के लिए अनुकूल और न्यायपूर्ण कर प्रणाली सुनिश्चित करें, जिससे राज्य और देश दोनों की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिले।

सीतारमण ने एडीबी से की पाकिस्तान की फंडिंग में कमी लाने की मांग

एजेंसी
नई दिल्ली। केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के अध्यक्ष मासातो कांडा से यहां मुलाकात कर पाकिस्तान को दिए जाने वाले फंड में कमी करने की मांग की। एडीबी की 58वीं वार्षिक बैठक के दौरान हुयी यह मुलाकात 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव के बीच हुई है। श्रीमती सीतारमण ने इटली के वित्त मंत्री जियानकार्लो जियोर्जेटी के समक्ष भी यही मांग उठाई। श्री कांडा के साथ बैठक के दौरान श्रीमती सीतारमण ने कहा कि भारत निजी क्षेत्र के नेतृत्व वाली आर्थिक वृद्धि पर ध्यान केंद्रित कर रहा है और दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी), कॉर्पोरेट कर दर में कमी और वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) कार्यान्वयन, उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन (पीएलआई), राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन (एनआईपी), गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान और स्टार्टअप इंडिया जैसी साहसिक पहलों के माध्यम से लगातार अनुकूल नीति और नियामक पारिस्थितिकी तंत्र बना रहा है, ताकि व्यापार करने में अधिक आसानी हो। वित्त मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि भारत एडीबी को नए, अभिनव वित्तपोषण उत्पादों और मॉडलों को आगे बढ़ाने के अवसर प्रदान करता है। श्री कांडा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण से निर्देशित भारत की विकास प्राथमिकताओं के लिए एडीबी के पूर्ण समर्थन का अश्वासन दिया।

डिलीवरी कुशल नहीं होने से कई सरकारें दशकों तक कुछ हासिल नहीं कर सकीं: सीतारमण

एजेंसी
मिलान। केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने प्रवासी भारतीयों को संबोधित करते हुए कहा कि कई सरकारें कई दशकों तक कुछ हासिल नहीं कर सकीं, क्योंकि उनकी डिलीवरी कुशल नहीं थी, लेकिन पिछले 10 वर्षों में बिना किसी भेदभाव के हर नागरिक के लिए जो मुख्य रूप से दिया जाना था, वह दिया गया है। श्रीमती सीतारमण ने यहां आयोजित एक संवाद कार्यक्रम के दौरान प्रवासी भारतीयों को संबोधित किया। अपने संबोधन के दौरान वित्त मंत्री ने भारत में समावेशी वृद्धि और विकास सुनिश्चित करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की प्रमुख पहलों और उपायों पर प्रकाश डाला। उन्होंने स्थानीय अर्थव्यवस्था और समाज में प्रवासी भारतीयों के सकारात्मक योगदान की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि दुनिया भर में प्रवासी भारतीयों का बहुत सम्मान किया जाता है। प्रवासी भारतीयों को संबंधित अर्थव्यवस्थाओं में बहुत रचनात्मक, सकारात्मक योगदानकर्ता के रूप में देखा जाता है और परिणामस्वरूप आप (भारतीय प्रवासी) भारत के लिए बहुत गर्व की बात है, क्योंकि प्रवासी भारतीय कानून का पालन करने वाले नागरिक के रूप में उस अर्थव्यवस्था की परवाह करने वाले और उससे जुड़े हुए नागरिक के रूप में काम करने के साथ ही अपनी मातृभूमि से भी जुड़े हुए हैं।

पूरे दिन उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, निवेशकों को 4.78 लाख करोड़ का मुनाफा

एजेंसी
नई दिल्ली। विदेशी निवेशकों की खरीदारी और क्रूड ऑयल के दाम में आई गिरावट के कारण आज घरेलू शेयर बाजार का सेंटीमेंट हाई बना रहा। हालांकि मुनाफा वसूली के कारण होने वाली बिकवाली से शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव की स्थिति भी बनी रही। पूरे दिन उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार आज मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। आज के कारोबार की शुरुआत भी बढ़त के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद लिवालों और बिकवालों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश शुरू हो गई, जिसके कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल भी ऊपर नीचे होती रही। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.37 प्रतिशत और निफ्टी 0.47 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज दिनभर के कारोबार के दौरान ऑटोमोबाइल, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइजेज और ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक खरीदारी होती रही। इसी तरह एनर्जी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, कैपिटल गुड्स, मेटल और एफएमसीजी इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। दूसरी ओर निफ्टी का बैंकिंग इंडेक्स आज करीब 200 अंक की बड़ी गिरावट का शिकार हो गया। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.45 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.23 प्रतिशत की बढ़त के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में पौने पांच लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 427.59 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 422.81 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 4.78 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,202 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,563 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,460 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 179 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,588 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,848 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 740 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 20 शेयर बढ़त के साथ और 10 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 34 शेयर हरे निशान में और 16 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 159.63 अंक उछल कर 80,661.62 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से दोपहर 11 बजे के करीब यह सूचकांक 547.04 अंक की मजबूती के साथ 81,049.03 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिसकी वजह से अगले 1 घंटे के कारोबार में यह सूचकांक गिर कर 80,657.71 अंक तक पहुंच गया। दिन के दूसरे सत्र में इस सूचकांक की चाल में लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 294.85 अंक की बढ़त के साथ 80,796.84 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 72.80 अंक की तेजी के साथ 24,419.50 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से यह सूचकांक 179.70 अंक की छलांग लगा कर 24,526.40 अंक तक पहुंचा। हालांकि बाद में मुनाफा वसूली शुरू हो जाने पर इसने 24,400.65 अंक तक गोता भी लगा दिया।

सुकून और सुंदरता
का एक ही नाम सफेद

- विज्ञान ने भी साबित किया है कि गर्मियों में हल्के सुहाने रंग राहत और सुकून पहुंचाते हैं। और यदि तेज, चुभती धूप में कपड़ों का रंग सफेद हो तो... ये बिल्कुल जादू की तरह काम करता है। देखकर सुकून का आभास होता है।
- सफेद लिबास के साथ अवचेतन में इतनी शुभ्रता, शुचिता, सुकून के अहसास जुड़े हैं कि सफेद

गाउन में सजी कोई युवती पहली नजर में परियों-सी लगती है। हम जब भी खूबसूरती, मासूमियत और अलौकिकता की साझी कल्पना करते हैं तो दिलो-दिमाग में सफेद वस्त्रों में सजी परियां थिरक उठती हैं। बहरहाल, जिन देशों में मार्च के कदम रखते ही गर्मी भी दस्तक देने लगती है, वहां चिलचिलाती धूप और बेचैन करने वाली तपिश के दिनों में फैशन और सुकून का एक ही रंग दिखता है, सफेद।
- साल 2012 का प्रतिनिधि रंग कोई भी हो, दहलीज पर गर्मी के कदम पड़ते ही सफेद रंग की हुकूमत चारों तरफ दिखाई देने लगती है। यह महज संयोग नहीं है कि हर साल स्प्रिंग कलेक्शन यानी बसंत ऋतु में होने वाले फैशन सप्ताहों में सफेद रंग की बादशाहत दिखती है। गर्मियों में हल्का-फुल्का, ढीला-ढाला और कैजुअल कुछ भी पहन सकते हैं। चाहे बीच पार्टियां हों, चाहे किसी के जन्मदिन की पार्टी- सफेद हर जगह शानदार लगता है, गरिमामय लगता है। सफेद लिबास के साथ एक और सुविधा है। आप कई तरह की एक्सेसरीज पहन सकते हैं। बहुत कम ऐसे मौसम होते हैं जिनका कोई प्रतिनिधि रंग हो, लेकिन गर्मी का अपना प्रतिनिधि रंग है, सफेद। इन दिनों भड़कीले या बहुत धुंधले (डल) रंग न दिल को भाते हैं न आंखों को। सिर्फ अपने तन में ही नहीं, दूसरों पर भी इन दिनों सफेद रंग के कपड़े अच्छे लगते हैं।
- लड़कियों में सफेद कुर्ते, सफेद टॉप, सफेद गाउन कुछ इस तरह खिलते हैं, जैसे वाकई ये उजली-उजली परियां हों। एक फायदे की बात यह है कि आज सफेद रंग में हर तरह की एक्सेसरीज आसानी से मैच करती है।
- आप सफेद टॉप के साथ नीली जींस का क्लासिक कॉम्बिनेशन इस्तेमाल कर सकते हैं तो आमतौर पर काले को छोड़कर (...और वो भी इसलिए, क्योंकि काला रंग रोशनी को सोखता है, इसलिए इन दिनों बेचैन करता है) कोई भी रंग सफेद के साथ मैच कर जाता है यानी सफेद के साथ कॉम्बिनेशन बनाने में आपको कतई परेशान होने की जरूरत नहीं पड़ती है।
- इसकी रसायनिक विशिष्टता तो यह है कि यह आंखों का सुकून और दिल को ठंडक पहुंचाता है। यह हमारी तमाम उग्रता को ठंडा कर देता है।
- सफेद महज रंग नहीं है, यह पूरी संस्कृति है। यह एक पूरी सभ्यता है इसलिए सफेद रंग जितना चिलचिलाती गर्मी से सुकून देता है, वैसे ही बेचैन करने वाली भावनाओं के मामले में भी सुकून पहुंचाता है। यही कारण है कि दुनियाभर में बच्चों की मासूमियत को उभारने के लिए उन्हें उसके साथ जोड़कर देखने के लिए ज्यादातर स्कूलों की यूनीफॉर्म सफेद होती है।
- सफेद रंग शांति और शुद्धता का प्रतीक है। जब फिजा में आतिशी हवा के झोंके हों, कपड़े बेचैन करते हों, भला उस समय भड़कीले रंग किसे अच्छे लगते हैं यही वजह है कि पश्चिम से लेकर पूरब तक और उत्तर से लेकर दक्षिण तक गर्मियों में सफेद लिबास का जलवा दिखता है।
- डॉक्टर सफेद कोट पहनते हैं, क्योंकि वे यह बताना चाहते हैं कि यह रंग ईमानदारी, पवित्रता और ईश्वरीयता का प्रतिनिधि है।
- सफेद रंग के साथ कई फायदे हैं- भावनात्मक, कुदरती और सामाजिक भी। इसकी सामाजिकता में भी समरसता है। यही कारण है कि सफेद रंग सबको भाता है, सब पर फबता है चाहे सेलिब्रिटीज पहन लें या फिर कोई आम आदमी। सबको यह रंग आकर्षित करता और सब पर यह रंग आकर्षक लगता है। ऐसा नहीं है कि हम सफेद कपड़े कभी भी पहन सकते हैं।
- वाकई सफेद सदाबहार रंग है और इसके इतने विस्तृत आयाम हैं कि अगर आपने कई जोड़ी यानी जरूरत से ज्यादा भी इन दिनों सफेद कपड़े खरीद लिए हैं तो आपको सर्दियों के कपड़ों की तरह संदूक में साल के बाकी महीनों के लिए नहीं रखने पड़ेंगे। आप इन्हें लगातार पहन भी सकते/ सकती हैं। सफेद रंग के साथ आप अपनी चाहतों के सभी रंगों की एक्सेसरीज पहन सकती हैं। सफेद रंग कभी भी आउट ऑफ फैशन नहीं होता है। यह हमेशा खूबसूरत और ट्रेंडी लगता है।
- गर्मियों में सफेद टी-शर्ट और टॉप के जलवे देखते ही बनते हैं। मर्लिन मुनरो आज भी चेतन-अवचेतन में अगर किसी परी की तरह कैद हैं तो उसी सफेद ड्रेस में। गर्मियों में तमाम सेलिब्रिटीज सफेद रंग में ही नजर आते हैं तो आप क्यों न नजर आएं। इसलिए अगर सीजन की खरीदारी करने के लिए निकलना है तो अपनी सूची में सफेद कपड़ों के लिए जगह बना लीजिए, आखिर इन गर्मियों में परियों की तरह जो लगना है।

जब तक बच्चा स्कूल न जाए तब तो ठीक है, अगर वह रात में देर से भी सोता है तो सुबह देर तक सोकर अपनी नींद पूरी कर सकता है, लेकिन जब वह स्कूल जाने लगता है तो उसकी नींद पूरी नहीं हो पाती और वह चिड़चिड़ाने लगता है...।

कैसे शुरू करें बच्चों की
बेड टाइम ट्रेनिंग

आज की लाइफ स्टाइल पहले की लाइफ स्टाइल से बहुत अलग है। मोबाइल, टीवी, इंटरनेट ने हमारी जिंदगी में जितनी चीजें आसान बना दी है, उतना ही हम व्यस्त भी हो गए हैं। अगर आपके बच्चे का प्री-स्कूल जाने का समय आ गया है और उसका अभी भी रात में सोने का कोई निर्धारित समय नहीं है तो यह आपके लिए एक समस्या का कारण हो सकता है।

जब तक बच्चा स्कूल न जाए तब तो ठीक है। अगर वह रात में देर से भी सोता है तो सुबह देर तक सोकर अपनी नींद पूरी कर सकता है, लेकिन जब वह स्कूल जाने लगता है तो उसकी नींद पूरी नहीं हो पाती और वह चिड़चिड़ाने लगता है...।

नींद पूरी न होने से बच्चे के मस्तिष्क का पूरा विकास नहीं हो पाता। क्या आप अपने बच्चे के स्कूल की शुरुआत ऐसे करना चाहेंगे? इसलिए शुरू से उसे बेड टाइम ट्रेनिंग की आदत डालनी चाहिए।

यह ठीक उसी तरह है जिस तरह हमारी मां हमें सोने से पहले अपनी लोरियां सुनाती थीं। आइए जानें कुछ ऐसी बातें जिससे हम अपने बच्चे को ट्रेंड कर सकते हैं बेड टाइम ट्रेनिंग के लिए-

1. बेड टाइम ट्रेनिंग आप 4 से 5 माह के बच्चे के साथ कर सकते हैं। शुरुआत में आपको थोड़ी समस्या जरूर होगी लेकिन बाद में यह बहुत मददगार साबित होगी। बच्चे को सुलाने से पहले आप उनकी हल्की-हल्की मालिश कीजिए। गुनगुने पानी से उनका मुंह-हाथ धोएं (स्पंज करना)।
2. उनके कपड़े बदलकर उन्हें बेड के लिए तैयार करें। एक समय पर कमरे की लाइट्स बंद कर दें। ऐसा करके आप उन्हें सिग्नल दे रहे हैं और बेड टाइम के लिए तैयार कर रहे हैं।
3. बच्चों को कोई गाना, सॉफ्ट म्यूजिक सुनाएं। लाइट बंद करने से पहले आप बच्चों को पिक्चर बुक्स भी दिखा सकती हैं। ऐसा करने से बच्चों को बुक्स पढ़ने की आदत पड़ती है।
4. सोने से पहले भगवान का कोई सा मंत्र भी सुना सकती हैं। कुछ बच्चों को अपना मनपसंद खिलौना लेकर सोना भी अच्छा लगता है। बच्चों को सोने से पहले सॉफ्ट म्यूजिक सुनना बहुत अच्छा लगता है और उसे सुनने से उनके दिमाग का विकास भी होता है इसीलिए तो बरसों से चलता आ रहा लोरी का एक अपना ही महत्व है।
5. छोटे बच्चे (6 माह से 1 साल के बीच) रात में दूध के लिए जरूर उठते हैं। धीरे-धीरे उसका भी एक समय बनाते जाएं जिससे बच्चा और आप दोनों अच्छे से अपनी नींद पूरी कर सकें।
6. जैसे-जैसे बच्चा धीरे-धीरे बड़ा होता है, आप उसे बेड में जाने से पहले मुंह-हाथ धुलाकर ब्रश करना सिखाएं। कपड़े बदलकर उन्हें बेड के लिए तैयार करें। सोने से पहले उन्हें दूध जरूर दें। उन्हें उनका मनपसंद खिलौना दें।
7. उन्हें किताब से कहानी सुनाएं। शुरुआत में तो बच्चे को टाइम देना आवश्यक है, लेकिन धीरे-धीरे बच्चे को जब इस टाइम टेबल की आदत हो जाएगी तो आपके और बच्चे दोनों के लिए ही बहुत लाभदायक होगा।
8. शाम को उसे कोई हॉबी क्लास या बगीचे में घूमने के लिए ले जाएं जिससे बच्चा अपना समय टीवी और लैपटॉप में न देकर खेले-कूदे और थक जाए। ऐसा करने से उसे नींद अच्छी आएगी और जल्दी आएगी।

कोशिश करें कि धीरे-धीरे उसे अपने आप टाइम से बेड पर जाने की आदत हो जाए ताकि आप भी अपने आपको कुछ समय दे सकें।